@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 26 जुलाई 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 260 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अजित पवार के साथ गठबंधन का कोई सवाल नहीं: जयंत पाटिल

मुंबई, 25 जुलाई। एनसीपी (शरद) के नेता जयंत पाटिल ने गुरुवार को कहा कि अब अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (ए) से गठबंधन का कोई सवाल ही नहीं है। शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को जनता का समर्थन मिल रहा है। हम लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी जीत हासिल करेंगे। उन्होंने मराठा समुदाय को आरक्षण देने में हो रही देरी पर महाराष्ट्र सरकार पर हमला बोला। वहीं ओबीसी समुदाय के आरक्षण की मांग पर जयंत ने कोई जवाब नहीं दिया। जयंत ने कहा कि महाविकास अघाड़ी के तहत लड़े गए लोकसभा चुनाव में एनसीपी (शरद) ने दस में से आठ सीटें जीतीं। जबकि एनसीपी (ए) के प्रमुख और उप मुख्यमंत्री अजित पवार केवल रायगढ़ सीट से ही जीत हासिल कर पाए। वह बारामती और शिरूर में हार गए। दोनों पार्टियां अलग हो गई हैं। दोनों के चिह्न अलग हैं। ऐसे में दोनों के बीच गठबंधन का कोई सवाल ही नहीं उठता। पाटिल ने कहा कि शिंदे सरकार केंद्रीय बजट में महाराष्ट्र को कोई लाभ नहीं दिला सकी। इससे साफ है कि सत्ता में काबिज गठबंधन के नेताओं का केंद्र सरकार पर कोई प्रभाव नहीं है। सरकार ने बजट में महाराष्ट्र के साथ हुए अन्याय के खिलाफ भी आवाज नहीं उठाई। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश और बिहार ने बजट को लेकर केंद्र सरकार पर खूब दबाव डाला। उन्होंने केंद्र सरकार को ब्लैकमेल किया और अपने राज्य के लिए ज्यादा बजट ले लिया। पाटिल ने कहा कि महाराष्ट्र में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी समर्थित महाविकास अघाड़ी को 288 में से 170 सीटें मिलेंगीं। राज्य के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख की ओर से डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस पर लगाए गए आरोपों को लेकर जयंत ने कहा कि वरिष्ठ भाजपा नेता को ऐसी राजनीति नहीं करनी चाहिए। दरअसल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता देशमुख ने आरोप लगाया था कि साल 2021 में (तब विपक्ष में रहे) फड़णवीस द्वारा कथित रूप से भेजे गए एक व्यक्ति ने उनसे मुलाकात की थी और उसके पास तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, उनके बेटे और कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे, तत्कालीन वित्त मंत्री अजित पवार और तत्कालीन परिवहन मंत्री अनिल परब को फंसाने वाले कई हलफनामे थे।

मोदी सरकार में किसानों के लिए सबसे बड़ी परेशानी एमएसपी: सुरजेवाला

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 25 जुलाई। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) किसानों के लिए सर्वाधिक परेशानी का सबब बन गया है। उन्होंने कहा कि 2024-25 का बजट कृषि गतिविधियों से जुड़े लोगों के मुद्दों का समाधान करने में विफल रहा है। केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेगे हुए सुरजेवाला ने कहा, यह बजट गठबंधन सरकार को बचाने, सहयोगियों को खुश करने और हार का बदला लेने का प्रयास है। उन्होंने कहा, वित्त मंत्री ने जब तीन शब्दों किसानों, गरीबों और युवाओं के साथ बजट भाषण की शुरुआत की तो पूरा देश उम्मीदों से भर गया। लेकिन कुछ ही मिनटों में स्पष्ट हो गया कि यह बजट कुर्सी बचाओ-सहयोगी दल बचाओ और हार का बदला लेते जाओ बजट है। कांग्रेस नेता ने पूछा कि बजट में किसानों, युवाओं और गरीबों के लिए क्या है? उन्होंने इसे खेती और किसान विरोधी बजट बताया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीते दस वर्षों में किसानों को परेशानी हुई है। इसके लिए उन्होंने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन का उदाहरण दिया। सुरजेवाला ने 2024-25 के खरीफ के सीजन में एक भी फसल के लिए सी2+50त्न फॉर्मूले के आधार पर एमएसपी तय न करने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, वित्त मंत्री ने सदन के पटल पर एक गलत बयान दिया है कि सरकार ने उत्पादन लागत पर 50त्न पर एमएसपी दिया है। सुरजेवाला ने अपनी बात साबित

करने के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) द्वारा शिफारिश की गई विभिन्न फसलों के एमएसपी की तुलना सी2 + 50त्न के आधार और सरकार द्वारा घोषित वास्तविक एमएसपी के आधार पर की। सी2 +50त्न का फॉर्मूला दिवंगत प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ ने पेश किया था। इसके तहत सी2 में उत्पादन शामिल होनी चाहिए, जिसमें किसानों के स्वामित्व वाली भूमि और मशीनरी पर किराया और ब्याज शामिल है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि सरकार घोषित एमएसपी पर किसानों से पर्याप्त मात्रा में फसलों की खरीद नहीं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, वे एमएसपी की घोषणा करते हैं, लेकिन एमएसपी पर खरीद नहीं करते हैं। भाजपा और मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में एमएसपी किसानों के लिए सबसे ज्यादा परेशानी की वजह बन गया है। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने भी केंद्रीय बजट 2024-25 में भाग लेते हुए कहा कि पुरानी संपत्तियों की बिक्री पर इंडेक्सेशन लाभ हटाने के सरकार के फैसले से रियल एस्टेट क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कालाधन आएगा। उन्होंने कहा कि इससे इस क्षेत्र में निवेश कम होगा। सरकार से प्रस्ताव वापस लेने की मांग करते हुए चड्ढा ने कहा कि लोग कभी अपने सपनों का घर नहीं खरीद पाएंगे। चड्ढा ने कहा, दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर इंडेक्सेशन को बहाल करें। पूरी दुनिया में निवेशकों को निवेश करने के लिए आकर्षित करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन दिया जाता है। इस देश में इंडेक्सेशन को हटाकर हम निवेशक वर्ग को हतोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंडेक्सेशन को हटाना, निवेशकों को दंडित करने जैसा है। उन्होंने कहा कि बजट 2024-25 में वित्त मंत्री सीतरमण के प्रस्तावित कदम के चलते पुरानी संपत्तियों को बेचने वाले व्यक्तियों को अधिक कर देना होगा।

सीएम की बैठक में फिर नहीं पहुंचे केशव प्रसाद मौर्य

कौमी संवाददाता

लखनऊ, 25 जुलाई। प्रदेश भाजपा में सियासी रार फिलहाल थमती नजर नहीं आ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बृहस्पतिवार को बुलाई गई बैठक में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या फिर नहीं पहुंचे। जबकि वह सीएम आवास के बगल में ही स्थित अपने सरकारी आवास पर रहे और कई पूर्व व वर्तमान मंत्रियों से मुलाकात की । केशव के बैठक में नहीं पहुंचने को लेकर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। दरअसल मुख्यमंत्री मंडलवार भाजपा और सहयोगी दलों के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर लोकसभा चुनाव के हार की समीक्षा कर रहे हैं। इसी कड़ी में बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री ने मेरठ और प्रयागराज मंडल की बैठक बुलाई थी। प्रयागराज मंडल की बैठक में भाजपा के साथ अपना दल (एस) के विधायक भी पहुंचे थे, लेकिन उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या नहीं पहुंचे, जबकि वह लखनऊ में ही थे। बैठक में पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, नंद गोपाल गुप्ता उर्फ नंदी समेत

सभी विधायक पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों से विधानसभावार लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर चर्चा की और हार के कारणों की जानकारी ली। बता दें कि लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद से ही केशव मुख्यमंत्री की मौजूदगी में होने वाली किसी भी बैठक में नहीं जा रहे हैं। यहां तक वह कैबिनेट की बैठकों से भी दूरी बनाए हुए हैं। इसे लेकर सियासी गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। बैठक में शामिल न होने को लेकर केशव से संपर्क करने की भी कोशिश की गई लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया। अलबत्ता केशव के एक करीबी का कहना है कि जिस समय सीएम की बैठक थी, उस समय उप मुख्यमंत्री का कहीं एक और कार्यक्रम था, इसलिए वह बैठक में नहीं पहुंच पाए। केशव सीएम की बैठक में भले ही नहीं गए, पर पूरे दिन अपने आवास पर नेताओं व जनप्रतिनिधियों से मिलते रहे। केशव से बृस्पतिवार को पूर्व मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, पूर्व मंत्री उपेन्द्र तिवारी और राज्यमंत्री दिनेश खटीक समेत कई लोगों ने मुलाकात की। इसकी जानकारी खुद केशव ने अपने एक्स हैंडल से देते हुए फोटो भी शेयर किया है। इसी बीच बुधवार को अपना दल (कमेरावादी) की नेता और सपा विधायक पल्लवी पटेल ने भी सीएम से मुलाकात कर प्रदेश के सियासी माहौल को गरमा दिया है। सूत्रों के मुताबिक पल्लवी मुख्यमंत्री आवास पर करीब 25-30 मिनट रही। पल्लवी की सीएम से क्या बात हुई इस पर पल्लवी कुछ बताने को तैयार नहीं हैं। जबकि उनके करीबी सूत्रो का कहना है कि वह अपने क्षेत्र के विकास के मुद्दे पर मुख्यमंत्री से मिलने गई थीं। बता दें कि भाजपा की सहयोगी अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने मुख्यमंत्री को ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर पत्र लिखा था, जिसे लेकर सियासी तुफान उठा था।

'सांसद को एनएसए के तहत जेल में रखना आपातकाल': चरणजीत चन्नी

नई दिल्ली, 25 जुलाई। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के लोकसभा में दिए गए हालिया बयान को लेकर राजनीति गरमाने लगी है। कांग्रेस सांसद ने लोकसभा में कहा कि जनता द्वारा चुने गए एक सांसद को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत जेल में डाला गया है और यह केंद्र सरकार का अघोषित आपातकाल है। इसके साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने चन्नी पर करारा हमला किया। भाजपा नेताओं का कहना है कि चन्नी, जेल में बंद कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह के बारे में बात कर रहे हैं। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री ने लोकसभा में कहा, 'पंजाब के 20 लाख लोगों द्वारा चुने गए एक सांसद को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत जेल में डाला गया है। वे सदन में अपने संसदीय क्षेत्र की समस्याओं के बारे में नहीं बोल सकते। यह भी एक आपातकाल है।' हालांकि, चन्नी ने किसी का नाम नहीं लिया लेकिन भाजपा का कहना है कि उन्होंने अमृतपाल सिंह का जिक्र किया है।' आपको बता दें कि अमृतपाल सिंह ने हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में खडूर साहिब से जीत हासिल की थी। वे, दो लाख से अधिक वोटों के अंतर से विजयी हुए थे। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि कांग्रेस को इस बारे में जवाब देना होगा। उन्होंने लिखा, 'क्या कांग्रेस खालिस्तान के विचार का समर्थन करती है, जिसके कारण 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या हुई थी। राहुल गांधी को इस बारे में जवाब देना चाहिए। आखिर क्यों कांग्रेस बार बार अलगाववादियों और आतंकवादियों के पक्ष में बात करती है?'

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से खनिज संपन्न राज्यों को होगा फायदा

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 25 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट एक फैसले से खनिज और खदान से संपन्न राज्यों को बड़ा फायदा होगा। दरअसल शीर्ष अदालत राज्यों की रायल्टी से जुड़े मामले में अपने फैसले में कहा कि राज्यों को खदानों और खनिज वाली भूमि और खनिज अधिकारों पर कर लगाने का अधिकार है। राज्यों के पास ऐसा करने की विधायी क्षमता और शक्ति है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि खनिज अधिकारों पर कर लगाने का अधिकार राज्यों के पास है, लेकिन यह खनिज विकास के लिए संसद की तरफ से बनाए गए कानून द्वारा परिकल्पित सीमाओं के अधीन है। इस पीठ में न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय, अभय एस ओका, जे.बी. पारदीवाला, मनोज मिश्रा, उज्ज्वल भुयान, सतीश चंद्र शर्मा और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी शामिल थे। फैसले में कहा गया है कि संसद यह निर्धारित कर सकती है कि क्या, और यदि हां, तो खनिज अधिकारों पर राज्यों की कर लगाने की शक्ति को किस प्रकार सीमित किया जाना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इससे खनिज विकास में बाधा या बाधा न आए। यदि संसद ऐसा करती है और सीमाओं की प्रकृति का संकेत देती है, तो राज्य खनिज अधिकारों पर कर

लगाने की शक्ति का प्रयोग करते समय उनका पालन करने के लिए बाध्य हैं। पीठ ने कहा कि संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची ढ्ढ्ढ की प्रविष्टि 23 के तहत संसद की तरफ से राज्य की विनियामक शक्ति को समाप्त कर दिया गया है, जबकि सूची ढ्ढ्ढ की प्रविष्टि 50 के मामले में खनिज अधिकारों पर कर लगाने के लिए राज्यों को सौंपा गया विधायी क्षेत्र सीमित है। सूची ढ्ढ्ढ की प्रविष्टि 23 राज्यों की तरफ से खानों और खनिज विकास के विनियमन से संबंधित है, जबकि सूची ढ्ढ्ढ की प्रविष्टि 50 खनिज अधिकारों पर राज्यों की कर लगाने की शक्तियों से संबंधित है। शीर्ष अदालत ने कहा कि संसद के पास संविधान की सूची 1 की प्रविष्टि 54 के तहत खनिज अधिकारों पर कर लगाने की विधायी क्षमता भी नहीं है, वह भी अनुच्छेद 248 के तहत अपनी अवशिष्ट शक्तियों का प्रयोग करके। संविधान के अनुच्छेद 248 में कहा गया है कि संसद की अवशिष्ट शक्तियों में राज्य सूची या समवर्ती सूची में उल्लिखित नहीं किए गए कर लगाने के लिए कोई कानून बनाने की शक्ति शामिल होगी। पीठ की ओर से फैसला लिखने वाले सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि संघीय सरकार में, प्रत्येक संघीय इकाई को एक निश्चित सीमा तक स्वतंत्रता के साथ अपने मूल संवैधानिक कार्यों को करने में सक्षम होना चाहिए। 200 पन्नों के बहुमत वाले फैसले में कहा गया

दरबार हॉल का नाम बदलने पर प्रियंका गांधी ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 25 जुलाई। राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदले जाने पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि दरबार की कोई अवधारणा नहीं है, यह केवल शहंशाह की अवधारणा है। दरअसल राष्ट्रपति भवन के प्रतिष्ठित दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदलकर गुरुवार को गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप किया गया है। ये हॉल विभिन्न औपचारिक समारोहों के आयोजन स्थल हैं। गुरुवार को संसद से निकलते वक्त प्रियंका ने कहा कि दरबार का हॉल का नाम बदलने के पीछे धारणा काफी दिलचस्प है। यह शहंशाह की अवधारणा है। वहीं कांग्रेस सांसद शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि संविधान के मुताबिक राष्ट्रपति की सहायता और सलाह के अनुसार काम करते हैं। मौजूदा सरकार नाम बदलने में काफी माहिर है। सरकार के पास कुछ करने के लिए नहीं है। इसलिए उन्होंने हॉल के नाम बदल दिए। देश की जनता सब कुछ देख और समझ रही है। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि सरकार को

नाम बदलने का शौक है। सरकार को लगता है कि ऐसा करके वह अपने गौरव को वापस ला रहे हैं। पहले सड़कों और सार्वजनिक स्थानों के नाम बदले गए। अब राष्ट्रपति भवन में नामों के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार को नाम बदलने के बजाय नए संस्थानों के निर्माण और नामकरण पर ध्यान देना चाहिए। नाम बदलने को लेकर राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से कहा गया कि राष्ट्रपति भवन, राष्ट्रपति कार्यालय और निवास राष्ट्र के प्रतीक हैं और जनता की एक अमूल्य विरासत हैं। बयान में कहा गया, इन्हें जनता के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के माहौल को भारतीय सांस्कृति मूल्यों और लोकाचार के अनुरूप बनाने के निरंतर प्रयास किए गए। इसी क्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के दो प्रतिष्ठित हॉल दरबार हॉल का नाम बदलकर गणतंत्र मंडप और अशोक हॉल का नाम बदलकर अशोक मंडप किया है।

ड्रग माफिया पाब्लो एस्कोबार से की जगन मोहन रेड्डी की तुलना

अमरावती, 25 जुलाई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता वाईएस जगन मोहन रेड्डी को लेकर विवादित बयान दिया। उन्होंने विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री रेड्डी की तुलना ड्रग माफिया पाब्लो एस्कोबार से कर दी। नायडू पिछले वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति और मादक पदार्थों की समस्या को लेकर रेड्डी की आलोचना कर रहे थे। कोलंबिया का रहने वाला एस्कोबार दुनिया के सबसे अमीर अपराधियों में एक माना जाता था। राज्य् में कानून-व्यवस्था और गांजे के प्रसार पर एक श्वेत पत्र जारी करते हुए नायडू ने दावा किया कि उन्होंने ऐसी स्थिति कभी नहीं देखी, जो वाईएसआरसीपी प्रमुख रेड्डी के पिछले पांच वर्षों के शासन के दौरान दिखी। उन्होंने राज्य में मादक पदार्थों के कथित खतरे की ओर इशारा करते हुए विधानसभा में कहा, आंध्र प्रदेश में जो कुछ हुआ, उससे केवल एक व्यक्ति की तुलना की जा सकता है और वह है-पाब्लो एस्कोबार। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, एस्कोबार एक ड्रग माफिया था, जिसने अवैध रूप से अरबों डॉलर की ड्रग्स बेची। उसने विरोध करने वाले नेताओं और राजनेताओं को भी मार डाला था। नायडू ने कहा कि एस्कोबार ने ड्रग्स बेचने के लिए एक गलियारा बनाया था और कथित तौर 90 अरब डॉलर कमाए थे। नायडू ने कहा, एस्कोबार दुनिया के सबसे अमिर ड्रग लॉर्ड के रूप में उभरा। उन्होंने उसकी तुलना विपक्षी नेता से की। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, कोई व्यक्ति ड्रग्स बेचकर भी सबसे अमीर व्यक्ति बन सकता है। आप व्यापार करके ऐसा कर सकते हैं, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री (वाईएस जगन मोहन रेड्डी) की मंशा क्या थी?

लोकसभा में गूंजा अर्धसैनिक बलों के लिए पुरानी पेंशन का मुद्दा: दीपेंद्र हुड्डा

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 25 जुलाई। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में पुरानी पेंशन लागू हो, उन्हें भारत संघ के सशस्त्र बल माना जाए, अब यह मुद्दा संसद के मानसून सत्र में गूंजने लगा है। बुधवार को समाजवादी पार्टी के लोकसभा सांसद धर्मेंद्र यादव ने सदन में कहा, अर्धसैनिक बलों के जवान बॉर्डर पर शहादत झेल रहे हैं, उन्हें पुरानी पेंशन दीजिए। गुरुवार को रोहतक के लोकसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के लिए पुरानी पेंशन की मांग उठाई। उन्होंने कहा, ये बल देश की सुरक्षा करते हैं, यहां तक कि संसद भवन की रक्षा का दायित्व भी यही बल निभाते हैं। इन्हें 100 दिन का अवकाश मिले। हर राज्य में सैनिक कल्याण बोर्ड की तर्ज पर राज्य अर्धसैनिक बोर्ड का गठन हो। सपा के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा, जब भाजपा विपक्ष में रही तो ओपीएस की बात करती रही। यह सरकार अब 11 वां बजट पेश कर रही है। देश के सरकारी कर्मचारी, पुरानी पेंशन के लिए परेशान हैं। सरकार, ओपीएस की चर्चा ही नहीं कर रही। लोकसभा में धर्मेंद्र यादव ने कहा, आप बहुत बड़े राष्ट्र भक्त बनते हैं। सीमा पर जवान शहादत झेल रहे हैं। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों को पुरानी पेंशन दी जाए। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के कंधों पर न सिर्फ कश्मीर से लेकर उत्तर पूर्व तक, नक्सल प्रभावित क्षेत्र, सीमा, बंदरगाह व एयरपोर्ट के अलावा संसद भवन की सुरक्षा का दायित्व भी है। इन बलों में सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, एसएसबी, एनएसजी व असम राइफल शामिल हैं। इन बलों में लंबे समय से पुरानी पेंशन बहाली की मांग की जा रही है। जब देश में नई पेंशन स्कीम लागू की गई तो उस वक्त कहा गया है कि नई पेंशन स्कीम, भारत संघ के सशस्त्र बलों को छोड़कर, अन्य सभी कर्मचारी इसके दायरे में आएंगे। तब

सेना के तीनों अंगों को भारत संघ के सशस्त्र बल मान लिया गया। उन्हें पुरानी पेंशन के दायरे में रखा गया। बतौर हुड्डा, अच्छी बात है कि सेना में आज भी पुरानी पेंशन लागू है। इसके बाद गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि अर्धसैनिक बल भी भारत संघ के सशस्त्र बल हैं। ये भी सशस्त्र बलों की परिभाषा में आने चाहिएं। इनके भविष्य की सुरक्षा करना सरकार का कार्य है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा था कि इन बलों में सौ दिन का अवकाश सुनिश्चित होगा। इसके जरिए इन बलों में शूटिंग की घटनाओं को रोका जा सकता है। अभी तक इस दिशा में कोई भी पहल नहीं हुई है। इन बलों में जवानों को अभी साठ दिन का अवकाश मिल रहा है। सौ दिन का अवकाश सुनिश्चित हो। इनके हितों की रक्षा के लिए सभी प्रदेशों में अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड का गठन हो। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए स्पष्ट कर दिया था कि कर्मियों को पुरानी पेंशन देने का कोई विचार नहीं है। सरकार, एनपीएस में संशोधन कर रही है। इस बाबत कर्मचारी संगठनों की राय ली गई है। उससे पहले वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने संसद में कहा था, कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन बहाली का कोई प्रस्ताव केंद्र सरकार के विचाराधीन नहीं है। बता दें कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में भारतीय सेना के कानून लागू होते हैं, फोर्स के नियंत्रण का आधार भी सशस्त्र बल है। इन बलों के लिए जो सर्विस रूल्स तैयार किए गए हैं, उनका आधार भी फौज है। इन सारी बातों के होते हुए भी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को पुरानी पेंशन से वंचित किया गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय भी यह मान चुका है कि केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीएपीएफ, भारत संघ के सशस्त्र बल हैं। अदालत ने इन बलों में लागू एनपीएस को स्ट्राइक डाउन करने की बात कही है। यानी सीएपीएफ, पुरानी पेंशन की हकदार है। एलाइंस ऑफ ऑल एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस वेलफेयर एसोसिएशन के चेयरमैन एवं पूर्व एडीजी एचआर सिंह कहते हैं, ये दुर्भाग्य है कि अदालत से जीती हुई लड़ाई को केंद्र सरकार, हार में बदलने की मंशा रखती है।

पीएम मोदी के रूस दौरे पर अमेरिका के बयान पर भारत की दो टूक

नई दिल्ली, 25 जुलाई। पीएम मोदी के हालिया रूस दौरे को लेकर अमेरिका की तरफ से की गई टिप्पणी के बाद भारत ने जोर देकर कहा कि बहुध्रुवीय दुनिया में सभी देशों को पसंद करने की स्वतंत्रता है और सभी को ऐसी वास्तविकताओं के प्रति सचेत रहना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत का रूस के साथ बहुत पुराने संबंध है जो हितों की पारस्परिकता पर आधारित है। दरअसल रणधीर जायसवाल ने दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू की इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा पर टिप्पणियों पर सवाल पूछे जाने पर प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि दुनिया में सभी देशों के पास उनकी पसंद की स्वतंत्रता है और हर किसी को ऐसी वास्तविकताओं के प्रति सचेत रहना और उनकी सराहना करनी चाहिए। डोनाल्ड लू ने मंगलवार को कांग्रेस की सुनवाई में कहा कि अमेरिका प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा के प्रतीकात्मकता और समय से निराश है। जबकि बाइडन प्रशासन के अधिकारी ने विशेष रूप से इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय प्रधानमंत्री ने मॉस्को का दौरा किया, जब वाशिंगटन उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन के शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा था। रिपब्लिकन कांग्रेसी जो विल्सन की तरफ से पीएम मोदी की यात्रा के बारे में चिंता जताए जाने के बाद डोनाल्ड लू ने कहा, मैं इस यात्रा के बारे में आपकी चिंता को साझा करता हूं...और हम उन चिंताओं को सीधे भारतीयों तक पहुंचाने की बहुत कोशिश कर रहे हैं। वहीं इससे पहले 11 जुलाई को एक कार्यक्रम में बोलते हुए अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी भी पीएम मोदी की रूस यात्रा पर आपत्ति जताई थी। अमेरिकी दूत ने कहा कि संघर्ष के समय रणनीतिक स्वायत्तता लागू नहीं हो सकती और भारत और अमेरिका को नियम-आधारित व्यवस्था का उल्लंघन या संप्रभु सीमाओं का उल्लंघन होने पर सिद्धांतों को बनाए रखने की दिशा में काम करना चाहिए। बता दें कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी शिखर वार्ता में, पीएम मोदी ने एक स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि यूक्रेन संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान में संभव नहीं है और बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति वार्ता सफल नहीं होती है।

एफबीआई निदेशक ने कहा, हमलावर ने ऑनलाइन कैनेडी की हत्या की जानकारी लेने के बाद ट्रंप पर किया हमला

एजेंसी

वाशिंगटन। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला करने के आरोपित ने हमला करने से पहले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की हत्या करने की जानकारी ऑनलाइन सर्च की थी। यह दावा संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक क्रिस्टोफर रे ने सांसदों से बातचीत में किया। उन्होंने बताया कि बरामद लैपटॉप से यह जानकारी मिली है। एफबीआई निदेशक ने बताया कि उसने घटना को अंजाम देने से पहले गूगल पर तलाश की थी कि ''कैनेडी की हत्या करने वाला ओसावाल्ड कितनी दूर खड़ा था। ओसवाल्ड दरअसल ली हार्वे ओसवाल्ड का संदर्भ है जिसने 22 नवम्बर 1963 को डलास में तत्कालीन राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी की हत्या की थी। रे ने सदन की न्यायिक समिति के समक्ष सुनवाई के दौरान बताया कि ट्रंप की रैली में बंदूक चलाने वाले थॉमस मैथ्यू क्रूक्स ने गूगल पर यह जानकारी प्राप्त करने की कोशिश स्पष्ट रूप से छह जुलाई को की। उन्होंने बताया कि क्रूक्स ने पेनसिलवेनिया के बटलर में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद उम्मीदवार ट्रंप पर गोली चलाने की घटना को इसके एक सप्ताह बाद अंजाम दिया।

पासपोर्ट के मामले में पाकिस्तान की स्थिति खराब, रैंकिंग में नीचे से चौथे स्थान पर

वाशिंगटन। विश्व स्तर पर सबसे खराब पासपोर्ट के मामले में पाकिस्तान ने अपनी स्थिति बरकरार रखी है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स के अनुसार, सबसे खराब पासपोर्ट के रूप में पाकिस्तान चौथे स्थान पर है। पाकिस्तान ने अपनी यह स्थिति पिछले चार साल से बरकरार रखी है। मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में पाकिस्तान का पासपोर्ट यमन के साथ 100वें स्थान पर है। पाकिस्तान के पासपोर्ट के जरिए केवल 33 देशों में बिना वीजा के प्रवेश लिया जा सकता है।। सबसे खराब पासपोर्ट के मामले में पाकिस्तान केवल ईरान (01), सीरिया (102) और अफगानिस्तान (103) से आगे है।

अफगानिस्तान का पासपोर्ट सबसे कमजोर

रैंकिंग को लेकर एक विज्ञप्ति में कहा गया, अफगानिस्तान के पासपोर्ट को दुनिया का सबसे कमजोर पासपोर्ट बताया गया है। इस पासपोर्ट के जरिए केवल 26 देशों में बिना वीजा के प्रवेश पा सकते हैं। पिछले 19 वर्षों में यह इतिहास का सबसे कम स्कोर है। सबसे मजबूत पासपोर्ट के मामले में सिंगापुर शीर्ष पर है। सिंगापुर के पासपोर्ट के जरिए 195 देशों में बिना वीजा प्रवेश ले सकते हैं। दूसरे स्थान पर जर्मनी, इटली, जपान, फ्रांस, और स्पेन है। इनके पासपोर्ट के जरिए 192 देशों में वीजा फ्री एंट्री ले सकते हैं।

बांग्लादेश में चीन के बढ़ते प्रभाव से चिंतित है अमेरिका, चुनाव के बाद हुई हिंसा की भी निंदा की

वाशिंगटन। अमेरिका ने बांग्लादेश में चीन की उपस्थिति पर चिंता जताई है। एक सांसद का मानना है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के लिए एक व्यापारिक साझेदार के तौर पर शीर्ष पर है। ये सभी देश अमेरिका के रणनीतिक भागीदार भारत के आसपास है। दक्षिण और मध्य एशिया के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लु ने चेतावनी देते हुए कहा कि बांग्लादेश को इस बात से सावधान रहना चाहिए कि उन्हें जल्दबाजी में जरूरत से ज्यादा विस्तार नहीं करना चाहिए। उन्होंने चुनाव के बाद से बांग्लादेश में जारी हिंसा की भी निंदा की। अमेरिकी सांसद में दक्षिण और मध्य एशिया के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लु ने कहा,'हम बांग्लादेश में बढ़ते चीनी प्रभाव से चिंतित हैं। मैं कहना चाहूंगा कि बांग्लादेश को इस बात से सतर्क रहना चाहिए कि उन्हें जल्दबाजी में जरूरत से ज्यादा विस्तार नहीं करना चाहिए।'

अमेरिका ने भारतीय बैंकों को चेताया: कहा- रूसी सैन्य उद्यमों के साथ कारोबार कर रहे, रिश्तों पर पड़ेगा फर्क

वाशिंगटन। अमेरिकी उप वित्त मंत्री वेली एडेमो ने भारतीय बैंक एसोसिएशन को लिखे पत्र में कहा है, रूसी सेना मशीनों व सेमीकंडक्टरों के लिए आयात पर निर्भर है और इसके लिए जरूरी लेन-देन के लिए विदेशी वित्तीय संस्थाओं की ओर देख रही है। दिसंबर में राष्ट्रपति जो बाइडन ने उन विदेशी वित्तीय संस्थानों पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया था, जो रूसी सैन्य उद्यमों के साथ कारोबार कर रहे हैं। एडेमो ने लिखा है, अमेरिका भारत से आर्थिक रिश्ते और मजबूत करने के लिए उत्सुक है। दोनों देशों में?कारोबार एक दशक में 110 फीसदी बढ़ा है। एडेमो ने तीस दिन में यह बताने के लिए कहा है कि बैंकों व वित्तीय संस्थानों को अमेरिकी आदेश व उसके प्रभावों के बारे अवगत कराने के लिए वह क्या कदम उठा रहा है। पत्र में भारतीय बैंकों से जुड़ी किसी खास चिंता का जिक्र नहीं है, पर भारत पर लगातार रूस से दूरी बढ़ाने का दबाव है। हालांकि भारत अब तक किसी दबाव में नहीं आया है। यहां तक कि पीएम नरेंद्र मोदी ने इसी महीने रूस यात्रा के दौरान वहां निर्यात को और बढ़ाने पर चर्चा की थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा, यह समय नई पीढ़ी को मशाल सौंपने का

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में साल के आखिरी महीनों में होने वाले राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव की दौड़ से हट चुके राष्ट्रपति जो बाइडेन राष्ट्र के नाम संबोधन भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि अमेरिका का विचार 'आपके हाथों में है'। अपने अभियान को समाप्त करते हुए ओवल कार्यालय के संबोधन में बाइडेन ने कहा कि समय आ गया है, 'मशाल को नई पीढ़ी को सौंप दिया जाए।' बाइडेन ने 'विदाई बेला' जैसे अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की प्रशंसा की। उन्होंने ओवल ऑफिस के बुधवार के संबोधन में अमेरिकी जनता से कहा, 'मैंने अपना दोबारा चुनाव लड़ने का विचार त्याग दिया है। क्योंकि अब नई आवाजों, ताजा आवाजों खासकर युवा आवाजों को मौका देने का समय आ गया है।' बाइडेन अपने 11 मिनट के संबोधन में

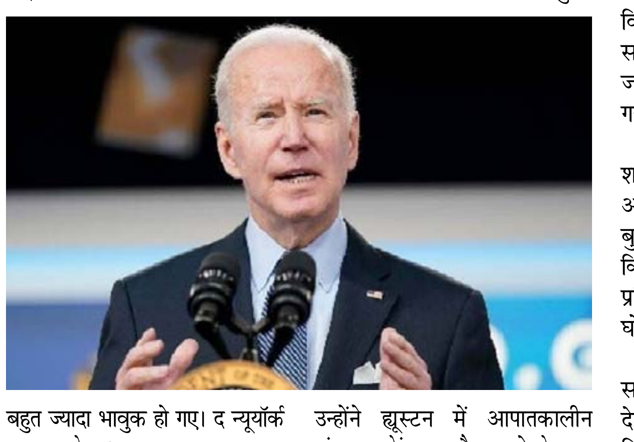

बहुत ज्यादा भावुक हो गए। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार उनका लहजा (भाषण) प्रारंभिक विदाई जैसा था। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने आज रात ह्यूस्टन में राष्ट्रपति बाइडेन के संबोधन को संचार माध्यम से देखा और सुना। उन्होंने ह्यूस्टन में आपातकालीन संचालन केंद्र का दौरा करने के बाद रात बिताई। उपराष्ट्रपति कल अमेरिकन फेडरेशन ऑफ टीचर्स सम्मेलन को संबोधित करेंगी।

विमान हादसे की जांच के लिए सरकार ने बनाई समिति, राष्ट्रीय शोक की घोषणा

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू के त्रिभुवन अन्तरराष्ट्रीय विमानस्थल पर हुए विमान हादसे की जांच के लिए सरकार ने एक उच्चस्तरीय जांच समिति बनाई है। इस जांच समिति को 45 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

विमान दुर्घटनाग्रस्त स्थल पर पहुंचे प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने जांच के आदेश दिए थे। विमानस्थल से अपने दफ्तर पहुंचने के बाद कैबिनेट की आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें विमान हादसे को लेकर कई फैसले किए गए। सरकार ने विमान हादसे में मारे गए लोगों के प्रति श्रद्धांजलि देते हुए गुरुवार को राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है।

कैबिनेट की बैठक के बारे में जानकारी देते हुए सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने कहा कि कल देशभर के सरकारी दफ्तरों और विदेश में रहे नेपाली नियोग में राष्ट्रीय झंडा को आधा झुकाने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना में घायल पायलट के संपूर्ण इलाज का खर्च नेपाल सरकार के तरफ से किया जाएगा। सरकार ने हादसे की जांच के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी के पूर्व महानिदेशक रतीश चन्द लाल के संयोजकत्व में एक उच्चस्तरीय जांच समिति के गठन का भी फैसला किया है। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि इस

पांच सदस्यीय जांच समिति में वरिष्ठ पायलट दिपुराज ज्वारचन, पुल्चोक इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राध्यापक डॉ सुदीप भट्टराई और संजय अधिकारी को भी रखा गया है। एयर ट्राफिक कंट्रोल अफिसर मुकेश डंगोल को सदस्य सचिव बनाया गया है। गुरूंग के मुताबिक इस समिति को 45 दिनों के भीतर अपना रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों को मणिपुर, जम्मू–कश्मीर न जाने की सलाह दी

वाशिंगटन। अमेरिका ने भारत की यात्रा पर जाने वाले अपने नागरिकों को मणिपुर और जम्मू-कश्मीर के साथ भारत-पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों और देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों में यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। साथ ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी न जाने की सलाह दी गई है।

भारत के लिए संशोधित यात्रा परामर्श में अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि अपराध,आतंकवाद और नक्सलवाद के कारण भारत में अधिक सावधानी बरती जानी चाहिए। कुछ क्षेत्रों में जोखिम बढ़ गया है। कुल मिलाकर भारत को लेवल दो पर रखा गया है। लेकिन देश के कई हिस्सों को लेवल चार पर रखा गया है जैसे जम्मू और कश्मीर,

भारत-पाकिस्तान सीमा, मणिपुर और मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्से। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि आतंकवाद और नागरिक अशांति के कारण केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर (पूर्वी लद्दाख क्षेत्र और इसकी राजधानी लेह को छोड़कर), सशस्त्र संघर्ष की आशंका के कारण भारत-पाकिस्तान सीमा के 10 किलोमीटर के भीतर, नक्सलवाद, उग्रवाद के कारण मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों तथा हिंसा और अपराध के कारण मणिपुर की यात्रा ना करें। परामर्श में नागरिकों को आतंकवाद और हिंसा के कारण पूर्वोत्तर राज्यों की यात्रा पर पुनर्विचार करने की सिफारिश की गई है। यात्रा परामर्श में कहा गया है कि भारतीय अधिकारियों की रिपोर्ट के अनुसार बलात्कार भारत में सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक है। यौन उत्पीड़न जैसे हिंसक अपराध पर्यटक स्थलों और अन्य स्थानों पर हुए हैं। आतंकवादी कभी भी हमला कर सकते हैं।

वे पर्यटक स्थलों, परिवहन केंद्रों, बाजारों, शॉपिंग मॉल और सरकारी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हैं।विदेश विभाग ने कहा कि अमेरिकी सरकार के पास ग्रामीण क्षेत्रों में अमेरिकी नागरिकों को आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने की सीमित क्षमता है। ये क्षेत्र पूर्वी महाराष्ट्र और उत्तरी तेलंगाना से लेकर पश्चिमी पश्चिम बंगाल तक फैले हुए हैं। इसलिए अमेरिकी सरकार के कर्मचारियों को इन क्षेत्रों की यात्रा करने के लिए विशेष अनुमति लेनी होगी।

रूस को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की पर भरोसा नहीं : मारिया जखारोवा

एजेंसी

मॉस्को । रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा का कहना है कि रूस के साथ संभावित वार्ता पर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने जो बयान दिए हैं वो विश्वसनीय नहीं है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता मारिया जखारोवा की यह प्रतिक्रिया हाल ही में जेलेंस्की के दिए गए उस बयान पर है जिसमें उन्होंने नवंबर में आयोजित होने वाले दूसरे शांति सम्मेलन में रूसी प्रतिनिधियों को मौजूद रहने का प्रस्ताव दिया था। अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि रूस को यूक्रेन के राष्ट्रपति पर भरोसा नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की, उनके प्रशासन या उनके पश्चिमी क्यूरेटरों ने रूस के साथ वार्ता पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को निरस्त करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की है। प्रवक्ता के मुताबिक यूक्रेनी राष्ट्रपति और कीव के पश्चिमी सहयोगी एक बार फिर अपने असफल शांति फार्मूले को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

'कमला हैरिस के चुनावी मैदान में आने पर डेमोक्रेट्स में उत्साह', भारतवंशी सांसद ने जताई समर्थन की इच्छा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। इसके लिए रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक की तरफ से कमला हैरिस आमने-सामने हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारतवंशी हैरिस को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने के जो बाइडन के फैसले से पार्टी के भीतर ऊर्जा और उत्साह की लहर पैदा हो गई है। अब पार्टी के पास व्हाइट हाउस को फिर से जीतने का अवसर है।

गौरतलब है, राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को दोबारा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला लेकर सबको चौंका दिया था। साथ ही उन्होंने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का समर्थन किया। इस पूरे मामले पर बाइडन ने सफाई दी। उन्होंने बताया कि पार्टी को एकजुट करने के लिए ऐसा किया। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई प्राथमिकी बहस में बाइडन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पार्टी में निराशा थी। लगातार विपक्ष की ओर से दबाव बनाया जा रहा था कि राष्ट्रपति बाइडन अपना नाम वापस ले ले। सांसद कृष्णमूर्ति

ने कहा, 'यह काफी रोमांचक है। मेरा मतलब है, मैं सोचता हूं कि इसके लिए कोई और शब्द नहीं है। यह काफी रोमांचक है। इस कदम से डेमोक्रेटिक पार्टी ऊर्जा और उत्साह से भर गई है।' इलिनोइस से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद 51 वर्षीय कृष्णमूर्ति ने कहा कि वह शनिवार को हैरिस के लिए विस्कोन्सिन में प्रचार करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, वह मैदान में उतर गई हैं। उत्साही भीड़ ने उनका स्वागत किया है। मुझे लगता है कि लोगों को ऐसा लगता है, कुछ भी गारंटी नहीं है, लेकिन हमारे पास एक मौका है। हमारे पास अब व्हाइट हाउस वापस जीतने का मौका है और हमें किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता है जो डोनाल्ड ट्रंप को टक्कर दे सके। मैं अभी कमला हैरिस से बेहतर किसी और के बारे में नहीं सोच सकता। पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के तीन दिनों बाद हैरिस के प्रचार अभियान ने 13 करोड़ डॉलर से अधिक की धनराशि जुटा ली है। भारतीय-अमेरिकी सांसद ने कहा, अगर आप हर तीन दिन में ऐसा करते हैं, तो यह बहुत अधिक रकम होगी। यह सच में एक शानदार रकम है। यह सब कहने के बाद, हम उन ताकतों के खिलाफ हैं जो असीमित मात्रा में धन प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि वह इतने सारे लोगों से इतना पैसा जुटाने में सक्षम है। याद रखें, ये जमीनी स्तर के समर्थक हैं जो पैसा लगा रहे हैं। मुझे लगता है कि यह एक बड़ी बात है।

काठमांडू में हैंगर उपलब्ध ना होने के कारण पोखरा में होनी थी विमान की मरम्मत

वाशिंगटन।

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर हुए विमान हादसे के पीछे के कारणों से अब एक-एक कर पर्दा उठ रहा है। पहले तो विमान के इंजन में कुछ तकनीकी खराबी की बात कही गई थी लेकिन अब काठमांडू में हैंगर उपलब्ध नहीं होने के कारण ही टेक्निकल टीम सहित विमान को पोखरा भेजे जाने की बात कही जा रही है। काठमांडू में सिर्फ बुद्ध एयर का हैंगर है जिसमें दूसरे कंपनियों के विमान मरम्मत का काम नहीं होता है।

सौर्य एयरलाइंस के मुताबिक काठमांडू में हैंगर उपलब्ध नहीं होने के कारण टेक्निकल टीम के साथ इस विमान को पोखरा भेजा जा रहा था। इस विमान में सौर्य एयरलाइंस के सेफ्टी इंचार्ज से लेकर एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियर और अन्य टेक्निकल स्टाफ मौजूद थे। इस विमान के तकनीकी खराबी को ठीक करने के लिए नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने पोखरा हवाईअड्डे पर रहे अपने हैंगर को एक महीने के लिए उपलब्ध कराया था।

पोखरा विमानस्थल के मैनेजर योगेन्द्र कुंवर ने बताया कि सौर्य एयरलाइंस के विमान की मरम्मत के लिए हैंगर उपलब्ध कराया गया था। ही इस विमान के मरम्मत के लिए हैंगर उपलब्ध कराने का निर्णय हुआ था। इसी निर्णय के बाद आज सौर्य एयरलाइंस के विमान को पोखरा भेजा रहा था। विमान के मरम्मत के लिए एक महीने का समय दिया गया था। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के प्रवक्ता सुभाष झा ने कहा कि सौर्य एयरलाइंस के इस विमान की मरम्मत के लिए पिछले हफ्ते आवेदन दिया गया था और मंगलवार को परमिशन मिलने के बाद अपने

टेक्निकल टीम सहित विमान ने उड़ान भरी थी। काठमांडू हवाईअड्डे पर हैंगर उपलब्ध नहीं होने के कारण विमानों की मरम्मत के लिए पोखरा और नेपालगंज के हैंगर में जगह दिया जाता है। चूंकि नेपालगंज दूर पड़ता है इसलिए विमानन कंपनी पोखरा को प्राथमिकता देती हैं।

अलास्का एयर डिफेंस जोन में दिखे चीन और रूसी लड़ाकू विमान, यूएस ने मौके पर भेजे फाइटर जेट

एजेंसी

वाशिंगटन। उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड (एनओआरएडी) ने बताया कि उसने अलास्का के तट के पास बमों से लैस चीन और रूस के दो लड़ाकू विमानों को देखा। इन विमानों को रोकने के लिए उन्होंने मौके पर अपने फाइटर प्लेन भेजे।

उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड ने कहा कि उसने दो रूसी टीयू-95 और दो चीनी एच-6 सैन्य विमान का पता लगाया, जो अलास्का एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन (एडीआईजेड) में काम कर रहे थे।

एनओआरएडी ने कहा कि कनाडा और अमेरिका के लड़ाकू विमानों ने मिलकर चीन और रूस के चार विमानों को रोक दिया। कमांड ने कहा कि इन विमानों ने अमेरिका या कनाडा के हवाई क्षेत्र में प्रवेश नहीं किया। लेकिन, अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में ही उड़ते रहे। द हिल की रिपोर्ट के अनुसार, कमांड ने कहा कि चीन और रूसी विमानों की ओर से किसी

भी तरह की संदिग्ध गतिविधियां देखने को नहीं मिली है। कमांड ने कहा कि वह उत्तरी अमेरिका के पास निगरानी करना जारी रखेंगे।

उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड ने कहा, वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में किसी भी अन्य विमान को अपनी पहचान देनी होती है। कमांड के अनुसार, यह एक अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र क्षेत्र है, जिसके लिए राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सभी विमानों की पहचान की आवश्यकता होती है। इससे पहले कमांड ने मई में कहा था कि वह अलास्का एडीआईजेड में चल रहे चार रूसी सैन्य विमानों का पता लगा रही है। उस समय उन्होंने कहा था कि यह गतिविधि नियमित रूप से होती है और इसे खतरे के रूप में नहीं देखा जाता है।समर्थन जुटाना शुरू करेंगी।

बाइडन (81) ने गत रविवार को राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की अचानक घोषणा कर सबको चौंका दिया था। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए भारतीय-अफ्रीकी मूल की कमला हैरिस (59) के नाम की सिफारिश की थी। हैरिस ने रविवार दोपहर से अबतक 10 करोड़ डॉलर से अधिक धनराशि जुटा ली है और डेमोक्रेट नेताओं का समर्थन भी हासिल कर लिया है।

सीपीईसी और पाकिस्तान के अत्याचारों के खिलाफ विशाल प्रदर्शन करेंगे बलूच, कार्यकर्ता महरंग का एलान

एजेंसी

बलूच। बलूच अधिकार कार्यकर्ताओं ने बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर में एक विशाल सभा और विरोध प्रदर्शन का एलान किया है। बलूच अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाली कार्यकर्ता महरंग बलूच ने 28 जुलाई को आगामी कार्यक्रम की घोषणा की है। उन्होंने इसे बलूच राष्ट्रीय सभा का नाम दिया है। बलूचों का यह प्रदर्शन जिले में चल रहे बलूच नरसंहार और शोषण के खिलाफ हो रहा है।

महरंग बलूच ने एक्स पर लिखा, बलूच राष्ट्रीय सभा बलूचों के नरसंहार, मेगा परियोजनाओं की आड़ में बलूचों के संसाधनों की लूट और सुरक्षा के नाम पर बलूचिस्तान को जेल में बदलने के लिए खिलाफ एक ऐतिहासिक सार्वजनिक जनमत संग्रह होगा। एक शक्तिशाली सार्वजनिक प्रतिरोध की शुरूआत होगी।

सीपीईसी जैसे परियोजनाओं का लोगों को नहीं मिल रहा लाभ

यह एलान ऐसे समय में किया गया है, जब कार्यकर्ता आरोप लगा रहे हैं कि बलूचिस्तान के लोगों का दशकों पुराने औपनिवेशिक शासन की तरह उत्पीड़न किया जा रहा है। यह क्षेत्र अपने प्राकृतिक संसाधनों के लिए जाना जाता है और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) जैसी विकास पहल का केंद्र बिंदु रहा है। हालांकि, स्थानीय लोग इन परियोजना का विरोध करते रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें इन परियोजनाओं में कम लाभ मिलता है।

दशकों से अत्याचार और दमन झेल रहा बलूचिस्तान: बलूच एकजुटता समिति

बलूच एकजुटता समिति ने एक्स पर लिखा, बलूचिस्तान ने सात दशकों तक अत्याचार और दमन झेला है। यह औपनिवेशिक शासन की याद दिलाता है। इस भूमि के मूलनिवासी होने के बावजूद बलूच लोग लगातार खतरे में रह रहे हैं। गायब होने और न्यायेतर हत्याओं का सामना कर रहे हैं और आर्थिक रूप से हाशिए पर रह रहे हैं।

बलूच लोगों को नहीं मिल रहीं मूलभूत सुविधाएं

पाकिस्तान सीपीईसी से बलूचिस्तान के विकास का दावा करता है। लेकिन, ग्वादर के निवासियों को बुनियादी सुविधाओं की कमियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें चिलचिलाती गर्मी के बीच पीने के साफ पानी और अनियमित बिजली आपूर्ति शामिल है।

समिति ने लोगों से प्रदर्शन में जुटने का किया आह्वान

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अमेरिकी संसद में हुआ नेतन्याहू का विरोध, फलस्तीनी मूल की अमेरिकी सांसद ने 'युद्ध अपराधी' लिखी तख्ती दिखाई

एजेंसी

वाशिंगटन। हमास और इस्राइल बीते नौ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर देशभर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस बीच इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका के दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। हालांकि, इस दौरान जमकर हंगामा हुआ। नेतन्याहू की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हजारों प्रदर्शनकारियों ने कैपिटल बिल्डिंग के आसपास मार्च किया। वहीं, फलस्तीनी मूल की अमेरिकी सांसद राशिदा तलैब ने संसद में इस्राइली पीएम के भाषण के दौरान विरोध जताया। उन्होंने 'युद्ध अपराधी' और 'नरसंहार का दोषी' वाली तख्ती दिखाकर विरोध जताया।

इस शख्स ने परिवार के 150 सदस्यों को खोया

गाजा में इस्राइल के हमलों की आलोचक रहीं तलैब का फलस्तीनी हानी अलमाधुन ने भी साथ दिया। तलैब ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'आज मेरे साथ चैंबर में हानी अलमाधुन भी मौजूद रहे। उन्होंने जंग में अपने परिवार के 150 से अधिक सदस्यों को खो दिया है। अपनी बहन को पशुओं का चारा खाने के लिए मजबूर होता देख अलमाधुन और उनके परिवार ने भूखे पड़ोसियों का पेट भरने के लिए सूप रसोई शुरू की।'

उन्होंने आगे लिखा, 'मैं सच बोलने से पीछे कभी नहीं हटूंगी। इस्राइली सरकार फलस्तीनियों के खिलाफ नरसंहार कर रही है। फलस्तीनियों को मिटाया नहीं जा सकेगा।'

हजारों लोगों ने किया प्रदर्शन

कैपिटल के बाहर हजारों प्रदर्शनकारियों ने नेतन्याहू की यात्रा के खिलाफ प्रदर्शन किया। पुलिस ने कुछ को मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल कर वापस लौटाया। नेतन्याहू के बोलने से पहले प्रतिनिधि सभा के अंदर छह प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि कुछ सांसदों ने इस्राइली पीएम का खड़े होकर स्वागत किया। वहीं कुछ ने इस पूरे मामले में दूरी बनाना ही सही समझा। वहीं, अमेरिका के नौ सीनेटरों के साथ ही दर्जनों हाउस सदस्यों ने नेतन्याहू के संबोधन का बहिष्कार करने का एलान किया है, उन्होंने गाजा में इस्राइल की कार्रवाई को नेतन्याहू के भाषण से दूर रहने का कारण बताया। संसद से अनुपस्थित रहने वालों में न्यूयॉर्क की अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज, मिशिगन की रशीदा तलीब, सीनेटर बर्नी सैंडर्स और सीनेट की प्रो टेम्पोर पैटी मरे शामिल हैं। वहीं, अन्य लोगों ने भी इस्राइली पीएम के संकटग्रस्त नेतृत्व की निंदा की।

अमेरिका-इस्राइल को एक साथ खड़े होना चाहिए- नेतन्याहू

अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि अब जीत हमारे बेहद करीब है। हमास पर हमारी जीत से ईरान को करारा झटका लगेगा। इस दौरान इस्राइली पीएम ने हिजबुल्ला को भी कुचलने की धमकी। उन्होंने कहा कि हम अपने लोगों को सुरक्षित रखने के लिए हर जरूरू कदम उठाएंगे। उन्होंने ईरान को अमेरिका और इस्राइल के लिए संकट बताया।

नेतन्याहू ने कहा कि ऐसे में अमेरिका और इस्राइल को एक साथ खड़ा होना चाहिए। जब हम एक साथ खड़े होते हैं तो वास्तव में सब अच्छा होता है। हम जीतते हैं, वे हारते हैं। इस दौरान नेतन्याहू ने गाजा में युद्ध और इससे उत्पन्न मानवीय संकट की निंदा करने वालों की भी आलोचना की। उन्होंने कई प्रदर्शनकारियों पर सात अक्तूबर को हमला करने वाले उग्रवादियों के साथ खड़े होने का भी आरोप लगाया। बेंजामिन ने कहा कि ऐसे लोगों को खुद पर शर्म आनी चाहिए।

AI की विश्वसनीयता होगी सुनिश्चित, इंटरनेट प्लेटफॉर्म को डीपफेक पर लगानी होगी लगाम : केंद्रीय मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को स्पष्ट संदेश दिया है कि उन्हें आईटी नियम 2021 के तहत डीपफेक, गलत जानकारी और दुष्प्रचार रोकने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि सरकार इस बात से अवगत है कि एआई को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए एक सीमा बनानी होगी। आईटी नियम 2021 सोशल मीडिया इंटरमीडिएरी और प्लेटफार्म की इंटरनेट को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाए रखने के लिए जवाबदेही तय करता है। लोकसभा में एक सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर सोशल मीडिया इंटरमीडिएरी और प्लेटफार्म ऐसा करने में असमर्थ होते हैं तो आईटी नियम 2021 में उन पर कार्रवाई किए जाने का प्रावधान है। डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 को भी पिछले वर्ष ही पारित किया गया है। इसमें डिजिटल पर्सनल डेटा को सुरक्षित रखने के लिए डेटा को मैनेज करने वाली कंपनियों की जवाबदेही तय की गई है। डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 में नियमों की अनदेखी करने वाली कंपनियों के लिए 50 करोड़ रुपये से लेकर 250 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान रहै, जिससे नागरिकों के डेटा को सुरक्षित रखते हुए डिजिटल मार्केट को आगे बढ़ाया जा सके। यह बिल भारत में डिजिटल पर्सनल डेटा के प्रोसेसिंग, ऑनलाइन और ऑफलाइन एकत्रीकरण और डिजिटाइजेशन को लेकर है।

फर्जीवाड़ा मामले में पुलिस ने आरोपित को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने उप्र से एक एजेंट को गिरफ्तार किया है, जिसने फर्जीवाड़ा करके एक शख्स को कनाडा भेजने के लिए डॉक्यूमेंट तैयार किया था। एयरपोर्ट पर डॉक्यूमेंट की जांच के दौरान उस शख्स की पोल खुल गई और उसके बाद उससे पूछताछ हुई तो इस एजेंट के बारे में उसने पूरी जानकारी दे दी। एयरपोर्ट डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार गिरफ्तार एजेंट की पहचान जयदीप सिंह के रूप में हुई, यह रामपुर का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार 19- 20 जुलाई की आधी रात जगजीवन प्रीत सिंह एयरपोर्ट पर पहुंचा। उसके पास पासपोर्ट और वीजा मौजूद था, वह कनाडा के टोरंटो वर्क विजा पर जा रहा था। एयरपोर्ट पर डॉक्यूमेंट की जांच की गई तो उसमें गड़बड़ झाला का पता चला। उसके बाद उस शख्स को रोक लिया गया, पूछताछ में पता चला कि उसके डॉक्यूमेंट को फर्जी वाड़ा करके बनाया गया है। उसके खिलाफ मामला दर्ज करके छानबीन शुरू की गई। आईजीआई एयरपोर्ट की पुलिस ने पूछताछ की तो उसने बताया कि उसका दोस्त भी विदेश गया हुआ है, वहां अच्छी कमाई कर रहा है। पिछले साल उसकी पत्नी भी कनाडा वर्क विजा पर चली गई, तो उसने भी प्लान बनाया जाने के लिए। वह एक एजेंट जयदीप सिंह के संपर्क में आया, उसने 3 लाख में बात की। पासपोर्ट और वीजा बनाकर उसे कनाडा में वर्क वीजा पर भेजने के लिए तैयार किया। लेकिन डॉक्यूमेंट जांच में जगजीवन प्रीत सिंह की पोल एयरपोर्ट पर ही खुल गई। वह तो पकड़ा गया ही उसके बाद इस एजेंट को भी पुलिस ने दबोच लिया।

संसद परिसर में एक-दूसरे से हंसी मजाक करती दिखीं सोनिया गांधी-जया बच्चन

नई दिल्ली । संसद परिसर में एक वीडियो में एक महत्वपूर्ण क्षण कैद हुआः सोनिया गांधी और जया बच्चन बातचीत के दौरान हंसी-मजाक करती दिखीं और रिश्तों में मधुरता के संकेत दिये। जया बच्चन पहले से ही समाजवादी पार्टी की राज्यसभा सांसद हैं। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पहली बार उच्च सदन की सदस्य बनी हैं। विपक्षी दलों के नेता जब राज्यसभा की कार्यवाही से निकलकर बाहर एकत्र हुए, तो सोनिया गांधी का काफिला वहां पहुंचा और वह अपनी गाड़ी से उतरीं। छत्तीसगढ़ से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य राजीव शुक्ला ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। कुछ ही क्षणों बाद, सोनिया गांधी ने तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन और समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधित्व करने वाली वयोवृद्ध राज्यसभा सदस्य और बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की पत्नी जया बच्चन के साथ बातचीत और हंसी-मजाक किया। कैमरे पर कैद उनकी बातचीत में रिश्तों में मिठास की झलक दिखी। हालांकि दोनों क्या बात कर रही थीं, इसके बारे में जानकारी नहीं है।

निलेश राय मौत मामले में होनी चाहिए सख्त कार्रवाई - आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली के पटेल नगर में करंट लगने से यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्र की मौत पर बिजली मंत्री आतिशी ने सख्त रूख अपनाते हुए मुख्य सचिव को जांच के निर्देश दिए हैं। बिजली मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और उससे संबंधित रिपोर्ट अगले दो दिनों के भीतर सौंपी जाए। उन्होंने मुख्य सचिव से भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए नीतिगत सुझाव मांगे हैं। उन्होंने मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि मृतक के परिजनों को सहायता अनुग्रह राशि देने की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए और शाम 5 बजे तक प्रस्ताव सौंपा जाए। आतिशी ने कहा कि, एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां पटेल नगर इलाके में करंट लगने से 26 वर्षीय छात्र की जान चली गई।

भजनलाल ने शाह सहित कई केन्द्रीय मंत्रियों के साथ की चर्चा

भजनलाल ने शाह सहित कई केन्द्रीय मंत्रियों के साथ की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने यहां केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा की।

श्री शर्मा ने श्री शाह से उनके राजकीय आवास पर शिष्टाचार भेंट की । इस अवसर पर उन्हें सरकार द्वारा राजस्थान के सर्वांगीण एवं चहुंमुखी विकास की दिशा में किए जा रहे लोक कल्याणकारी कार्यों से अवगत कराया। श्री शर्मा ने संसद भवन में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल से भेंट कर उन्हें राजस्थान में जल जीवन मिशन तथा पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) की वर्तमान प्रगति एवं क्रियान्वयन के विषय में विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी से उनके आवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने केन्द्रीय मंत्री के साथ प्रदेश की विकास योजनाओं से संबंधित विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की।

श्री शर्मा ने केंद्रीय ऊर्जा एवं हाउसिंग और अर्बन अफेयर्स मंत्री मनोहर लाल खट्टर से उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री के साथ राजस्थान प्रदेश की प्रगति एवं विद्युत क्षेत्र में ऊर्जा के नवीन स्रोतों के विकास, आधुनिकीकरण तथा नूतन तकनीकी के समावेश सहित विविध महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

अंतर संसदीय संघ की अध्यक्ष डा. एक्शन ने राष्ट्रपति मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। तंजानिया की नेशनल असेंबली की अध्यक्ष और अंतर-संसदीय संघ की अध्यक्ष डॉ. तुलिया एक्सन ने यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने डॉ. एक्सन का स्वागत करते हुए उन्हें अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) का अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत लंबे समय से आईपीयू का सदस्य रहा है। भारतीय सांसद कार्यकारी समिति सहित इसकी विभिन्न समितियों में सक्रिय भागीदार हैं। उन्होंने महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के लिए सांसदों को एक मंच प्रदान करने के लिए आईपीयू की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईपीयू अध्यक्ष के रूप में डॉ. एक्सन सदस्य देशों के बीच समझ तथा संवाद को मजबूत करेंगी और आईपीयू के मूल्यों तथा उद्देश्यों को बनाए रखने की दिशा में काम करेंगी, साथ ही इसे अल्पसंख्यक देशों के लिए प्रासंगिक मुद्दों को उठाने के लिए एक मंच के रूप में उपयोग करेंगी। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत और तंजानिया के बीच पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। तंजानिया में भारतीय समुदाय भारत-तंजानिया दोस्ती के एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करता है। उन्होंने अक्टूबर 2023 में भारत की राजकीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन के साथ हुई व्यापक बातचीत को भी याद किया।

वाहन प्रदूषण रोकने के लिए आईआईटी-बॉम्बे ने की कठोर नीति अपनाने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के शोधकर्ताओं ने एक शोध में कहा कि देश में बढ़ते शहरी वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने को लेकर वाहनों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए कठोर नीतियां जरूरी हैं। भारत में शहरी वायु प्रदूषण में मोटर वाहनों से होने वाले प्रदूषण का प्रमुख योगदान है। सड़कों पर वाहन जितना अधिक समय बिताते हैं, उससे अधिक मात्रा में ईंधन जलता है, जिससे अधिक प्रदूषण होता है। हालांकि सभी वाहन ज्यादा मात्रा में प्रदूषण नहीं फैलाते हैं, वहीं इसके विपरीत कुछ वाहन अधिक मात्रा में प्रदूषण छोड़ते हैं। अध्ययन में उच्च-उत्सर्जक वाहनों की विशेषताओं को निर्धारित करने वाले कारकों की जांच की गई, जिन्हें सुपर-उत्सर्जक भी कहा जाता है। शोध करने वाले शोधकर्ता सोहाना देबबर्मा ने कहा कि अब तक भारत में ऐसा कोई शोध नहीं हुआ है जिसमें वास्तविक दुनिया के वाहन बेड़े में सुपर-एमिटर की हिस्सेदारी की जांच की गई हो। पिछले शोधों में अन्य देशों के डेटा के आधार पर उनकी हिस्सेदारी का अनुमान लगाया गया था। इसका उद्देश्य वास्तविक दुनिया के वाहन बेड़े से उत्सर्जन अनुमान में अनिश्चितता को कम करना था।शोधकर्ताओं ने बताया कि सुपर-उत्सर्जक (अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहन) वे वाहन थे जो या तो पुराने थे, या जिनका सही तरह से ध्यान नहीं रखा गया था। इसके अलावा इसमें अधिक लोड वाले वाहन भी शामिल थे। यह बेड़े में शामिल अन्य वाहनों की तुलना में काफी अधिक मात्रा में प्रदूषण छोड़ते हैं। आईआईटी-बॉम्बे के अध्ययन के अनुसार, हल्के-ड्यूटी वाहनों (कार, दोपहिया, तिपहिया और हल्के वाणिज्यिक माल वाहन जैसे 3,500 किलोग्राम से कम वजन वाले वाहन) के लिए, वाहनों की उम्र और इंजन का रखरखाव संभावित रूप से यह निर्धारित करता है ।

नौसेना प्रमुख का आईएनएस ब्रह्ममुत्र को जल्द से जल्द संचालन योग्य बनाने का निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली । नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने आग लगने के कारण क्षतिग्रस्त हुए युद्धपोत 'आईएनएस ब्रह्मपुत्र' की मरम्मत कर उसे जल्द से जल्द समुद्र में उतारने योग्य बनाने तथा युद्ध के लिए तैयार करने के निर्देश दिये हैं।

नौसेना की ओर से बताया गया कि एडमिरल त्रिपाठी ने मंगलवार को नौसेना के मुंबई स्थित डॉकयार्ड में क्षतिग्रस्त युद्धपोत के बारे में जानकारी ली और हादसे के पहले के समस्त घटनाक्रमों और लापता नाविक का पता लगाने के लिए किए गए सभी तरह के प्रयासों की समीक्षा की। नौसेना प्रमुख को नुकसान को सीमित रखने, इस जहाज की कार्यक्षमता को जल्द से जल्द बहाल करने के लिए उसे ढूंढ निकालने और उसकी मरम्मत करने के लिए उठाए गए समस्?त कदमों के बारे में जानकारी दी गई। नौसेना प्रमुख ने निर्देश दिया कि आईएनएस ब्रह्मपुत्र को समुद्र में उतारने योग्य और युद्ध के लिए तैयार करने के लिए कमान और नौसेना मुख्यालय द्वारा सभी कार्य तत्काल शुरू किए जाएं। आईएनएस ब्रह्मपुत्र के चालक दल के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने चालक दल को नौसेना की सच्ची भावना के अनुरूप जहाज का परिचालन फिर से शीघ्र शुरू करने की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित किया। इस बीच हादसे के बाद लापता हुए नाविक लीडिंग सीमैन सत्येन्द्र सिंह का पार्थिव शरीर गोताखोरों ने आज बाहर निकाल लिया। नौसेना प्रमुख नौसेना ने की ओर से शहीद नाविक के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में भारतीय नौसेना शोक संतप्त परिवार के साथ दृढ़ता से खड़ी है।

दूसरे चरण की बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली का सफल परीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने दूसरे चरण की बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। इस प्रणाली का परीक्षण शाम चार बजे के करीब ओड़िशा स्थित चांदीपुर परीक्षण रेंज से सफलतापूर्वक किया गया। प्रणाली ने परीक्षण के दौरान सभी उद्देश्यों तथा लक्ष्यों को पूरा किया।

परीक्षण के दौरान इस प्रणाली ने 5000 किमी श्रेणी की बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाव के लिए राष्ट्र की स्वदेशी क्षमता का प्रदर्शन किया है। मिसाइल के प्रदर्शन की निगरानी सहित विभिन्न स्थानों पर तैनात इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम, रडार और टेलीमेट्री स्टेशनों जैसे रेंज ट्रैकिंग उपकरणों द्वारा एकत्र उड़ान डेटा से की गई थी। यह देश में ही विकसित दो चरण की ठोस चालित जमीन से प्रक्षेपित मिसाइल प्रणाली है, जिसका उद्देश्य बाहरी-वायुमंडलीय क्षेत्रों की ऊंचाई ब्रैकेट में कई प्रकार की दुश्मन बैलिस्टिक मिसाइल के खतरों को बेअसर करना है। मिसाइल प्रणाली में विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित कई अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज के सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ की सराहना की और कहा कि इसने फिर से बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा क्षमता का प्रदर्शन किया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने भी सफल उड़ान परीक्षण में उनके अथक प्रयास और योगदान के लिए पूरी डीआरडीओ टीम को बधाई दी।

कल्याण कार्यक्रमों को महत्वपूर्ण मानते हैं कर्मचारीः रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । डिजिटल हेल्थकेयर प्लेटफ़ॉर्म मेडीबडी और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि नयी नौकरी तलाशने वाले कर्मचारी संगठन के कल्याण कार्यक्रमों को अपने निर्णय की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण मानते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार यह बात डिजिटल स्वास्थ्य अपनाने में उल्लेखनीय उछाल और व्यक्तिगत कल्याण समाधानों की बढ़ती मांग को रेखांकित करती है। यह बदलाव इस बात के प्रति बढ़ती जागरूकता को भी दर्शाता है कि कर्मचारी कल्याण कंपनियों के प्रदर्शन को प्रभावित करता है। यह देश में कॉर्पोरेट स्वास्थ्य रणनीतियों में एक परिवर्तनकारी बदलाव का संकेत देता है।रिपोर्ट में कहा गया है कि तकनीकी नवाचारों, एक जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और सक्रिय सरकारी पहलों के कारण भारत के डिजिटल हेल्थकेयर क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, इन कारकों से देश भर में डिजिटल स्वास्थ्य समाधानों को अपनाने में काफी तेजी आई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) डेटा एनालिटिक्स और 5जी सहित प्रमुख तकनीकी प्रगति भारत में स्वास्थ्य सेवा की डिलीवरी में क्रांति ला रही है, जिससे व्यक्तिगत देखभाल को सक्षम बनाया जाना संभव हो गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम), एक प्रमुख सरकारी पहल है, जिसका उद्देश्य सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज और मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करते हुये दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना है।

मेडीबडी के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कन्नन ने इस रिपोर्ट को लेकर कहा, हम भारतीय स्वास्थ्य सेवा में, विशेष रूप से कॉर्पोरेट सेक्टर में, एक महत्वपूर्ण बदलाव देख रहे हैं। कर्मचारी कल्याण आज एक मुख्य व्यावसायिक रणनीति में विकसित हो चुका है। कर्मचारी कल्याण का परिदृश्य भी तेजी से बदल रहा है, पारंपरिक कल्याण पहल, हालांकि महत्वपूर्ण है, लेकिन अब पर्याप्त नहीं हैं। श्री कन्नन ने कहा कि कर्मचारी ऐसे कल्याणकारी कार्यक्रम चाहते हैं, जो उनके परिवार के सदस्यों के साथ ही उनके आश्रितों को भी लाभ पहुंचा सके और जिसमें टेलीकंसल्टेशन जैसे सुविधाजनक स्वास्थ्य सेवाओं का विकल्प भी उपलब्ध हो।

उन्होंने कहा कि लाभ और डेटा सुरक्षा के बारे में स्पष्ट जानकारी भी महत्वपूर्ण है। नियमित सर्वेक्षण स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को संबोधित करने के साथ ही गंभीर मामलों में आकलन करने की सुविधा भी चाहते हैं।

Name Change
I hitherto known as Satya Dev S/o Shri Bhagwan R/o VPO Bhainsru Kalan, Rohtak-124501, Haryana, have changed my name and shall hereafter be known as Satya Kaushik

Name Change
I KAMLA SINGH JEENA W/O GIRISH SINGH JEENA R/O H.N0-224 SURYA NAGAR PART-1 SECTOR-91, FARIDABAD, HARYANA-121013 HAVE CHANGE MY NAME TO KAMLA JEENA FOR ALL PURPOSE.

Name Change
I, SIKANDER HAYAT S/O SHAUKAT HAYAT R/O SALAMBA (154), MEWAT, HARYANA - 122107, have changed my name from SIKANDAR HAYAT TO SIKANDER HAYAT for all future purpose.

Name Change
I, hitherto known as SALMAN S/O MOHD. MAZHAR UI HAQUE R/O D-163, Near Nagar Nigam Primary School, Sector-24, J.J Colony, Rohini, North West Delhi, Delhi-110085 have changed my name and shall hereafter be known as MOHAMMED SALMAN.

Name Change
I, TAMANA GROVER W/O MANISH SACHDEVA R/O B-102 SETHI MAX ROYAL SECTO 76 NOIDA-201301 HAVE CHANGED MY NAME FROM TAMANA GROVER TO TAMANNA SACHDEVA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

Name Change
I, PARVEEN KUMAR TANEJA S/O BHUSHAN KUMAR TANEJA R/O WZ – 1B, PHASE 3, OM VIHAR, UTTAM NAGAR, DELHI - 110059, have changed my name from PRAVEEN KUMAR TO PARVEEN KUMAR TANEJA for all future purpose.

Name Change
I, NO-14864200P Rank-SEP Name-KANAVI SIDDAPPA YALLAPPA R/o VILL-KALLAPUR, PO-SIRSANGI, TEH-SIRSANGI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591126 have changed my father's name from YALLAPPA to YALLAPPA SIDDAPPA KANAVI for all future purposes vide affidavit dated 25/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, RAHUL Son of KAMAL SINGH, residing at Rajeev Garden, Agraula, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, hereby undertake that I, RAHUL want to change my name to RAJINI and gender as Female. I, RAHUL henceforth be known as RAJINI D/o KAMAL SINGH. The above statement made by me is true & correct to the best of my knowledge and belief.

Name Change
I, SURYAKANTI S Mother of No. 15217992N Rank-NK, Name-MOHAN KUMAR N R/o VPO-MADDUR, TEH-MADDUR, DIST-MANDYA, KARNATAKA-571428 have changed my name from SURYAKANTI S to SURYAKANTHI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 03/03/1973 instead of my correct date of birth as 01/01/1973 vide Affidavit dated 25/07/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, No-15456526Y Rank-NK Name-ROHIT VASAMKAR S/o RAMACHANDRA R/o VPO-SHIVANUR, TEH-ATHNI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591232 have changed my minor son's name from RIYANSH to RIYANSH VASAMKAR for all future purposes vide affidavit dated 25/07/2024 Before Executive Magistrate, Delhi.

Name Change
I, NO-14872939K Rank-SEP Name-SACHIN RATHOD S/o LATE SHYAMARAY R/o VILL-HORTI (LAMANI LAND NO-1), PO-HORTI, TEH-INDI, DIST-VIJAYPURA, KARNATAKA-586117 have changed my mother's name from BHEEMABAI to BHEEMABAI SHYAMARAY RATHOD for all future purposes vide affidavit dated 25/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, SWATI SONTKKE wife of No. 15675329P Rank-HAV Name-SONTKKE SATISH residing at VILL-PIMPALGAON , PO –SHEKHRJPUR, TEHSIL-PALAM, DISTT-PARBHANI, MAHARASHTRA-431720 have changed my name from SWATI SONTKKE to SWATI SATISH SONTKKE for all future purposes vide Affidavit Dated 25/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, VIKASH KUMAR ANAND R/O T 150A RZ T EXTN BLOCK VISHWAS PARK UTTAM NAGAR NEW DELHI-110059 have changed my minor daughter's name from AVIKA to AVIKA ANAND for all purposes

Name Change
I, JC-677808H Rank-NB SUB Name- KAMLESH KUMAR YADAV S/o RAM KUMAR R/o VILL-PURE TEDHE, PO-AMBARA, TEH-LALGANJ, DIST-RAI BARELI, UTTAR PRADESH-229206 have changed my wife's name from MAMATA DEVI to MAMTA for all future purposes vide affidavit dated 25/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, No. 4289345W Rank-NK Name-SIVA GANESH MAMIDI S/o Late SANYASI NAIDU Presently residing at VPO-DIMILI, TEH-RAMBILLI, DIST-VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531061 have changed my wife's name from SYAMALA to MAMIDI SYAMALA for all future purposes vide Affidavit dated 25/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, NO-14864200P Rank-SEP Name-KANAVI SIDDAPPA YALLAPPA S/o YALLAPPA SIDDAPPA KANAVI R/o VILL-KALLAPUR, PO-SIRSANGI, TEH-SIRSANGI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591126 have changed my mother's name from MALLAVVA to MALLAVVA YALLAPPA KANAVI for all future purposes vide affidavit dated 25/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, NO-14837557F Rank-HAV Name- CHANDAN RAY S/o DHANESWAR RAY R/o VILL-CHHELIAGARH, PO-SIDHAL, TEH-SIDHATA, DIST-JAGATSINGHAPUR, ODISHA-754106 have changed my mother's name from BIGAYA LAXMI RAY to BIJAYALAXMI RAY for all future purposes vide affidavit dated 25/07/2024 before Notary Public, Delhi

PUBLIC NOTICE
I BHASKAR CHAND S/O MR. NIRMAL CHAND, R/O, D-4/13, HIMALAYA PRIDE, TECH ZONE-IV, NEAR EK MURTI, GREATER NOIDA WEST, PO: ALPHA, GREATER NOIDA DISTRCIT G. B. NAGAR, U.P., PIN CODE - 201310, MY MOBILE NO. 9560057057 AND MY EMAIL ID:BHASKARCHAND82@GMAIL.COM, I WOULD LIKE TO INFORM THE GENERAL PUBLIC THAT MY SUPPLEMENTARY BUYER & PROMOTER AGREEMENT DATED 11-10-2014 IN RESPECT OF FLAT NO.1112 IN THE V3S INDRALOK, AT PLOT NO. GH-1, NYAY KHAND-I, INDIRAPURAM, GHAZIABAD TEHSIL & DISTRICT GHAZIABAD STATE-UTTAR PRADESH AND SAME HAS BEEN LOST IF ANYONE FOUND THEN PLEASE CONTACT TO ME ON ABOVE CONTACT DETAILS.

Name Change
I, No. 4288313F Rank-L/NK Name-PRATAB KUMAR G S/o GANESAN Presently residing at VILL-PUDUR, PO-SEVATHUR, PS-KANDILI, DIST-TIRUPATTUR, TAMIL NADU-635654 have changed my mother's name from KRISHNAVANEI to KRISHNAVENI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 07/09/1970 instead of her correct date of birth as 09/07/1972 vide Affidavit dated 28/06/2024 before Notary Public, TAMIL NADU.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री सुखबीर सिंह पुत्र श्री देवी राम प्रथम तल पर फ्रीहोल्ड आवासीय फ्लैट नंबर 3/396, एल.आई.जी. के मालिक हैं, बिना छत के अधिकार के, क्षेत्रफल 28 वर्ग मीटर है, जो सेक्टर - 03, आवासीय कॉलोनी वैशाली, गाजियाबाद, तहसील में स्थित है। एवं जिला - गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश। बिक्री विलेख के आधार पर दिनांक 11.04.2023 दस्तावेज़ संख्या 3618, खंड संख्या 42090, पुस्तक संख्या 01, पृष्ठ संख्या 251-274, एसआर - सदर, चतुर्थ, गाजियाबाद। आज तक और अपने नीचे उल्लिखित दस्तावेजों को खो दिया है/गुम कर दिया है अर्थात मूल बिक्री विलेख दिनांक 19.05.2006 जिसे श्री वीरेंद्र मनराल ने श्रीमती गीता पवार के पक्ष में दस्तावेज संख्या 12461, खंड संख्या 6869 पृष्ठ संख्या 87-112 एसआर-जीजेडबी-द्वितीय के रूप में निष्पादित किया था, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और संपत्ति श्री बाबू राम नाम से बिकने जा रही है और इसका वित्तपोषण आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड शाखा राजिंदर प्लेस दिल्ली द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री सुरेश चंद पुत्र श्री हेम चंद फ्रीहोल्ड वाणिज्यिक सह आवासीय संपत्ति के मालिक हैं, जिनके पास ग्राउंड फ्लोर पर दुकान का सुपर एरिया 1012 वर्ग फीट यानी 94.05 वर्ग मीटर है और पहली मंजिल पर आवासीय संपत्ति (छत के अधिकार के साथ), खाता खतौनी नंबर है। 166 खसरा संख्या 332 जिसका क्षेत्रफल 94 वर्ग मीटर है, मौजा मांडूवाला, परगना पछवादून, तहसील विकासनगर, जिला देहरादून, उत्तराखंड में स्थित है। बिक्री विलेख के आधार पर दिनांक 08.03.2021 को एसआरओ-विकासनगर, जिला के कार्यालय में विधिवत पंजीकृत किया गया। दिनांक 08.03.2021 को पुस्तक संख्या 01 खंड 3890 पृष्ठ 395 से 418 क्रमांक संख्या 1929 में देहरादून। आज तक और श्रीमती कांता देवी पत्नी श्री मगन उर्फ श्री मदनलाल द्वारा श्रीमती जया सूद पत्नी श्री सुनील कुमार सूद के पक्ष में निष्पादित दिनांक 10.07.2015 का अपना मूल विक्रय पत्र खो गया है/गुम हो गया है, जो एसआरओ के कार्यालय में विधिवत पंजीकृत है। -विकासनगर, जिला देहरादून पुस्तक संख्या 01 खंड 1229 पृष्ठ 23 से 42 क्रमांक संख्या 6150 पर 10.07.2015 को। अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्रीमती इंद्रा यादव पत्नी श्री पवन यादव नाम से बिकने जा रही है और इसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा शाहदरा द्वारा वित्तपोषित किया गया है। दिल्ली। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

Name Change
I, VANSSH CHAWLA S/O GAGANDEEP CHAWLA R/O C4 E/127, JANAK PURI, NEW DELHI - 110058, have changed my name from VANSH CHAWLA TO VANSSH CHAWLA for all future purpose.

Name Change
I, PRATHAM NIRBHAY S/O MAHESH NIRBHAY residing at B-103 NEELACHAL APARTMENT SECTOR-4 DWARKA DELHI-110078 have changed my name to PRATHAM PRABHAKAR for all future purposes

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री जावेद पुत्र हफीजुद्दीन नई बस्ती (किला खेवान), मोहल्ला धरमपुरा, कस्बा सरधना, जिला मेरठ उत्तर प्रदेश में स्थित फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति आवासीय प्लॉट नंबर 131, भूमि क्षेत्रफल 51.26 वर्ग मीटर का मालिक है। उपहार के आधार पर दिनांक 25.08.2020 को डीड संख्या 9360 एसआर-सरधना के रूप में आज तक और श्री योगेन्द्र कुमार पुत्र चतर सैन जैन द्वारा अब्दुल वहीद पुत्र के पक्ष में निष्पादित दिनांक 13.06.1988 को अपना मूल विक्रय पत्र खो दिया है/गुम हो गया है। कल्लू को दस्तावेज़ संख्या 1716 जिल्द संख्या 1609/1619, पृष्ठ-367/372 एसआर-सरधना पर दर्शाया गया है। अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसका वित्तपोषण पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा रागलिया कॉम्प्लेक्स, मंगल पांडे नगर मेरठ उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती सरोज देवी पत्नी श्री सुरेंद्र सिंह 300 वर्ग गज के फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट नंबर ए-13 की मालिक हैं, जिसमें खेवट/खाता नंबर 1115/1224, रकबा 51, किला नंबर 5/7 और खेवट/खाता नंबर 1080/1189 शामिल हैं। म्यू नं 51, किला नं 5/8, ग्राम चौमा की राजस्व संपत्ति में स्थित है, जो वर्तमान में कॉलोनी, नगर निगम क्षेत्र, तहसील और जिला गुरुग्राम हरियाणा में साईं कुंज न्यू पालम विहार चरण -3 के रूप में जाना जाता है। गिफ्ट डीड के आधार पर दिनांक 14.01.2022 को दस्तावेज़ संख्या 9486, खंड संख्या 61/1790 पृष्ठ संख्या 59.5/88-90 एसआरओ-गुरुग्राम के रूप में। आज तक और उसके निम्नलिखित दस्तावेज खो गए हैं/गुम हो गए हैं यानी (1) मूल बिक्री विलेख दिनांक 02.09.1998, (2) मूल बिक्री विलेख दिनांक 02.09.1998, (3) मूल विशेष पावर ऑफ अटॉर्नी, एटीएस और वसीयत दिनांक 13.10.1998 , (4) मूल विशेष पावर ऑफ अटॉर्नी, एटीएस और वसीयत दिनांक 28.08.2003 और (5) मूल जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, एटीएस और वसीयत दिनांक 28.08.2003 द्वारा श्रीमती संतोष यादव पत्नी श्री सुरेंद्र यादव और श्रीमती चमन यादव द्वारा निष्पादित /ओ श्री दिनेश यादव, श्री महेश कुमार पुत्र स्वर्गीय श्री उदल सिंह के पक्ष में, अब हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और इसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया गया है। शाखा झंडेवालान, दिल्ली। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

विद्यार्थियों का हुनरमंद होना ज़रूरी : डॉ. विवेक सैनी

एजेंसी

हिसार। राजगढ़ रोड स्थित श्री गुरु गोरक्षनाथ जी राजकीय महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्रों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. विवेक सैनी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महाविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. विवेक सैनी ने कहा कि वर्तमान मे विद्यार्थियों को हर क्षेत्र में ज़्यादा से ज़्यादा भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी तभी वह भविष्य में सफल हो सकेगा। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए महाविद्यालय में सत्र के शुभारंभ की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हमारा महाविद्यालय प्रदेश में लगभग सभी क्षेत्रों में अग्रणी है तथा इस महाविद्यालय का छात्र होना सौभाग्य की बात है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. रमेश कुमार ने समय-सारणी और अनुभाग की जानकारी दी जबकि डॉ. अंजू चौधरी ने मेंटर ग्रुप के बारे में विस्तार से बताया। शमशेर सिंह ने विद्यार्थियों को बस पास की सुविधा के बारे में बताया जबकि राजेंद्र सेवदा ने विद्यार्थियों को उनकी उपस्थिति और विश्वविद्यालय की परीक्षा की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. गोविल जिंदल ने एनसीसी की गतिविधियों के बारे में बताया और कहा कि एनसीसी के विद्यार्थियों के लिए सेना में नौकरी व अन्य महत्वपूर्ण जानकारी दी।

सरकारी संस्थानों में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर की जाए : जमस

हिसार। जनवादी महिला समिति ने राज्य के सरकारी संस्थानों में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर किए जाने की मांग की है। इसके साथ ही समिति ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने की मांग पर उपायुक्त को ज्ञापन भी सौंपा है। जनवादी महिला समिति की जिला अध्यक्ष शकुंतला जाखड़ के नेतृत्व में समिति के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए) में कैप्टन डॉ.लक्ष्मी सहगल के स्मृति दिवस के अवसर पर सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने की मांग का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग रखी गई है कि सरकारी संस्थानों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाया जाए क्योंकि वर्तमान में यह बहुत ही लचर स्थिति में है। सरकारी अस्पताल व प्राथमिक चिकित्सा केंद्र डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे हैं। कहीं अल्ट्रासाऊंड मशीन काम नहीं कर रही तो कहीं पर महीनों लग जाते हैं बारी आने में। गर्भस्थ महिलाओं को घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है, जो उनके स्वास्थ्य के हिसाब से ठीक नहीं रहता। इसके अलावा अधिकतर दवाइयां बाहर से खरीदने के लिए कहा जाता है। ऐसे में गरीब व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करना बहुत ही कठिन हो गया है।

मांगों को लेकर कर्मचारियों का प्रदर्शन

जींद। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर कर्मचारियों ने हरियाणा सरकार पर उदासीनता और 15 सूत्रीय मांगों पर वार्ता न करने को लेकर लघु सचिवालय में प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। पूरे जिले के सभी विभागों के कर्मचारियों ने बुधवार को सरकार के रवैए के खिलाफ प्रदर्शन किया। जिला प्रधान संजीव ने नेतृत्व में कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने हरियाणा सरकार के नाम तहसीलदार के माध्यम से ज्ञापन भेजा गया। सभा का संचालन मनदीप नेहरा ने किया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए राज्य प्रधान धर्मबीर फोगाट व बिजली के राज्य प्रधान सुरेश राठी, सहसचिव सुनीता कालिरामण ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार अपने नौ वर्षों के कार्यकाल में प्रदेश के कर्मचारियों की मांगों को ना माने और टालने वाला रुख रहा है। संघ व संबंधित संगठनों के बार-बार आंदोलन करने के बाद भी उनकी मांगों को सुनने व समाधान करने की बजाय सरकार ने दमन व फूट डालने का रास्ता अपनाया है। जोकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में उचित नही है। कर्मचारियों की मांगों का समाधान न करना राज्य सरकार का अहंकारी रवैया है। ऐसे में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा को सरकार से मांगों को लागू करवाने के लिए संघर्ष करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

हरियाणा के सभी विधानसभा हलकों का दौरा करेंगे सीएम व भाजपा अध्यक्ष

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली प्रदेश के सभी 90 विधानसभा हलकों का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री तथा प्रदेशाध्यक्ष के कार्यक्रमों को हाईकमान की स्वीकृति मिल चुकी है। भाजपा अध्यक्ष इसी सप्ताह तो मुख्यमंत्री अगले सप्ताह से फील्ड में उतर रहे हैं। इससे पहले मंत्रियों तथा विधायकों के हलकों में प्रवास कार्यक्रम पहले ही शुरू हो चुके हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करके विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी से बैठक के बाद अब भाजपा के दोनो शीर्ष नेता फील्ड में दिखाई देंगे। प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद यह पहला मौका होगा जब बड़ौली कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोलेंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष 28 जुलाई से हरियाणा के सभी जिलों का दौरा शुरू करेंगे। बड़ौली के चार दिन बाद 2 अगस्त से मुख्यमंत्री नायब सैनी का जिला प्रवास कार्यक्रम शुरू होगा। मुख्यमंत्री तथा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के यह कार्यक्रम अलग-अलग जिलों में होगे, ताकि कार्यकर्ताओं व स्थानीय नेताओं के साथ दो बार रूबरू हो सकें। इसके बाद दोनों नेता विधानसभा स्तर पर कार्यकर्ताओं की बैठकों को संबोधित करते हुए उन्हें विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए मैदान में उतारेंगे।

हरियाणा पुलिस में शामिल हुए 1265 रंगरूट

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सलामी लेकर दी बधाई, पुलिस ट्रेनिंग सेंटर सुनारिया में हुआ पास आउट परेड का आयोजन, मुख्यमंत्री बोले अपराधियों में खौफ और जनता में सहयोग की भावना को करेंगे मजबूत ये जवान

एजेंसी

रोहतक। सुनारिया स्थित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर से 1265 पुलिस के जवान ट्रेनिंग कर पास आउट हो गए। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को आयोजित पास आउट परेड में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। नायब सैनी ने पास आउट जवानों व उनके परिवार वालों को बधाई देते हुए कहा कि इन जवानों को अपराधियों के दिल में खौफ पैदा करना है और आम जनता के दिल में सहयोग व सेवा का भाव उत्पन्न करना है। सुनारिया स्थित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए सीएम नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने बिना खर्ची बिना पर्ची के पारदर्शी तरीके से भर्तियां की है। भर्ती रोको गैंग इन भर्तियों को रोकने के लिए हर प्रयास

करता है,लेकिन कामयाब नहीं हो पा रहा है। हरियाणा सरकार गरीब परिवार के बच्चों को नौकरी देने के लिए काम कर रही है, जो बच्चे आज पास आउट हुए हैं वे सभी गरीब परिवारों से संबंधित है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश की पुलिस को आधुनिक बनाने के लिए काम करने में लगी हुई है। ताकि आम जनता के बीच पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ सके और जनता में यह विश्वास हो कि अब वह पूरी तरह से सुरक्षित है।

केंद्रीय बजट पर भी प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी बोले कि यह बजट गरीबों को मजबूत बनाने वाला, किसानों को सशक्त बनाने वाला, युवाओं को रोजगार देने वाला तथा देश के विकास की गति को बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा की 2047 के विकसित भारत की और कदम बढ़ाने वाला यह बजट मील का पत्थर साबित होगा। इसके लिए वह केंद्र सरकार व वित्त मंत्री सीतारमण का धन्यवाद करते हैं।

राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने तीन अधिकारियों को किया सस्पेंड, काम नहीं करने की शिकायतें थी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने शहरी स्थानीय निकाय विभाग के तीन अधिकारी/कर्मचारियों को सस्पेंड किया है। सुधा ने बताया कि इन तीनों अधिकारी/कर्मचारियों के खिलाफ लगातार कार्य न करने की शिकायत लोगों से मिल रही थी। जिस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया भूना नगरपालिका लेखाकार सुरेश कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय नगर परिषद, सिरसा में निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, नगरपालिका समिति, रानिया (सिरसा) के सचिव आशीष कुमार को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन के दौरान उनका मुख्यालय निदेशालय, शहरी स्थानीय निकाय, पंचकूला में निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त, नगर परिषद् नरवाना के एमई को भी तुरंत प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इसके खिलाफ भी लिखित में शिकायत मिली थी।

अग्रोहा मेडिकल कॉलेज क्षेत्रवासियों को अनुपम देन : रामदयाल गोयल

उपाध्यक्ष रामदयाल गोयल ने किया मेडिकल का दौरा

एजेंसी

हिसार। महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा के उपाध्यक्ष रामदयाल गोयल ने महाविद्यालय का दौरा करके चल रहे निर्माण कार्य व स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने मरीज़ों से मुलाक़ात कर उनका हाल चाल भी जाना।

दौरे के दौरान रामदयाल गोयल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज के संस्थापक स्वर्गीय ओपी जिंदल ने इस क्षेत्र को यह अनुपम सौग़ात देकर यहां के लोगों को कृतज्ञ किया है। इस कॉलेज के संचालन में हरियाणा सरकार के साथ साथ जिंदल परिवार का भी अहम योगदान है। जिस प्रकार से संस्था और कॉलेज का स्टाफ़ पूरी तन्मयता से कार्य कर रहा है वह कहीं

न कहीं ओमप्रकाश जिंदल के स्वप्न को साकार करने की दिशा में बेहतर क़दम है।

इस दौरान रामदयाल गोयल ने निर्माणाधीन महाराजा अग्रसेन स्मारक, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के साथ-साथ कॉलेज कैंपस, हॉस्टल व धर्मशाला का निरीक्षण किया और एमरजेंसी तथा ओपीडी में आए मरीज़ों से मिलकर उनका हालचाल जाना। उनके साथ महाविद्यालय के ज्वाइंट सेक्रेटरी आरसी गुप्ता, निदेशक प्रशासन डॉ. आशुतोष शर्मा, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. राजीव चौहान, डीएमएस डॉ. शमशेर मलिक, डॉ. पूजा कटारिया, सुनीता मक्कड़, भवानी गंगवा, पूनम राठौड़, दिव्यम चांदना आदि मौजूद रहे।

समाधान शिविर में अब तक 4028 शिकायतों में से 2867 का निवारण

एजेंसी

सोनीपत। जिला प्रशासन द्वारा आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए आयोजित समाधान शिविरों में अब तक 4028 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 2867 का निवारण किया जा चुका है।

उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने शिविर में आई 94 शिकायतों की सुनवाई की, जिसमें से 07 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। शेष 87 शिकायतों को संबंधित विभागों के पास भेजते हुए उनके प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि 63 शिकायतों को रिजेक्ट कर दिया गया है और 1099 शिकायतों को समाधान के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया है। जिला प्रशासन शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए पूरी सजगता के साथ काम कर रहा है। नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इन शिविरों में हिस्सा ले रहे हैं। समाधानशिविर जिला मुख्यालय और उपमंडल स्तर पर प्रत्येक कार्यदिवस आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें हरिओम अत्री, और डीडीपीओ जितेन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। जिला प्रशासन का

जिला उपायुक्त, नगर निगम आयुक्त, अतिरिक्त उपायुक्त, डीसीपी, और संबंधित एसडीएम शिकायतों की सुनवाई करते हैं। नगर निगम आयुक्त विश्राम मीणा, डीसीपी नरेन्द्र सिंह, एसडीएम अमित कुमार, डीआरओ फोकस है कि समाधान शिविर में आने वाली हर शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए, ताकि नागरिकों को त्वरित राहत मिल सके।

विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा की तैयारी, एससी नेता करेंगे प्रदेश भर में प्रवास

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी जोर-शोर से तैयारियों में जुट गई है। पंचकूला में भारतीय जनता पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक पटौदी सत्यप्रकाश जरावता की अध्यक्षता में हुई। इसमें एससी मोर्चा के नेताओं के प्रदेश भर में प्रवास कार्यक्रम तय किए गए।

संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा ने अनुसूचित जाति मोर्चा के नेताओं की प्रवास में ड्यूटी लगाई। सत्यप्रकाश जरावता ने बताया कि जिला 'पानीपत-फरीदाबाद में सांसद कृष्ण पंवार, हिसार-पलवल में बनवारी लाल, करनाल-भिवानी में बिशम्बर बाल्मीकि, गुरुग्राम-फतेहाबाद और रोहतक में पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, झज्जर-महेंद्रगढ़-रेवाड़ी में भाजपा नेता अशोक तंवर, कैथल-पंचकुला-

कुरुक्षेत्र में भाजपा नेता बन्तो कटारिया, यमुनानगर-अम्बाला में रामअवतार बाल्मीकि, सोनीपत में अमरनाथ सौदा, सिरसा में मक्खन सिंह, चरखी दादरी-नूहं में रतिया के पूर्व विधायक डॉ.रविंदर बलियाला तथा जींद में अशोक कटारिया प्रवास करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के संगठन महामंत्री फणींद्र नाथ शर्मा ने बताया कि हरियाणा में अनुसूचित जाति मोर्चा समाज की भलाई के लिए काम कर रहा है और भारतीय जनता पार्टी का अनुसूचित जाति मोर्चा ही कांग्रेस के सवालों का जवाब देने के लिए सक्षम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता जो दस साल का हिसाब-किताब मांग रहे हैं, वो पहले भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के सवालों के जवाब तो दे दें। अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पटौदी विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने बताया कि कांग्रेस अपने समय के कोई भी पांच काम गिनवाएं कि उन्होंने दलित समाज के लिए क्या काम किए हैं। भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता खुले मंच पर कांग्रेस नेताओं से बहस के लिए तैयार हैं।

जरावता ने कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि कुमारी शैलजा जब केन्द्रीय मंत्री थीं और भूपेन्द्र सिंह हुड्डा हरियाणा में मुख्यमंत्री थे तो कुमारी शैलजा ने कहा था कि हरियाणा बलात्कार प्रदेश है। क्या कुमारी शैलजा पुनः हरियाणा को बलात्कार प्रदेश बनाना चाहती है या फिर दलित या महिला उत्पीड़न का प्रदेश बनाना चाहती है ।

सोनीपत में बारिश से निपटने के लिए उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार एक्शन मोड में

एजेंसी

सोनीपत। पिछले दो दिनों से हो रही बारिश के मद्देनजर, सोनीपत के उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने सुरक्षा के लिए त्वरित कार्रवाई की है। सुबह, उन्होंने नगर निगम के आयुक्त विश्राम मीणा के साथ शहर का दौरा किया और विभिन्न स्थानों पर जल निकासी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

शनि मंदिर अंडरपास, बस स्टैण्ड, ड्रेन नंबर-6, सूरी पेट्रोल पंप वाली गली, ककरोई चौक और ओल्ड डीसी रोड पर जाकर उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए। उपायुक्त ने सबसे पहले शनि मंदिर अंडरपास पर बने वाटर हार्वेस्टिंग पीट का निरीक्षण किया और इसकी सफाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए ताकि पानी की निकासी में कोई बाधा न हो। उन्होंने डंपिंग स्टेशन की समस्याओं पर भी चर्चा की और समाधान के प्रयासों को तेज करने पर विचार किया। इसके बाद, ट्रेन नंबर-6 और बस स्टैण्ड का दौरा कर वहां की जल निकासी की स्थिति का जायजा लिया और नगर निगम के अधिकारियों से इसे सही तरीके से बनाए रखने के उपायों पर विचार-विमर्श किया।

उपायुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को आदेश दिया कि बारिश के मौसम में 24 घंटे लोगों की सहायता के लिए तैयार रहें। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि वे किसी भी परेशानी की स्थिति में जिला राजस्व कार्यालय के बाढ़ नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 0130-2221590 पर संपर्क कर सकते हैं। डॉ. मनोज कुमार ने आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन हर समय नागरिकों की सहायता के लिए तैयार है।

हरियाणा में स्कूल मैनेजमेंट समितियां स्कूलों के उत्थान और उद्धार के लिए निरंतर तत्पर : शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा कि प्रदेश भर के सरकारी स्कूलों में पच्चीस लाख से ज़्यादा विद्यार्थी संस्कारमय शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। सरकार का निरंतर प्रयास है कि सभी विद्यार्थियों को उत्तम शिक्षा देकर उनका सर्वांगीण विकास किया जाए और उनके भविष्य को संवारा जाए। शिक्षा मंत्री नारनौल में आयोजित स्कूल प्रबंधन समिति प्रशिक्षण एवं सम्मेलन में अध्यापकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों को मुख्यातिथि के तौर पर संबोधित रही थीं।

उन्होंने कहा कि हमारी शिक्षा नीति का ही असर है कि प्रदेश के नागरिकों का सरकारी स्कूलों के प्रति विश्वास और भरोसा बढ़ा है। स्कूल मैनेजमेंट समितियां (एसएमसी) प्रदेश के स्कूलों के उत्थान और उद्धार के लिए तत्पर हैं और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।यह समितियां स्कूलों पर एक समीक्षात्मक दृष्टि रखती हैं जिससे स्कूलों में दी जा रही शिक्षा और सुविधाओं पर निगरानी रहती है। उन्होंने कहा कि जिन स्कूलों में स्कूल प्रबंधन समितियां सक्रिय हैं वहां विद्यार्थियों का प्रदर्शन बेहतर है।

उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति प्रशिक्षण एवं सम्मेलन के तहत सभी जिलों में एसएमसी के

सदस्यों से सीधा संवाद किया जा रहा है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कमेटी के सदस्यों से सुझाव भी मांगे जा रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने एसएमसी सदस्यों से सीधा संवाद किया और सुझाव भी आमंत्रित किए।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने स्कूली विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और छात्र - छात्राओं द्वारा तैयार किए गए प्रोजेक्ट्स की सराहना की। शिक्षा मंत्री ने बच्चों के साथ संवाद भी किया और बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और एसएमसी सदस्यों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर शास्त्रीय गायन में विशेष पहचान बना चुकी कुमारी तनिष्का सैनी ने अपनी गायन शैली में 'वंदे मातरम' से कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल (मंडाना) के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई सेल्फ चार्जिंग इलेक्ट्रिक साइकिल के बारे में शिक्षा मंत्री ने कई देर तक बातचीत की। 12वीं की साइंस कक्षा के आकाश तथा उनके कोऑर्डिनेटर अभिषेक ने अपने गणित अध्यापक की देखरेख में यह मॉडल, लैब में तैयार किया है। यह इलेक्ट्रिक साइकिल आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रही।स्कूल प्रबंधन समिति प्रशिक्षण को लेकर एक लघु फिल्म भी दिखाई गई जिसके माध्यम से स्कूल प्रबंधन समिति की पूरी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सोनीपत नगर निगम की वित्त एवं अनुबंध कमेटी बैठक में 9 करोड़ के विकास कार्यों को मंजूरी

मेयर निखिल मदान की अध्यक्षता में वित्त एवं अनुबंध कमेटी की बैठक हुई संपन्न।

एजेंसी

सोनीपत। नगर निगम मेयर कार्यालय में वित्त एवं अनुबंध कमेटी की बैठक मेयर निखिल मदान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए मेयर ने अधिकारियोंको निर्देश दिए कि वे विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही ना बरतें और लंबित कार्यों को जल्द पूरा करें।

बैठक में नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में 9 करोड़ रुपयेकी लागत से होने वाले विकास कार्यों को सर्वसम्मति से पारित किया गया। इनमें से प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं। वार्ड नं 1, 5, 4, 14, और 18: विभिन्न गलियों और रास्तों को इंटरलॉकिंग टाइल्स से पक्का करना। वार्ड 5: 1.35 करोड़ रुपयेकी लागत से श्मशान घाट पुलिया से लेकर ड्रेन नंबर 6 तक के रास्ते को पक्का करना। वार्ड नं 1: 85.55 लाख ? की लागत से सुंदर सांवरी बूस्टर के पास प्राचीन तालाब का

सौंदर्यीकरण और चारदीवारी का काम। सिपेट संस्थान मुरथल: 1.18 करोड़ ? की लागत से चारदीवारी, सड़क और ग्रीन बेल्ट का विकास। सीसीटीवी रखरखाव: 10 सीसीटीवी की वार्षिक मरम्मत के लिए 58.39 लाख रुपये । स्ट्रीट लाइट्स: 95.04 लाख रुपये की लागत से स्ट्रीट लाइट्स का रखरखाव। वार्ड 14: 77.83 लाख रुपये की लागत से बाबा कॉलोनी की गलियों को पक्का करना। देवडू गांव: 83.2 लाख रुपये की लागत से फिरनी और गलियों का पक्का करना। राठधना गांव: गौशाला पर 12.35 लाख ? वार्षिक खर्च। सेक्टर 15, वार्ड नं 4: फुटपाथ और पार्किंग एरिया का 82.39 लाख रुपये की लागत से विकास। वार्ड 18, सेक्टर 23: 1.58 करोड़ ? की लागत से ग्रीन बेल्ट का सौंदर्यीकरण। मेयर निखिल मदान ने कहा कि वे विकास कार्यों को जल्द पूरा करवाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और आगामी दिनों में इन कार्यों को धरातल पर शुरू किया जाएगा।

बज़ट में शिक्षा, कौशल विकास और युवाओं के रोजगार पर जोर दिया गया : अनिल विज

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के पूर्व गृहमंत्री अनिल विज ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा पेश किए गए बज़ट पर कहा कि जो बज़ट पेश हुआ है इसमें वास्तव में विकसित भारत की नींव रखी गई है। विज आज मीडिया कर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें मालूम है कुछ लोग शोर मचा रहे है लेकिन मकान की नींव किसी को नज़र नहीं आती। उन्होंने कहा कि बज़ट में शिक्षा के लिए, कौशल विकास के लिए, रोजगार देने के लिए जोर दिया गया है और इसी से ही 2047 के विकसित भारत की मजबूत ईमारत बनेगी। वहीं, बज़ट पर राहुल गांधी ने कहा है कि ये बजट कुर्सी बचाव बज़ट है, इस पर विज ने कहा कि राहुल पहले बज़ट पढ़ तो ले, फिर बोलें। इधर, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि कांग्रेस के घोषणा पत्र की कॉपी है, इस पर विज ने कहा कि खड़गे जी को तो इस बात से खुश होना चाहिए। हरियाणा के पूर्व उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बजट पर कहा कि हरियाणा को इस बज़ट में पूरी तरह से नज़रअंदाज़ किया गया है, इस पर विज ने कहा कि ये राष्ट्रीय बज़ट है और हरियाणा का इसमें पूरा ध्यान रखा जाता है। जब जरूरत होती है तो बातें मानी भी जाती है। हमें फक्र होना चाहिए कि वित्त मंत्री जिस समय बज़ट पेश कर रही थी तो उस समय हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल बिल्कुल उनके पीछे बैठे थे, मतलब हमारी पहुँच वहां तक हो गई है और जब कुछ जरूरत पड़ी तो वहां से ला सकते है। भाजपा ने नॉन स्टॉप हरियाणा के नारे पर हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंदर सिंह हुड्डा ने तंज कसा है

Name Change

It is for general information that I SUSHMA DEVI W/O DINESH YADAV R/O Village Chamdhera (85), Post Office Beri, Tehsil and Distt. Mahendragarh, Haryana-123029 declare that name of mine and my husband has been wrongly written as SUSHMA and DINESH KUMAR in my minor son namely JATIN aged 15 years in his 10th class educational documents. The actual name of mine and my husband are SUSHMA DEVI and DINESH YADAV respectively, which may be amended accordingly.

Name Change

I, hitherto known as PARDEEP alias DC S/o JAI BHAGWAN residing at Ward No. - 11, Panipat Chungi Dariya Pur, Tehsil-Gohana, Gohana, Sonipat, Haryana - 131301 have changed my name and shall hereafter be known as PARDEEP.

एनएचएम कर्मियों ने दो घंटे हड़ताल कर जताया विरोध

एजेंसी

जींद। स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सभी एनएचएम कर्मचारियों सुबह ने अस्पतालों व उपस्वास्थ्य केन्द्रों पर पेनडाउन स्ट्राइक से काम प्रभावित हुआ। एनएचएम कर्मियों ने राज्य सरकार पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए नागरिक अस्पताल में प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एनएचएम कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर नागरिक अस्पताल में प्रदर्शन किया। कर्मियों ने राज्य सरकार पर कर्मचारी हितों की अनदेखी किए जाने का आरोप लगाते हुए दो घंटे की पेनडाउन हड़ताल रखी और रोष जताते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एनएचएम कर्मियों के दो घंटे की हड़ताल के चलते एनसीडी का कार्य, मेंटल हेल्थ का कार्य, एसएनसीयू, काउंसलिंग कार्य, एनएचएम कार्यालय का कार्य बाधित रहा। इसके अलावा एएनएम के द्वारा टीकाकरण भी रोका गया। इस मौके पर प्रवीण, राजेश, अश्वीन, शैलेंद्र, रेखा, प्रदीप, सुमन, संदीप, कविता, संजू, मंजू, पुनीत, मोहन, अनिल, मीनू, जयप्रकाश, सुमन, बबली, सुनीता सहित अनेक एनएचएम स्टाफकर्मी मौजूद रहे।

प्रदेश कार्यालय सचिव गौरव सहगल, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र वत्स ने प्रदर्शनकारी कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले दिनों एनएचएम कर्मचारियों के साझा मोर्चा हरियाणा की एक बैठक अतिरिक्त मुख्य सचिव हेल्थ के साथ उनके कार्यालय में हुई थी। जिसमें एनएचएम कर्मचारियों के द्वारा अपनी मांगों के बारे में अवगत करवाया गया था। परंतु बैठक में कोई भी निर्णय नही हो पाया था। जिसके चलते साझा मोर्चा ने रोष स्वरूप दो घंटे की पैनडाउन स्ट्राइक का ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि 25 जुलाई गुरुवार को मिशन निदेशक के साथ बैठक है। में कोई फैसला नहीं निकलता है तो साझा मोर्चा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ व हरियाणा एनएचएम कर्मचारी संघ तुरंत हड़ताल का फैसला लेगी। जिसके चलते हरियाणा प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी और इसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

LLPIN- ABA-3405

VGHSR AND ASSOCIATES LLP
CHARTERED ACCOUNTANTS

Independent Auditor's Report

To,
The Members,
Ramgarhia Co-operative Bank Limited

Report on the Audit of the Financial Statements

Qualified Opinion

We have audited the accompanying Financial Statements of Ramgarhia Co-operative Bank Limited (the "Bank") as at 31 March 2024, which comprise the Balance Sheet as at 31 March 2024, and the Profit and Loss Account, for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information. The returns of four branches audited by us are incorporated in these financial statements.

In our opinion, and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the Banking Regulation Act, 1949, the Delhi Cooperative Societies Act, 2003 and the Rules made thereunder, and the guidelines issued by the Reserve Bank of India (RBI) and the generally accepted accounting principles and, in the manner so required except for the effects of the matters described in the basis for qualified opinion in the basis for qualified opinion section of our report, the aforesaid financial statements give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India of the state of affairs of the balance sheet of the Bank as at March 31, 2024 and its profit and loss for the financial year ended on that date.

Basis for Qualified Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). Our responsibilities under those Standards are further described in the *'Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements'* section of our report. We are independent of the Bank in accordance with the 'Code of Ethics' issued by the ICAI and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with the Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our qualified opinion on the financial statements.

(Formerly known as VKHS & Associates / VGHSR And Associates)
Address : 208 DDA-1, District Centre, Janakpuri, New Delhi- 110058
H.O. : 6C, Gopala Tower, 25, Rajendra Place, New Delhi- 110008
Phone No. : 011-47520457, Mobile No. +91-8510072572, +91-9818872572
E-mail : vghsrjp@gmail.com, vkhsjp2018@gmail.com

1. *As stated in Schedule 1 of the financial statements there was a decrease in share capital from Rs. 10,83,71,050 to Rs 5,66,59,550 during the financial year. As per Delhi Co-Operative Society Rules (DCS Rules) 2007, applicable to Urban Co-Operative Banks under the NCT of Delhi, the share capital limit per member is Rs. 20,000/. However, the bank had accepted share capital in excess of the limit stated above which is not in line with DCS Rules. Therefore, share capital has been decreased by the bank after imposition of All Inclusive Directions (AID) by RBI and transferred to Compulsory Deposit and Saving Accounts of the members during the year.*

2. *As stated in Schedule 2 of the financial statements wherein in terms of master circular on Prudential norms for classification, Valuation and operations of Investments portfolios by Banks, as capital maintained by bank is less than 9% of the risk weighted assets for both credit and market for both HFT and AFS categories, bank is required to build up Investment Fluctuation Reserve of a minimum of 5% of the investment in portfolio. During the year investment in government securities of AFS category is Rs 25,37,10,200/-, 5% of which comes out to be Rs 1,26,85,510/- However, the Investment Fluctuation Reserve as on 31.03.2024 is Rs 18,33,161/- (which is 0.72% of Investments in AFS).*

3. *As stated in Schedule 2 of the financial statements, during the year under General Reserves Rs 8,84,548.22/- is being transferred from "Clearing Suspense Ledger", these were bank transfers from IDBI bank and same were unclaimed. These should not be transferred to general reserve instead should be considered as income and transferred to Profit and Loss Account.*

4. *As stated in Schedule 4 of the financial statements, under the head* ***"others (including provisions)"*** *Provision for Non-Performing Assets (NPA) shown by bank is Rs 18,55,92,288/- whereas the same should have been Rs 17,99,82,179/- (Excess provision booked of Rs 56,10,109/-) and Provision for Standard Assets shown by bank is Rs 7,88,180/- whereas the same should have been Rs 1,98,279/-(Excess provision booked by Rs 5,89,901/-)*

5. *As stated in Schedule 9 of the financial statements, bank has shown* ***"Advance under collection (As per contra)"*** *of Rs 1,83,09,439/- under the head other assets in the balance sheet but the same is in the nature of Contingent Assets as there is no chance of recovery in these accounts as loans are already closed and the property mortgaged against these accounts by the borrower is already monetized by the bank.*

Information Other than the Financial Statements and Auditor's Report Thereon

The Bank's Board of Directors is responsible for the preparation of the other information. The other information comprises the information included in the Report of Board of Directors including other explanatory information but does not include the financial statements and our auditor's report thereon. The report of the Board of Directors is expected to be made available to us after the date of this auditor's report.

Our opinion on the financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information and, in doing so, consider whether the other information is materially inconsistent with the standalone financial statements or our knowledge obtained in the audit or otherwise appears to be materially misstated. If, based on the work we have performed, we conclude that there is a material misstatement of this other information, we are required to report that fact. We have nothing to report in this regard.
When we read the Annual Report, if we conclude that there is a material misstatement therein, we are required to communicate the matter to those Charged with Governance.

Responsibility of Management for the financial statements

The Bank's Board of Directors is responsible for preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position and the financial performance of the Bank in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards issued by ICAI, provisions of Banking Regulation Act, 1949 and the Rules made thereunder, provisions of Delhi Cooperative Societies Act, 2003 and the Rules made thereunder and circulars and guidelines issued by RBI from time to time. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the aforementioned Acts for safeguarding the assets of the Bank and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the Bank's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Bank or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

The Board of Directors is also responsible for overseeing Bank's Financial Reporting process.

Auditor's responsibility for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of the Bank's internal control.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of management's use of going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Bank's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Bank to cease to continue as a going concern.
- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

Report on Other Legal & Regulatory Requirements

1. The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn up in accordance with the provisions of Section 29 of the Banking Regulation Act, 1949 and The Delhi State Co-operative Societies Act, 2003 and the rules made there-under.

2. As required by rule 80(6) of Delhi Cooperative Societies Rules, 2007, we report that:
   a) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit and have found to be satisfactory;
   b) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Bank so far as it appears from our examination of those books and proper returns adequate for the purposes of our audit have been received from the branches/offices;
   c) The transactions of the Bank which came to our notice have been within the powers of the Bank;
   d) The Balance Sheet and the Profit and Loss Account dealt with by this report, are in agreement with the books of account and the returns;
   e) The accounting standards adopted by the Bank are consistent with those laid down by accounting principles generally accepted in India so far as applicable to Banks;
   f) In our opinion and according to information and explanations given to us, we have not noticed any material impropriety or irregularity in the expenditure or in the realization of money due to the bank.
   g) The members have been enrolled as per the provisions of the Act and the rules made thereunder.

3. As per the information and explanations given to us and based on our examination of the books of account and other record, we report as under on certain matters specified in sub-rule (7) of rule 80 of the Delhi Co-operative Societies Rules, 2007:-
   a. We have not come across any transactions which appear to be contrary to the provisions of the Delhi Cooperative Societies Act, 2003, the rules or the bye-laws of the Bank.
   b. We have not come across any material or significant transactions which appear to be contrary to the guidelines issued by the Reserve Bank of India.
   c. Based on our examination of the books of account and other records and as per the information and explanations given to us, the money belonging to the Bank which appears to be bad or doubtful or recovery are detailed below:

Category	Principal outstanding as on March 31, 2024 (Rs. In Lakhs)
Doubtful Advances	1123.43
Loss Advances	750.53
Non-Performing Investments	233.10
Other Assets	Nil

   d. The Bank has not given any loans to the members of the Board of Directors.
   e. We have not observed any violation of guidelines, conditions etc., issued by the Reserve Bank of India.
   f. The Registrar of Cooperative Societies in this regard has not specified any matters to the Bank.

We further report that:

I. the Balance Sheet and the Profit and Loss Account dealt with by this report, are in agreement with the books of account and the returns.
II. in our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Bank so far as appears from our examination of those books.
III. the reports on the accounts of the branches audited by us branch auditors have been dealt with in preparing our report in the manner considered necessary by us.

For VGHSR & Associates LLP
Chartered Accountants
Firm Registration Number 007915N/N500393

CA. Harvinder Singh
Designated Partner
DPIN: 09477871
M. No. 405677
UDIN: 24405677BKGTOP9056
Place: New Delhi
Date: 27th June 2024

RAMGARHIA CO-OPERATIVE BANK LIMITED
1/4, DESH BANDHU GUPTA ROAD, PAHARGANJ, NEW DELHI-110055
PROFIT & LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2024

Particulars	Schedule No	Amount Year Ended 31st March 2024	Amount Year Ended 31st March 2023
A. INCOME			
1 Interest earned	14	61,047,910	67,115,865
2 Other Income	15	604,310	3,289,746
3 Excess Provision written back			
(i) On Prov. For Other Assets		-	4,018,709
(ii) On Standard Assets			-
Total		61,652,220	74,424,320
B. EXPENDITURE			
1 Interest expended	16	29,316,215	33,517,116
2 Operating expenses	17	23,608,518	28,176,507
3 Provisions and contingencies	18	8,333,168	5,736,417
Total		61,257,900	67,430,040
C. Net profit/loss (-) for the year		394,320	6,994,280
Profit/loss (-) brought forward		(144,103,645)	(151,097,925)
BALANCE OF PROFIT TRANSFERRED TO BALANCE SHEET		(143,709,325)	(144,103,645)
D. Significant Accounting Policies	12		
E Notes on Accounts	13	-	-

Significant Accounting Policies and Notes to Accounts are integral & forming part of Financial Statements

As per our report of even date annexed
VGHSR and Associates LLP
Chartered accountnats
Firm Regn No. 007915N/N500393

CA Harvinder Singh
(Designated Partner)
DIN-09477871
M.No 405677

For Ramgarhia Co operative Bank Limited

Baldev Singh (Director)
Amarjit Singh (Director)
Ravinder Kaur Batra (Professional Director)
G.S.Sandhu (Vice-Chairman)
Ranjeet Kaur (Chairperson)
Daljit Singh (Chief Executive officer)

Place : NEW DELHI
Date : 27.06.2024

RAMGARHIA CO-OPERATIVE BANK LIMITED
1/4, DESH BANDHU GUPTA ROAD, PAHARGANJ, NEW DELHI-110055
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2024

Particulars	Schedule No	As At 31st March 2024	As At 31st March 2023
A. Capital & Liabilities			
1 CAPITAL	1	56,659,550	108,371,050
2 RESERVE & SURPLUS	2	12,775,646	6,717,925
3 PRINCIPAL / SUBSIDIARY STATE PARTNERSHIP FUND ACCOUNT		-	-
4 DEPOSITS AND OTHER ACCOUNTS	3	891,993,530	840,567,480
5 BORROWINGS		-	-
6 OTHER LIABILITY AND PROVISIONS	4	315,791,948	308,854,582
TOTAL		1,277,220,674	1,264,511,037
B. Assets			
1 CASH AND BALANCES WITH RESERVE BANK OF INDIA	5	15,749,824	16,741,540
2 BALANCES WITH BANKS AND MONEY AT CALL & SHORT NOTICE	6	157,724,614	159,215,542
3 INVESTMENTS	7	618,983,323	584,020,350
4 ADVANCES	8	247,820,033	275,608,466
5 OTHER ASSETS	9	134,771,544	126,353,156
6 FIXED ASSETS	10	102,171,336	102,571,983
7 NON-BANKING ASSETS ACQUIRED IN SATISFACTION OF CLAIMS		-	-
TOTAL		1,277,220,674	1,264,511,037
C. CONTINGENT LIABILITIES	11	13,685,844	12,321,019
D. Significant Accounting Policies	12		
E Notes on Accounts	13		
F Bills for Collection		-	-

Significant Accounting Policies and Notes to Accounts are integral & forming part of Financial Statements

As per our report of even date annexed
VGHSR and Associates LLP
Chartered accountnats
Firm Regn No. 007915N/N500393

CA Harvinder Singh
(Designated Partner)
DIN-09477871
M.No 405677

For Ramgarhia Co operative Bank Limited

Baldev Singh (Director)
Amarjit Singh (Director)
Ravinder Kaur Batra (Professional Director)
G.S.Sandhu (Vice-Chairman)
Ranjeet Kaur (Chairperson)
Daljit Singh (Chief Executive Officer)

Place : NEW DELHI
Date : 27.06.2024

रैशेज, खुजली के साथ Skin को और भी कई तरीकों से डैमेज कर सकता है इन दो चीजों का एक साथ इस्तेमाल

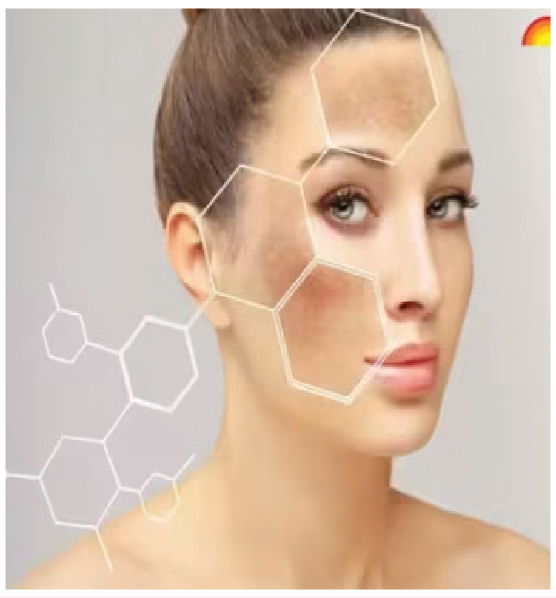

स्किन को चमकदार और जवां बनाए रखने के लिए हम महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स खरीदकर उसे लगाना शुरू कर देते हैं बगैर उसके फायदे-नुकसान जानें। जिस तरह कुछ फूड कॉम्बिनेशन्स सेहत के लिए खराब होते हैं वैसे ही कुछ खास तरह के इंग्रेडिएंट्स भी साथ मिलने पर त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे खुजली रैशेज और हाइपरपिग्मेंटेशन जैसी प्रॉब्लम्स हो सकती है।

किसी भी नए प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से क्या आपकी भी स्किन पर रैशेज नजर आने लगते हैं, तेज खुजली के साथ जलन होने लगती है? अगर इसका जवाब हां है, तो आपको स्किन केयर प्रोडक्ट्स में मौजूद इंग्रेडिएंट्स पर ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि कुछ इंग्रेडिएंट्स ऐसे होते हैं, जो किसी दूसरे इंग्रेडिएंट्स के साथ मिलकर रिएक्ट कर सकते हैं और इसी वजह से रैशेज, बर्निंग और खुजली की समस्या हो सकती है। आइए जान लेते हैं कुछ ऐसे ही बैड कॉम्बिनेशन्स के बारे में।

रेटिनॉल + एएचए/बीएचए

रेटिनॉल, एक बहुत ही पावरफुल एंटी एजिंग इंग्रेडिएंट है, जो स्किन को एक्सफोलिएट करता है और उसका टेक्सचर भी इंप्रूव करता है। स्किन केयर प्रोडक्ट में एएचए/बीएचए (अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड और बीटा हाइड्रॉक्सी एसिड) नामक इंग्रेडिएंट एक केमिकल एक्सफोलिएंट हैं, जो डेड स्किन रिमूव करते हैं और त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करते हैं, लेकिन इन दोनों इंग्रेडिएंट के साथ मिलने से एक हार्श प्रोडक्ट बन जाता है, जिससे बर्निंग, हाइपरपिग्मेंटेशन, रेडनेस और एक्ने जैसी समस्याएं देखने को मिल सकती हैं।

एएचए/बीएचए + विटामिन सी

जैसा कि आप जान चुके हैं कि एएचए/बीएचए एसिड्स हैं। त्वचा को एक्सफोलिएट करने के लिए इनका बहुत ही कम मात्रा में इस्तेमाल किया जाता है। इन्हें अकेले लगाने का कोई नुकसान नहीं, लेकिन अगर आप इसके साथ विटामिन सी वाले किसी स्किन केयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं, तो इसके बुरे नतीजे देखने को मिल सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि विटामिन सी भी एक एसिड है, जिस वजह से इरीटेशन की दिक्कत हो सकती है। एएचए/बीएचए बेशक डेड सेल्स हटाते हैं, लेकिन इससे स्किन हाइपर सेंसिटिव हो जाती है। ऐसे में विटामिन सी का इस्तेमाल बिल्कुल भी सही नहीं होता ।

विटामिन सी + रेटिनॉल

इन दोनों का अलग-अलग इस्तेमाल स्किन के लिए बहुत ही फायदेमंद है, लेकिन जब ये एक साथ मिल जाते हैं, तो त्वचा में जलन की वजह बन सकते हैं। बेहतर होगा इन दोनों का अलग-अलग समय पर यूज करें। जहां रेटिनॉल को रात में लगाना सही होता है वहीं विटामिन सी को दिन के वक्त। रेटिनॉल लगाने से पहले हमेशा मॉयश्चराइजर लगाना चाहिए या फिर मॉयश्चराइजर को रेटिनॉल में मिलाकर भी लगाया जा सकता है। विटामिन सी युक्त लगाने के बाद सनस्क्रीन लगाना न भूलें।

गला घोंटने वाले का ही जब गला घुटने लगे...

प्रधानमंत्री मोदी यह सचमुच जानना चाहते हैं कि उनका गला कैसे घोंटा गया है या वे ऐसा क्यों महसूस करते हैं तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश के उस वाक्य को याद करना होगा जिसमें उन्हेंने कहा था कि %आलोचना प्रेशर कुकर की सीटी की तरह है। वह अगर न बजती रहे तो कुकर का फटना तय है।%

पिछले लगभग एक दशक से देश का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने व्यक्तित्व में समाये कई-कई विरोधाभासों एवं विसंगतियों का अनेक अवसरों पर परिचय दिया है। मसलन, वे खुद को गरीब व ओबीसी का बतलाते रहे हैं परन्तु उनकी जीवन शैली ऐसी है जो अच्छे से अच्छे रईसों के ठाठ-बाट को भी लजा दे। वे संविधान की हिफ़ाजत की बात करते हैं लेकिन राजतंत्र के प्रतीक सेंगोल को सीने से लगाये रखते हैं। भारत को %लोकतंत्र की जननी% कहेंगे परन्तु उसे कुचलने का सबसे अधिक काम उन्हीं के शासन काल में होता है। सकारात्मकता की बात करेंगे लेकिन उनके भाषणों में हर वक्त बीते समय को लेकर और कुछ लोगों-संगठनों के प्रति घृणा की अभिव्यक्ति होती है। उनके कार्यों व नीतियों में भी इसी विरोधाभास का परिचय मिलता है। एक ओर वे भारत को दुनिया की एक बड़ी इकानॉमी बताएंगे वहीं वे 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देने की योजना को चालू रखे हुए हैं। भारत को विश्वगुरु बतलाते हैं पर बातें ऐसी करते हैं कि अज्ञानता भी यह कहकर लज्जित हो जाये, कि बस कीजिये मोदी जी! मेरी भी एक सीमा है।

हरि अनंता, हरि कथा अनंता की भांति पीएम के अनेक किस्से हैं। बहुत पुराने नहीं हैं।ताज़ातरीन दृष्टांत इन सबसे ऊपर है। सोमवार को जब संसद का बजट सत्र प्रारम्भ हुआ तो उनकी नयी स्थापित की गयी परम्परा के अनुरूप श्री मोदी ने प्रेस के समक्ष अपने उद्बोधन में इस बात का दुखड़ा रोया कि %ढाई घंटे तक देश के प्रधानमंत्री का गला विपक्ष ने घोंटा था।% उनका इशारा नयी सरकार के पहले सत्र की ओर था जिसमें संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा हुई थी। दरअसल इस सत्र में मोदीजी की भरपूर फ़जीहत हुई थी क्योंकि उनका %370-400% का नारा बुरी तरह से पिट गया था और जिस विपक्ष से मुक्तभारत की वे बात करते थे, वह पहले के मुकाबिल बहुत बड़े स्वरूप में उनके सामने बैठा हुआ था। जिस नेहरू खानदान को वे दिन-रात कोसते हैं और जिस राहुल गांधी को वे बहुत खराब शब्दावली से नवाज़ा करते हैं, वह लोकसभा में प्रतिपक्ष का नेता बनकर उन पर सवाल पर सवाल दाग रहे थे। राहुल के साथ अनेक और महत्वपूर्ण विपक्षी नेता भी उनके समक्ष बैठते हैं। यह स्थिति सोमवार से जारी बजट सत्र में है; और यह सरकार जब तक चलेगी तब तक रहेगी।

वैसे अगर इस बात पर कोई शायद ही यकीन करे कि मोदी का गला कोई घोंट सकता है। एक क्षण को मान लेते हैं कि उनका गला वाकई घोंटा गया है तो यह किसी भी देश के लिये बहुत चिंताजनक बात है। स्वयं मोदी जी के सोचने की बात है कि आखिर यह देश ऐसा कैसे बन गया जहां पीएम का भी गला घोंटा जा सकता है। अब तक तो कमजोर से कमजोर प्रधानमंत्री ने भी यह शिकायत नहीं की थी। वैसे तो किसी भी राष्ट्राध्यक्ष को यह कहने का अधिकार ही नहीं है कि वह अपना गला घोंटे जाने की शिकायत करे। उसका काम लोगों के घुटते गलों को आजाद कराना है। गरीबी से जिनके गले घुटे हैं, किसी भी तरह के भेदभाव से पीड़ित जिस अवाम का गला घोंटा गया है,

अशिक्षा के कारण जो बोल नहीं पाते, जिनके अधिकार छीन लिये गये हैं- उन सब की आवाज ही राष्ट्रप्रमुख होता है। चूंकि ऐसे दबे-कुचलों को आवाज़ देने का काम संविधान का है, प्रधानमंत्री को उसकी रक्षा करना होता है। एक ऐसी व्यवस्था बनाना ही प्रधानमंत्री का उत्तरदायित्व है कि जिसमें किसी का गला न घुटे।यदि प्रधानमंत्री मोदी यह सचमुच जानना चाहते हैं कि उनका गला कैसे घोंटा गया है या वे ऐसा क्यों महसूस करते हैं तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश के उस वाक्य को याद करना होगा जिसमें उन्हेंने कहा था कि %आलोचना प्रेशर कुकर की सीटी की तरह है। वह अगर न बजती रहे तो कुकर का फटना तय है।% लोकतंत्र में सरकार की आलोचना इतनी ज़रूरी है कि यदि न होती रहे तो न केवल जनता और विपक्ष बल्कि स्वयं सत्ताधीशों का कुकर की तरह फट पड़ना लाजिमी है। आलोचना और उसका तर्कसंगत व तथ्यात्मक जवाब देने से अंदर की भाप निकलती रहती है जिससे लोकतंत्र सुरक्षित रहता है। इस सिद्धांत के विपरीत मोदीजी ने आलोचना के सारे रास्ते बन्द कर दिये हैं। सदन के भीतर वे विपक्ष का जवाब नहीं देते और बाहर वे खुली पत्रकार वार्ताएं या बातचीत नहीं करते जैसी कि सारे राष्ट्राध्यक्ष करते हैं। विपक्षी दलों के साथ किसी भी कार्यक्रम व नीतियों पर संवाद नहीं रखते। यहां तक कि खुद अपनी ही पार्टी के भीतर वे किसी मसले पर राय-मशविरा नहीं करते। ले-देकर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैं जिनके साथ मिलकर फैसले होते हैं। नोटबन्दी होती है तो वित्त मंत्री को पता नहीं होता, नयी ट्रेनों को मोदी जब झंडी दिखाते हैं तो रेल मंत्री आसपास भी नहीं फटक सकते, हाईवे या फ्लाईओवर का उद्घाटन होता है तो सड़क परिवहन मंत्री देश के किसी दूसरे कोने में विचरण करते रहते हैं।सच्चाई यह है कि आलोचना सुनने तथा उसका तार्किक जवाब देने से खुद सरकार का भी गला खुलता है- मोदी इस बात को नहीं समझ पाये क्योंकि उन्होंने विपक्षी नेता की कभी भी सक्रिय भूमिका नहीं निभाई। ज्यादातर वे ऐसे संगठन में रहे जहां सवाल नहीं पूछे जाते। दूसरे, वे हमेशा सत्ता में रहे। पहले गुजरात के मुख्यमंत्री तथा बाद में प्रधानमंत्री। गुजरात में पहले उन्होंने उनके गले घोंटे जिन्होंने वहां भारतीय जनता पार्टी को खड़ा किया था; फिर उनके घोंटे जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी को बनाया और यहां तक लेकर आये हैं- लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी आदि।फिर भी यदि मोदी को लगता है कि उनका गला घोंटा गया है, तो सम्भवत~ उन्होंने इसकी पीड़ा को भी महसूस किया होगा। फिर तो उन्हें यह भी याद होगा कि वे पहले

कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दे रहे थे जो बाद में सम्पूर्ण विपक्ष मुक्त विपक्ष के लक्ष्य में बदल गया। पैसों व जांच एजेंसियों के बल पर कई राज्यों की चुनी हुई सरकारों को गिराकर मतदाताओं के गलों को घोंटा गया। विपक्षी नेताओं की अंधाधुंध गिरफ्तारियां की गईं। पत्रकार, लेखक, मानवाधिकार कार्यकर्ता जेलों में डाले गये हैं जो देश का गला घोंटने से कमतर नहीं है। बहुमत के बल पर पिछली लोकसभा व राज्यसभा के लगभग 150 सदस्य निलम्बित किये गये थे। प्रमुख विपक्षी दल (कांग्रेस) के बैंक खाते सील कर दिये गये। बिना चर्चा के कई तरह के विवादास्पद कानून बनाने का काम भी मोदी जी के कार्यकाल में हुआ है। देश के किसानों से उनके उत्पादों से सम्बन्धित कानूनों पर बात करने की बजाये उन्हें चुपचाप लागू करना और उसका विरोध कर रहे किसानों को दिल्ली तक न पहुंचने देने के लिये उनके रास्तों में खाई खोदना, कीलें ठोंक देना और कड़कड़ाती ठंड में उन पर पानी की बौछारें करना गला घोंटने से कम तो नहीं है।

ललित सुरजन की कलम से- क्रूर इजराइल : पीड़ित फिलिस्तीन

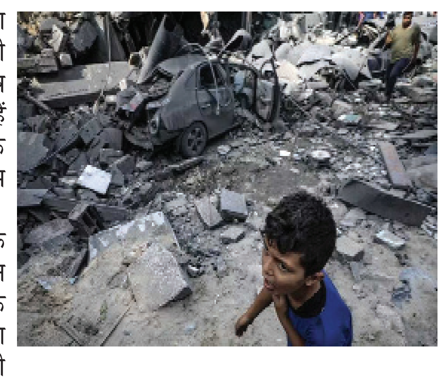

हमें इस तथ्य को भी रेखांकित करना चाहिए कि ऐसा नहीं कि समूची यहूदी कौम या पूरा इजराइल देश ही फिलिस्तीनियों के खिलाफ है। इजराइल के तेल अवीव और अन्य शहरों में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं कि वह अपनी युद्धपरस्त नीति छोड़े। इजराइली फौज के कितने ही सैनिक जेलों में बंद हैं कि उन्होंने मासूम फिलिस्तीनियों पर हथियार चलाने से इंकार कर दिया।

न्यूयार्क और लंदन में भी नेतान्यहू सरकार के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। इजराइल समर्थकों को यह तथ्य भी जान लेना चाहिए कि दुनिया के सबसे महान वैज्ञानिक आइंस्टीन को जब इजराइल का प्रथम राष्ट्रपति बनने का न्यौता दिया गया तो उसे उन्होंने ठुकरा दिया था। भारत की दृष्टि से एक व्यवहारिक बिन्दु गौरतलब है कि अरब देशों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक काम कर रहे हैं। अगर इजराइल से ज्यादा दोस्ती निभाए तो भारतीयों के रोजगार के अवसर भी छिन सकते हैं और बहुमूल्य विदेशी मुद्रा कमाने का अवसर भी गंवा जा सकता है।

संपादकीय

आम जनता के लिए निराशा का बजट

एनडीए सरकार ने 23 जुलाई मंगलवार को अपना आम बजट पेश किया। लोकतांत्रिक सरकार के आम बजट में सर्वोच्च प्राथमिकता आम जनता को दी जानी चाहिए। समाज के हाशिए के वर्गों को मुख्यधारा में दौड़ने लायक सक्षम किया जा सके, ऐसे प्रावधान बजट में होने चाहिए। लेकिन यह दुखद है कि अब बजट जैसी बेहद जरूरी चीज भी सत्ता के हित साधन का जरिया बन गया है। यही बात इस बजट में भी नजर आई।इस बजट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनैतिक मजबूरियों और प्राथमिकताओं में बदलाव को साफ तौर पर देखा जा सकता है। आंध्रप्रदेश की तेलुगूदेसम पार्टी और बिहार की जनता दल यूनाइटेड इन दो के सहारे एनडीए सरकार केंद्र की सत्ता पर बनी हुई है। इन दोनों ही दलों ने सरकार बनने के साथ यह उम्मीद बार-बार जाहिर की कि सरकार उन पर विशेष ध्यान देगी। आंध्र प्रदेश और बिहार दोनों ही राज्य लंबे वक्त से विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर रहे हैं। 2018 में चंद्रबाबू नायडू एनडीए से इसी मांग के पूरे न होने को लेकर ही अलग भी हुए थे। वहीं नीतीश कुमार भी अब तक इस उम्मीद में थे कि श्री मोदी उनकी इस मांग को पूरा करेंगे। लेकिन 22 जुलाई को संसद में बाकायदा इस बात से इंकार कर दिया गया कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल सकता। यही स्थिति आंध्र प्रदेश की भी है। इन दोनों नेताओं ने बजट से पहले जिस विशेष आर्थिक पैकेज की मांग अपने-अपने राज्यों के लिए की थी, वह भी इन्हें नहीं मिला। मगर इसके बावजूद पूरे बजट में सबसे अधिक चर्चा इसी बात की हो रही है कि निर्मला सीतारमण ने सबसे अधिक ख्याल आंध्र प्रदेश और बिहार का ही रखा है।कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने इस बजट को कुर्सी बचाओ बजट कहा है, क्योंकि आंध्र प्रदेश की राजधानी के विकास के लिए 15 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है, इसी तरह बिहार के लिए एयरपोर्ट्स, सड़कों और बिजली के प्रोजेक्ट लगाने के लिए बजट में 26,000 करोड़ का प्रावधान किया गया है। खास बात यह है कि इन परियोजनाओं के लिए बहुपक्षीय विकास एजेंसियों के जरिए काम की बात की गई है। फिलहाल एनडीए सरकार के ये दोनों घटक दल बजट के इन प्रावधानों पर खुशी जाहिर कर रहे हैं, जिससे श्री मोदी राहत महसूस कर सकते हैं। मगर इस बजट से भाजपा की मजबूरी जिस तरह सामने आई है, वह उसकी मजबूती के दावों को खारिज करती दिख रही है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जन खड़गे ने बिलकुल सही सवाल उठाया है कि जब नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने से पहले ही दावा किया था कि 100 दिनों की कार्य योजना हमारे पास पहले से ही है। कार्य योजना दो महीने पहले थी तो कम से कम बजट में ही बता देते। दरअसल इस बजट में न किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी की कोई चर्चा है, न महंगाई कम करने का कोई इरादा दिखा है। आदिवासी, पिछड़े वर्ग, दलित, किसान, मजदूर सभी की एक तरह से उपेक्षा दिखाई दी है। 2014 में नरेन्द्र मोदी ने युवाओं से वादा किया था कि हर साल दो करोड़ रोजगार दिए जाएंगे और अब आलम यह है कि 2024 के बजट में मोदी सरकार ने कहा है कि वह 5 सौ बड़ी कंपनियों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप करने के लिए अवसर प्रदान करेगी। इसमें 5000 रुपये हर महीने अलाउंस दिया जाएगा साथ में 6000 रुपये का अतिरिक्त अलाउंस भी दिया जाएगा। कंपनियों को सीएसआर के तहत स्किल करने पर खर्च करना होगा।

दो करोड़ नौकरियों से बात एक करोड़ इंटर्नशिप पर आ जाए, तो समझना कठिन नहीं है कि सरकार की कथनी और करनी में कितना अंतर है। हालांकि खबरों में सरकार के ऐसे प्रावधान को बजट में युवाओं की बल्ले-बल्ले जैसी सोच के साथ पेश किया जा रहा है।मोदी सरकार ने रेल बजट पहले ही समाप्त कर दिया था, अब ऐसा लगता है कि बजट से रेलवे पर किए जाने वाले खर्च, यात्रियों की सुविधा, रेलवे के विस्तार जैसी अहम बातों को भी गायब कर दिया गया है। बुलेट ट्रेन का जिक्र तो खैर अब होता ही नहीं, हाल ही में जो गंभीर रेल दुर्घटनाएं हुई हैं, उन का जिक्र करते हुए बजट के जरिए मामूली समझे जाने वाले यात्रियों को आश्वस्त किया जा सकता था कि सरकार को उनका भी ध्यान है। लेकिन यहां भी आम गरीब लोगों को निराशा ही हाथ लगी है।

अबकी बार नरेन्द्र मोदी किसी नयी ट्रेन को हरी झंडी दिखाने जाएं तो याद रखें कि उनकी सरकार ने कैसे आम यात्रियों की उम्मीदों को लाल झंडी दिखा दी है। रेलवे के जरिए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होता था, वह बात भी अब बजट से गायब है।बजट में आंध्रप्रदेश और बिहार का जिक्र तो खूब है, लेकिन बाकी राज्यों की उम्मीदों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। पर्यावरण को लेकर कोई चिंता बजट में नजर नहीं आई, जबकि हर साल बढ़ते प्रदूषण, पराली जलाने के कारण होने वाला धुआं, बाढ़ और सूखा, जंगलों की आग, पहाड़ों पर भूस्खलन ऐसी कई बातें हैं, जो आम भारतीयों के लिए जानलेवा होती जा रही हैं। बजट में पर्यटन के नाम पर सरकार ने फिर बिहार को ही महत्व दिया है। गया में विष्णुपद मंदिर और बोधगया में महाबोधि मंदिर को काशी विश्वनाथ मंदिर गलियारे की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

दीर्घकालिक संभावनाओं के लिए स्पष्ट दूरदर्शी दृष्टिकोण का सुझाव

सर्वेक्षण में भू-राजनीतिक रेखाओं के साथ बढ़ते विखंडन और संरक्षणवाद पर नये सिरे से जोर देने के बारे में भी चेतावनी दी गई है, जो भारत के बाहरी क्षेत्र को प्रभावित करने वाले व्यापारिक विकास को विकृत कर सकता है। वैश्विक वित्तीय बाजारों ने नयी ऊंचाइयों को छुआ है तथा निवेशक वैश्विक आर्थिक विस्तार पर दांव लगा रहे हैं।

आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 भारत की विकास कहानी की एक सुखद तस्वीर पेश करता है और अल्पकालिक संभावनाओं को अच्छा मानता है, लेकिन चिंता के कई क्षेत्रों को चिह्नित करने में विफल नहीं होता है। बेहतर दीर्घकालिक संभावनाओं के लिए यह स्पष्ट दूरदर्शी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देता है।इसने कृषि में व्यापक सुधार की तत्काल जरूरतों को रेखांकित किया-%भारत के विकास पथ में अपनी केंद्रीयता के बावजूद, कृषि क्षेत्र को संरचनात्मक मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है, जिसका भारत के आर्थिक विकास पर प्रभाव पड़ता है,% इसने क्षेत्र के सामने कई प्रमुख चुनौतियों की पहचान करते हुए कहा, जिसमें खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति का प्रबंधन करते हुए विकास को बनाये रखने की आवश्यकता, फसलों के मूल्य निर्धारण तंत्र में सुधार और भूमि विखंडन को संबोधित करना शामिल है। इसमें कहा गया है कि नीति निर्माताओं को किसानों को उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने और खाद्य कीमतों को स्वीकार्य सीमा के भीतर रखने के बीच एक नाजुक संतुलन बनाना चाहिए। इस दोहरे उद्देश्य के लिए सावधानीपूर्वक नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है।हालांकि आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत के श्रम बाजार संकेतकों में सुधार हुआ है, लेकिन यह चेतावनी देता है कि आर्थिक गतिविधि के कई क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की जड़ें जम रही हैं और इसलिए सामूहिक कल्याण की दिशा में तकनीकी विकल्पों को आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण होगा। हालांकि, यह सरकार पर नहीं बल्कि नियोक्ताओं पर जिम्मेदारी डालता है कि वे प्रौद्योगिकी और श्रम के बीच संतुलन बनाने के लिए जिम्मेदार हैं।

इसमें कहा गया है कि कई विनियामक नियंत्रण, जैसे कि भूमि उपयोग, भवन संहिता, महिलाओं के रोजगार के लिए खुले क्षेत्रों और घंटों को प्रतिबंधित करना, रोजगार सृजन को रोकते हैं।सर्वेक्षण ने रुपये की अस्थिरता को नोट किया, लेकिन कहा कि यह सबसे कम अस्थिर मुद्राओं में से एक है, जो सांत्वना के अलावा और कुछ नहीं है। वित्त वर्ष 24 में, अमेरिकी डॉलर ने लगभग हर प्रमुख समकक्ष के मुकाबले बढ़त हासिल की। रुपया भी मूल्यह्रास दबाव में आया। इसके अलावा, दस्तावेज़ में जोर दिया गया है कि वित्त वर्ष 24 में इसने पिछले वर्षों की तुलना में सबसे कम अस्थिरता प्रदर्शित की।

यह विश्व अर्थव्यवस्था पर चीन के वैश्विक प्रभाव का भी उल्लेख करता है, और कहता है कि दुनिया चीन को पूरी तरह से अनदेखा नहीं कर सकती, भले ही वह चीन के साथ-साथ एक और देश की ओर क्यों न बढ़ रही हो। अपने निष्कर्ष के समर्थन में सर्वेक्षण कहता है कि मेक्सिको, वियतनाम, ताइवान और कोरिया जैसे देश, जो चीन से अमेरिका के व्यापार मोड़ के प्रत्यक्ष लाभार्थी थे। जबकि इन देशों ने अमेरिका को निर्यात में अपना हिस्सा बढ़ाया, उन्होंने चीनी एफडीआई में भी वृद्धि दिखाई।दिए गए उदाहरण में भारत के विकसित भारत% क ी ओर बढ़ने के संबंध में कई छिपे हुए अर्थ हैं। सर्वेक्षण कहता है

कि यह 1980 और 2015 के बीच चीन के आर्थिक उछाल से अलग होगा - और यह एक आसान रास्ता नहीं होगा। यह कारण गिनाता है कि क्यों?

यह कहता है कि शीत युद्ध के अंत में भू-राजनीति काफी हद तक शांत थी, और पश्चिमी शक्तियों ने चीन का स्वागत किया और यहां तक कि इसके उदय और विश्व अर्थव्यवस्था में इसके एकीकरण को प्रोत्साहित किया। वैश्वीकरण अपने लंबे विस्तार के शिखर पर था, और जलवायु परिवर्तन और वैश्विक चेतावनी पर चिंताएं तब इतनी व्यापक या गंभीर नहीं थीं जितनी कि वे अब हैं। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आगमन की ओर इशारा करता है, जो सभी कौशल स्तरों - निम्न, अर्ध और उच्च - के श्रमिकों पर इसके प्रभाव के बारे में अनिश्चितता की एक बड़ी परत डालता है। ये आने वाले वर्षों और दशकों में भारत के लिए निरंतर उच्च विकास दर के लिए अवरोध और बाधाएं पैदा करेंगे। इन पर काबू पाने के लिए संघ और राज्य सरकारों और निजी क्षेत्र के बीच एक शानदार गठबंधन की आवश्यकता है।देश के कल्याणकारी अर्थशास्त्र के लिए, यह कहता है कि हम कल्याण के लिए एक सुधारित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जो सशक्तिकरण, संतृप्ति दृष्टिकोण, आवश्यकताओं तक सार्वभौमिक पहुंच, दक्षता, लागत-प्रभावशीलता और निजीक्षेत्र और नागरिक समाज की भागीदारी बढ़ाने पर केंद्रित है। हालांकि, जहां तक उनके प्रदर्शन और इरादों का सवाल है, दावे बहस और प्रतिवाद योग्य हैं।

सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत का बाहरी क्षेत्र मजबूत बना हुआ है, चल रही भू-राजनीतिक प्रतिकूलताओं के साथ-साथ चिपचिपी मुद्रास्फीति के बीच। भारत में मुद्रास्फीति को दोहरे मानक से निपटाया गया है। एक तरफ यह स्वीकार करता है कि पिछले दो वर्षों में प्रतिकूल मौसम की स्थिति से खाद्य कीमतें प्रभावित हुई हैं,

और इन घटनाक्रमों का शुद्ध प्रभाव वित्त वर्ष 23 और वित्त वर्ष 24 में मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा है। हालांकि, वित्त वर्ष 25 या उसके बाद की मुद्रास्फीति के संबंध में, यह सामान्य जलवायु स्थितियों और सामान्य आंतरिक और बाहरी कारकों पर अनुमान लगाता है।हालांकि, सर्वेक्षण यह भी स्वीकार करता है कि मध्यम से दीर्घकालिक मुद्रास्फीति का दृष्टिकोण इसके परे के कारकों पर निर्भर करेगा जिनमें मूल्य निगरानी तंत्र और बाजार खुफिया को मजबूत करने के साथ-साथ दालों और खाद्य तेलों जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए केंद्रित प्रयासों की आवश्यकता होगी, परन्तु भारत उनके लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर है। इसमें कहा गया है कि दीर्घकालिक मूल्य स्थिरता प्राप्त करने के लिए एक स्पष्ट दूरदर्शी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।इसलिए मौसमी मूल्य वृद्धि को प्रबंधित करने के लिए फलों और सब्जियों के लिए आधुनिक भंडारण और प्रसंस्करण सुविधाओं के विकास में प्रगति का आकलन करना महत्वपूर्ण है। भारत की विकास कहानी की प्रशंसा करते हुए,सर्वेक्षण में कहा गया है कि महामारी के बाद भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है और इसका विस्तार हुआ है। वित्त वर्ष 2024 में वास्तविक जीडीपी वित्त वर्ष 20 के स्तर से 20प्रतिशत अधिक थी, इसमें कहा गया है। इसने वित्त वर्ष 2025 में भी मजबूत वृद्धि जारी रहने की संभावना अच्छी बताई है, लेकिन वह भू-राजनीतिक, वित्तीय बाजार और जलवायु जोखिमों के अधीन है।

इसमें आगे चेतावनी दी गई है कि 2024 में भू-राजनीतिक संघर्षों के बढ़ने से आपूर्ति में अव्यवस्था, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, मुद्रास्फीति के दबाव में वृद्धि और पूंजी प्रवाह के लिए संभावित नतीजों के साथ मौद्रिक नीति में ढील को रोकना पड़ सकता है। यह आरबीआई की मौद्रिक नीति के रुख को भी प्रभावित कर सकता है।

सर्वेक्षण में भू-राजनीतिक रेखाओं के साथ बढ़ते विखंडन और संरक्षणवाद पर नये सिरे से जोर देने के बारे में भी चेतावनी दी गई है, जो भारत के बाहरी क्षेत्र को प्रभावित करने वाले व्यापारिक विकास को विकृत कर सकता है। वैश्विक वित्तीय बाजारों ने नयी ऊंचाइयों को छुआ है तथा निवेशक वैश्विक आर्थिक विस्तार पर दांव लगा रहे हैं। हालांकि, ऊंचे वित्तीय बाजार मूल्यांकन में किसी भी सुधार का घरेलू वित्त विकास की संभावना पर असर पड़ सकता है।

कठिन चुनौती है वर-वधू का चुनाव

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है।

मीता और मोहन दोनों ने प्रेम विवाह किया और विवाह के कुछ समय बाद दोनों में तलाक हो गया। रीता और रमेश दोनों का विवाह माता-पिता ने अपनी पसंद से किया लेकिन उनमें भी नहीं बनी और उनका भी तलाक हो गया। अब प्रश्न उठता है कि वर-वधू का चुनाव किस तरह किया जाए कि उनका वैवाहिक जीवन सफल व खुशियों से भरा-पूरा हो।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है। अब न तो माता-पिता के भरोसे वर-वधू का चुनाव छोड़ा जाए और न ही पूर्णत: लड़के-लड़कियों के भरोसे।

वर्तमान समय में ये दोनों ही व्यवस्थाएं अपने आप में अपूर्ण हैं। वैवाहिक जीवन की गाड़ी लड़के-लड़की द्वारा ही चलेगी, माता-पिता द्वारा नहीं। इसलिए यह जरूरी है कि मध्य मार्ग का अनुसरण करते हुए वर और वधू को शादी से पहले एक-दूसरे के विचार, पसंद, नापसंद, भावनाएं, रुचियां, शिक्षा-दीक्षा और संस्कार आदि को भली प्रकार जानने-समझने की आवश्यकता होती है।

इस समस्या को हल करने के लिए कोई बीच का रास्ता अपनाया जाए। लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे को जानने, समझने का मौका दिया जाए, एक-दूसरे की रूचियों, स्वभाव, संस्कार आदि सभी बातों को अच्छी तरह समझ लिया जाए पर यह स्वतंत्र रूप से नहीं वरन माता-पिता की सहमति से ही होना चाहिए।

इस संबंध में एक उदाहरण ध्यान देने योग्य है देवदास गांधी (महात्मा गांधी के पुत्र) और राजगोपालाचारी की पुत्री, दोनों के निकट संपर्क होने के कारण प्रेम हो गया और दोनों ने शादी की इच्छा जतलाई। गांधीजी और राजगोपालाचारीजी ने इस समस्या पर विचार कर यह निर्णय दिया कि यदि आगे पांच साल तक दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर देंगे। दोनों ने पांच साल तक प्रतीक्षा की और पवित्र जीवन बिताया। इस परीक्षा के बाद जब दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर दिया गया। इस तरह हम देखते हैं कि जब तक प्रेम की परीक्षा न हो जाए, वह आंतरिक और शुद्ध न हो तब तक प्रेम विवाह को टालना ही हितकारी है। भावावेश में लिया गया निर्णय कभी वास्तविक प्रेम नहीं हो सकता।

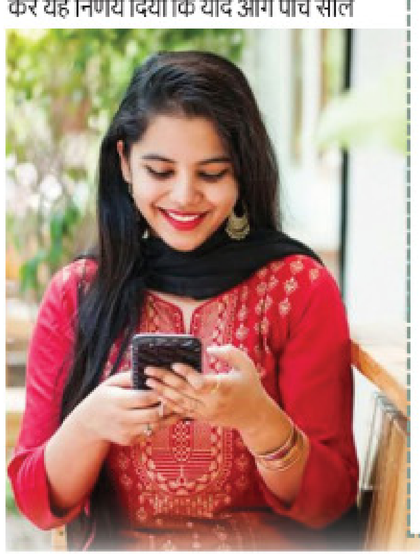

अनुभवहीन लड़के

लड़कियां, बिना जाने-समझे आस-पड़ोस या कहीं निकट संपर्क में आने पर इस तथाकथित प्रेम के चक्कर में फंसकर प्रेम-विवाह कर लेते हैं तो आगे चलकर कुछ समय बाद उनका वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी ही बीतता है।

वर-वधू का चुनाव करते समय एक महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखने योग्य है कि इसमें धन को विशेष महत्व न दिया जाए। इस दृष्टि से विवाह करना कि वर पक्ष अधिक धन-संपत्ति वाला है या वधू पक्ष से अधिक दहेज मिलेगा, यह बहुत बड़ी भूल है। अधिकांश लोग धन के लालच में पड़कर वर या वधू के न तो गुण, कर्म, स्वभाव, स्वास्थ्य या योग्यता को महत्व देते हैं और न ही उनके चरित्र, संस्कार व आदर्शों को।

परिणामस्वरूप ऐसा वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी, नारकीय अथवा असफल जैसा ही हो जाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर-वधू का चुनाव करते समय देखने वाली महत्वपूर्ण बाते ये हैं कि दोनों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम हो। दोनों के आचार-विचार मिलते हों, जरूरी समझ और पैनी दृष्टि हो।

इसके अतिरिक्त शिक्षा-दीक्षा, उत्तम संस्कारों का मेल एवं सूझबूझ वर-वधू के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

क्या बारिश में आपके भी तौलिए से बदबू आती है? कैसे दूर करें

बारिश के दौरान अक्सर तौलिए में से बदबू आने लगती है जिससे पूरा मूड ऑफ हो जाता है। इतना ही नहीं त्वचा की निखार पर भी असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गिले या नमी वाले तौलिये में बैक्टीरिया पनप जाते हैं। इस वजह से त्वचा संबंधित परेशानी भी हो सकती है। तो आइए जानते हैं कैसे आसान तरीकों से तौलिए से आ रही बदबू को भगाएं।

- सबसे पहली बात, कई लोग टॉवेल को ठीक करके उन्हें बाथरूम में रख देते हैं। लेकिन नमी के कारण उनमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। और वह बदबू मारने लगते हैं। इसके बाद वही टॉवेल का उपयोग त्वचा संबंधित कुछ भी परेशानी हो सकती है। इसलिए तौलिए को बारिश के दिनों में सुखी जगहों पर ही रखें।
- अक्सर नहाने के बाद लोग तौलिए को कही भी डाल देते हैं। ऐसे में बहुत बदबू आने लगती है। मौसम कोई-सा भी हो नहाने के बाद तौलिए को हमेशा किसी भी स्टैंड या रस्सी पर ही डालें। जिससे टॉवेल का गीलापन सुख जाएगा और बदबू भी नहीं आएगी।
- बारिश में दो तौलिए का इस्तेमाल कीजिए। और तौलिए को हर 2 दिन में धोते रहिए। जिससे बदबू नहीं आएगी और बैक्टीरिया भी नही पनपेंगे। मानसून सीजन में धूप बहुत कम निकलती है लेकिन जब भी धूप निकलती है तो गीले कपड़ों को धूप में जरूर डालें। इससे किसी भी कपड़ों में से बदबू नहीं आएंगी। साथ ही तौलिए को धूप में जरूर रखें।
- बारिश के सीजन में कपड़ें अगर नहीं सूखते हैं तो उन्हें आप पंखे की हवा में सुखा लीजिए। इससे बदबू नहीं आएगी।
- बारिश के दौरान सर्फ का इस्तेमाल थोड़ा अधिक कर लीजिए। इससे कपड़ों में से सर्फ की सुगंध के बीच बदबू दब जाएगी। साथ ही आप कपड़ों को धोने के दौरान हल्का सा डेटॉल का प्रयोग भी कर सकते हैं इससे भी कपड़ों में से बहुत कम दुर्गंध आएंगी। हल्की बदबू आने पर आप हल्का स्प्रे भी कर सकते हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया में एक पति का लिखा वो पत्र लोगों को भावुक कर गया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को समर्पण के लिए शुक्रिया कहा और कृतज्ञता जताई। पति ने लिखा कि एक गृहिणी होने के नाते मुझे लगता था कि मेरी पत्नी घर पर रहती है तो उसके पास काम ही क्या है? इसलिए मैंने उसे कभी उसके काम का क्रेडिट नहीं दिया। वह दिनभर घर और बच्चे की देखभाल में थकी रहती। लेकिन मुझे घर लौटने पर हमेशा अपनी ही थकान दिखती।

गृहिणियों का श्रम भी मान का हकदार

ऑफिस से लौटकर मैं उसे अक्सर यही कहता कि तुमने क्या किया दिनभर? लेकिन अब गंभीरता से सोचने पर लगता है कि यह महिला कितनी गजब की है। जो बच्चे और घर की अनगिनत जिम्मेदारियां अकेले ही संभालती है। इतना सोचा तो खुद पर ही गुस्सा आया। इसलिए सबसे कहूंगा कि अपने बच्चों की मां का सम्मान करें। जो घर-परिवार के लिए अपनी हर खुशी से नाता तोड़ लेती हैं।

हर मोर्चे पर है डटी

चिंता में डूबी पत्नी, नसीहतें और समझाइशें देती मां, बड़ों की देखभाल का जिम्मा उठाने वाली बहू और नाते रिश्तेदारी के बुलावे और दिखावे की रीति-नीति निभाने वाली एक जिम्मेदार स्त्री। वह हर मोर्चे पर डटी रहती है। भागती है, दौड़ती है, हांफती है, थकती है। भीतर ही भीतर जूझती भी है। बस, मन की नहीं कहती कभी। गृहिणी जो है। सामाजिक-पारिवारिक छवि कुछ ऐसी कि वह सब कुछ करती है पर कुछ नहीं कहती। वाकई, गृहिणी के रूप में स्त्री की यह भूमिका साधारण होकर भी कितनी असाधारण है। रोजमर्रा की अनगिनत जिम्मेदारियों को निभाते हुए समय के साथ कितना कुछ रीत जाता है गृहिणियों के मन के भीतर। लेकिन इसे समझने का अवकाश ना उसे मिलता है और ना ही उसके अपनों को।

बदलते समय में बढ़ी जिम्मेदारियां

समय के साथ गृहिणी की भूमिका भी बदल गई है। लेकिन उसके हिस्से आई जिम्मेदारियां कम नहीं हुई हैं। आज हर काम के लिए घरों में मशीनें मौजूद हैं पर उसकी भागमभाग अब भी जारी है। पहले जिम्मेदारियां तो थीं लेकिन दायरा सीमित था। मगर आज दायरा असीमित है घर से लेकर बाहर की जिम्मेदारी के अलावा बच्चों की पढ़ाई से लेकर फ्यूचर इंवेस्टमेंट की तैयारियों में वह जुटी रहती है। फिर भी वह हर बात में तालमेल बैठा ही लेती है।

सबके लिए कुछ न कुछ

चाहे गांव हो या शहर सुबह सबसे पहले बिस्तर छोड़ने और रात को सबके बाद अपने आराम की सोचने वाली महिलाएं पति, बच्चों और घर के अन्य सदस्यों की देखरेख में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद को हमेशा दोयम दर्जे पर ही रखती हैं। दूसरों की शर्तों, इच्छाओं और खुशियों के लिए जीने की उन्हें न केवल आदत-सी हो जाती है बल्कि किसी काम में जरा-सी भी कमी रह जाए तो, वे अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन फिर भी देखने में आता है कि उन्हें ताने ही सुनने को मिलते हैं। उनके काम का श्रेय और सम्मान उनके हिस्से नहीं आता। कुल मिलाकर कहा जाए तो वो एक ऐसा 'सपोर्ट सिस्टम है जो हमें जीने का हौसला देती हैं। न कोई छुट्टी ना कोई वेतन। सच कहें तो कोई गृहिणी वेतन चाहती भी नहीं। पर वो अपनों की जो सेवा सहायता करती है उसके बदले सम्मान की अपेक्षा तो करती ही है जो कि उसका मानवीय हक भी है। एक राष्ट्रीय सर्वे के मुताबिक 45 प्रतिशत ग्रामीण और 56 प्रतिशत शहरी महिलाएं जिनकी उम्र पंद्रह साल या उससे ज्यादा है पूरी तरह से घरेलू कार्यों में लगी रहती हैं। यह आंकड़ा हैरान करने वाला है कि 60 साल से ज्यादा की उम्र वाली एक तिहाई महिलाएं ऐसी हैं, जिनका सबसे ज्यादा समय इस आयु में भी घरेलू कार्यों को करने में ही जाता है।

भागीदारी का आर्थिक पहलू

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ भारत में ही महिलाएं दिनभर में 352 मिनट अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं। यानी इन कामों के लिए उन्हें कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलता। जबकि कुछ सालों पहले अमेरिका में हुए एक अध्ययन ने वहां गृहिणियों द्वारा किए गए घरेलू कामों की सालाना कीमत 57 लाख रुपए के बराबर आंकी थी। गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में घर की जिम्मेदारियां केवल महिलाओं के हिस्से नहीं हैं। इसलिए वहां गृहिणी के रूप में भी महिलाओं के श्रम और आर्थिक भागीदारी के पक्ष को महत्व दिया जाता है। जबकि हमारे यहां का रहन-सहन और सामाजिक ढांचा कुछ इस तरह का है कि घर पर रहने वाली महिलाओं के हिस्से में काम विकसित देशों से ज्यादा हैं और सुविधाएं कम हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे यहां घरेलू कार्य का जिम्मा पूरी तरह से महिलाओं का ही होता है। पुरुषों का सहयोग नाममात्र को ही मिलता है। हमारे यहां घरेलू कामकाज में पुरुषों की भागीदारी प्रतिदिन केवल 19 मिनट है।

अनदेखी की शिकार

गृहिणी हर परिवार की पृष्ठभूमि तैयार करती है। किसी कलाकृति को उकेरने के लिए जो स्थान कैनवास का होता है घर के सदस्यों के जीवन में वही भूमिका होती है गृहिणियों की। ये बात और है कि तस्वीर बन जाने पर वे भी कैनवास की तरह ही कहीं पीछे छुप जाती हैं। शायद यही वजह है कि इस रूप में महिलाओं की भागीदारी को हर जगह और हर हाल में अनदेखा करने की ही कोशिश की जाती है। घर का कोई भी सदस्य किसी भी समय कह देता है कि 'तुम दिन भर घर में करती ही क्या हो?'

मनोवैज्ञानिक आधार

मनोवैज्ञानिक रूप से देखा जाय तो यह अनदेखी एक अपराधबोध के भाव को जन्म देती है। वे सबके साथ होकर भी अकेली हो जाती हैं। उनके मन में सब कुछ करके भी खुद को कुछ भी करने योगय ना समझने का भाव इतना गहरा जाता है कि वे तनाव और अवसाद की शिकार बन जाती हैं। एक हालिया अध्ययन में भी सामने आया है कि 96 फीसद महिलाएं दिन में कम से कम एक बार खुद को दोषी या अपराधी मानती हैं। अपराधबोध से जुड़ा उनका यह भाव अधिकतर मामलों में बच्चों की परवरिश या परिवार की संभाल से ही जुड़ा होता है। इसके बावजूद उनके कार्यों का आकलन ठीक से नहीं किया जाता है।

पेरेंट्स को शर्मिंदगी से बचाती है टॉयलेट ट्रेनिंग, और भी कई काम आती है ये सीख

बच्चों को अगर टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाए, तो इससे पेरेंट्स का काफी काम आसान हो जाता है। बच्चे कभी भी कहीं भी पेशाब या पॉटी नहीं करते हैं जिससे घर साफ रहता है।

छोटे बच्चों यानि टॉडलर एज में बच्चों को पॉटी ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें बच्चों को खुद टॉयलेट जाना सिखाया जाता है। आप 8 से तीन साल के बच्चे को पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग सिखा सकते हैं। 18 महीने के होने के बाद बच्चे का अपने ब्लैडर यानि मूत्राशय पर कंट्रोल आता है। इसलिए एक साल के होने बाद ही आप बच्चे को पेशाब और पॉटी करना सिखाना शुरू कर दें।

बच्चे के लिए क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग बच्चे के लिए उसकी उम्र के हिसाब से पॉटी सीट लाएं। इन्हें बच्चे के कंफर्ट के हिसाब से ही डिजाइन किया जाता है। हालांकि, बच्चे को ये ट्रेनिंग देने के लिए आपको बहुत समय और धैर्य की जरूरत होगी।

कैसे दें पॉटी ट्रेनिंग

आप ध्यान दें कि बच्चा दिन में कितनी बार पेशाब या पॉटी करता है और उसका समय क्या है। क्या पेशाब या पॉटी आने से पहले कोई आवाज करता है या मुंह बनाता है। जब आप इस पैटर्न को समझ जाएंगे, तब आसानी से बच्चे को ट्रेन कर पाएंगे।

साउंड का करें इस्तेमाल

जब बच्चे को पॉटी आती है, तो आप एक आवाज निकालें। बच्चे को सिखाएं कि ये आवाज सुनने पर उसे पॉटी करनी है। कई लोग बच्चे को पेशाब करने के लिए 'स्स्स्स' की आवाज निकालते हैं। जब भी बच्चे को टॉयलेट जाना हो, तो आप ऐसी आवाज निकालें।

थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट ले जाएं

बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट लेकर जाएगा। सुबह उठने के बाद या खाना खाने के बाद बच्चे को टॉयलेट लेकर जाएं। ऐसा करने पर बच्चे को समझ आने लगेगा कि टॉयलेट में आने पर उसे पेशाब या पॉटी करनी है। टॉयलेट में आपको बच्चे से बात भी करनी है। उसे गाना सुनाएं या उसकी पसंद का खिलौना दें। उसकी पसंद की चीज पर ध्यान देने से बच्चा पॉटी ट्रेनिंग की प्रक्रिया को आसानी से समझ पाएगा।

साइन आएंगे काम

जब भी बच्चे को पेशाब या पॉटी आए तो आप कुछ साइन यानि संकेतों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चा जल्दी ही इन संकेतों को समझने लग जाएगा और पेशाब या पॉटी आने पर आपको इन संकेतों की मदद से बता देगा।

क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

जन्म के बाद शुरुआती कुछ महीनों में शिशु दूध पीता है और थोड़ी-थोड़ी देर में पॉटी करता है। लेकिन जब बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाता है और खेलने-कूदने लगता है या आपके साथ कहीं बाहर या किसी के घर जाने लगता है, तो उसे पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग देनी बहुत जरूरी होती है। सोचिए, आप अपने बच्चे को किसी रिश्तेदार या दोस्त के घर लेकर गई हैं और वहां पर बच्चे ने उनके सोफे या पलंग पर ही पेशाब या पॉटी कर दी तो आपको कितनी शर्मिंदगी महसूस होगी। इस तरह की परिस्थितियों से बचने के लिए ही बच्चों को टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाती है। टॉयलेट ट्रेनिंग के बाद बच्चे खुद ही कुछ संकेतों की मदद से आपको बता देंगे कि उन्हें टॉयलेट जाना है।

5 मिनट में तैयार करें नेल सीरम बढ़ जाएगी हाथों की खूबसूरती

बड़ें और मजबूत नाखून हाथों की शान को बढ़ा देते हैं। नाखून लंबे होने पर उंगलिया भी लंबी लगती है और नाजुक दिखती है। साथ ही हाथ खूबसूरत लगते हैं। अक्सर लड़कियां अपने नाखूनों पर लंबे वक्त तक नेल पेंट लगाकर रखती है। इतना ही नहीं नेल आर्ट भी दो या तीन महीने के लिए करवाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं चेहरे की तरह नाखून की केयर करना भी जरूरी है। वरना नाखून भी बेजान हो जाते हैं और वह टूटने लगते हैं। जरूरी यह भी नहीं है कि हमेशा महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर नाखून को सुंदर बनाया जा सकता है। दादी - नानी के नुस्खें आज भी बहुत कारगर है। तो आइए जानते हैं कैसे घर पर नेल सीरम तैयार करें ताकि नाखुनों को भी चेहरे की तरह ग्लो मिले।

सामग्री - 1 छोटा चम्मच एलोवेरा जेल, 2 विटामिन ई कैप्सूल, 1 छोटा चम्मच नारियल तेल

विधि - सभी को एक कटोरी में मिलाएं।

- इसके बाद किसी कंटेनर में भर लें।
- आपका सीरम तैयार है। अब इसे फ्रीज में स्टोर कर सकते हैं।

नेल सीरम लगाने का तरीका

- सबसे पहले अपने नाखून को अ से धो कर पोंछ लें।
- इसके बाद एक कच्ची लहसुन की कली लें, छिलकर।
- उसे हल्के हाथों से रगड़े। क्योंकि तेज रगड़ने पर जलन भी हो सकती है।
- 10 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद तैयार नेल सीरम से मसाज करें।
- 10 मिनट लगा रहने दे और बाद में धो लें।
- फिर देखिए आपके नेल कितने साफ और सुंदर दिखेंगे।

नेल सीरम के फायदे

- नेल सीरम लगाने के बाद नाखूनों की सफाई होती रहेगी।
- नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- वह मजबूत होंगे और सुंदर दिखेंगे।

जिंदगी में मकसद रखने वाले लोगों की सेहत रहती है अच्छी

जिन लोगों की जिंदगी में मकसद होता है उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। एक हालिया शोध में बताया गया है कि जब लोग 60 साल की उम्र को पार करने लगते हैं तो संबंधों में बदलाव होने लगता है। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार जिनकी जिदगी में मकसद और ध्येय होता है उनका स्वास्थ्य बेहतर रहता है और वे लंबा जीवन जीते हैं।

ऐसे किया शोध

शोधकर्ताओं ने 1042 वयस्कों के डाटा का विश्लेषण किया। इस शोध में शामिल प्रतिभागियों की उम्र 21 से लेकर 100 साल के बीच में थी।

शोधकर्ताओं ने इन प्रतिभागियों के जीवन के मकसद और ध्येय को जानने की कोशिश की। इंटरव्यू और प्रश्नोत्तरियों के द्वारा उन्होंने प्रतिभागियों से दो सवालों- मैं अपने जीवन में एक उद्देश्य या मिशन की तलाश कर रहा हूं और मैंने अपने जीवन में एक संतुष्ट करने वाले मकसद की तलाश कर ली है, के बारे में अपने निजी तर्क देने को कहा। जर्नल ऑफ क्लीनिकल साइकाइट्री में प्रकाशित शोध में कहा गया है कि जिन लोगों के जीवन में एक मकसद होता है वे उन लोगों की तुलना में ज्यादा खुश और स्वस्थ होते हैं जिनके जीवन में कोई मकसद नहीं होता।

मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है

शोधकर्ताओं के अनुसार जिन लोगों के जीवन में मकसद होता है उनका शारीरिक और मानिसक स्वास्थ्य बेहतर होता है जबकि जो लोग जीवन के मकसद की तलाश में होते हैं उनका मानिसक स्वास्थ्य और बुद्धमत्ता सबसे खराब स्थिति में होती है। शोधकर्ता दिलीप वी जेस्टे ने कहा कि, जब आप अपनी जिंदगी के मतलब को ज्यादा समझने लगते हैं तो आप ज्यादा संतुष्ट महसूस करते हैं। वहीं, अगर आपकी जिंदगी में कोई लक्ष्य नहीं है और आप उसकी तलाश बिना मन के कर रहे हैं तो आप असफल हो जाएंगे और बहुत ज्यादा तनाव महससू करेंगे। शोधकर्ताओं ने देखा कि 60 की उम्र में जीवन में मतलब होने का स्तर ऊंचा चला गया और मतलब की तलाश में कमी आई। जेस्टे ने कहा, जब आप युवा होते हैं, जैसे आप 20 साल की उम्र में होते हैं तो आप अपने करियर को लेकर और जीवनसाथी को लेकर अनिश्चित होते हैं। आपको पता नहीं होता कि एक इंसान के तौर पर आप कहां आकर खड़े होंगे। उस वक्त आप अपनी जिंदगी के मतलब की तलाश करते हैं। जैसे ही आप अपने जीवन के तीसरे, चौथे और पांचवे दशक में प्रवेश करते हैं आप पहले से कहीं ज्यादा स्थाई होते हैं।

रेसिपी

मटर कोफ्ते

सामग्री

■ 1 कप मटर के दाने ■ 2 उबले आलू ■ 1 टीस्पून अरारोट या बेसन ■ 1 टुकड़ा कसा हुआ अदरक ■ 1-2 हरी मिर्च ■ नमक स्वादानुसार।

■ 3 मध्यम आकार के टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ 1 इंच टुकड़ा अदरक ■ 2 टीस्पून तेल या घी ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 2 टीस्पून मलाई ■ लाल मिर्च ■ 1/2 टीस्पून गर्म मसाला ■ नमक स्वादानुसार ■ बारीक कटा हरा धनिया।

विधि

मटर को उबाल कर दरदरा पीस लें। आलू मैश करें। कोफ्ते की सारी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ी सामग्री अलग करें और बाकी सामग्री से नींबू के आकार के गोले बनाकर तैयार कर लें। कोफ्तों को ब्राउन होने तक तलकर अलग रखें। टमाटर, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट बना लें। फ्राइंगपैन में तेल डालकर जीरा, हल्दी और धनिया पाउडर डालें। अब मसाले का पेस्ट डालें और उसे तेल छोडने् तक भूनें। मसाले में मलाई डालकर 2 मिनट भूनें। नमक, लाल मिर्च, गर्म मसाला डालें। ग्रेवी को जितना गाढ़ा करना चाहती हैं, उतना ही पानी डालें। उबाल आने के बाद 2 मिनट तक और पकाएं। ग्रेवी में कोफ्ते डालकर 2 मिनट ढककर रख दें। बारीक़ कटे हुए धनिये से गार्निश करें। चावल या रोटी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

क्या आप भी बहुत जल्दी-जल्दी खाना खाते हैं? जानें जल्दबाजी में खाना खाने के 4 नुकसान

क्या आपकी आदत भी जल्दी-जल्दी खाना खाने की है? कुछ लोगों के खाने की स्पीड इतनी तेज होती है कि उन्हें अक्सर अपने साथ खाने वालों का या तो इंतजार करना पड़ता है या लोगों को खाता हुआ छोड़कर उठना पड़ता है। ऐसे लोग जल्दी-जल्दी खाने को अपनी क्वलिटीज में गिनना शुरू कर देते हैं बाकियों को स्लो ईटर कहकर चिढ़ाने लगते हैं। मगर वो शायद नहीं जानते हैं कि जल्दी-जल्दी खाने की आदत उनके लिए कितनी नुकसानदायक हो सकती है। जी हां, वैज्ञानिकों के अनुसार हमें अपना खाना हमेशा धीरे-धीरे, अच्छी तरह चबाकर और स्वाद लेकर खाना चाहिए। इससे खाना पचाने में आसानी रहती है। जल्दी-जल्दी खाना खाने की आदत आपकी सेहत के लिए खतरनाक हो सकती है। आइए आपको बताते हैं इससे जुड़े 4 बड़े नुकसान।

जरूरत से ज्यादा खा जाते हैं आप

जल्दी-जल्दी खाना खाने वाले लोग अक्सर अपनी जरूरत से ज्यादा खा जाते हैं, जो कि उनकी सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। ओवरईटिंग के कारण आप मोटापे, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। जब आप जल्दी-जल्दी खाने लगते हैं, तो आपके दिमाग को ये समझने में समय लगता है कि आपका पेट भर गया है। इसलिए आप जरूरत भर का खाना खा लेने के बाद भी खाते रहते हैं।

मोटापे का बनते हैं शिकार

जल्दी-जल्दी खाने की आदत आपको मोटापे का शिकार बना सकती है। दरअसल जल्दी-जल्दी खाने के कारण आपका मेटाबॉलिज्म कमजोर होता है, जिससे शरीर के फैट बर्न करने की क्षमता कम हो जाती है और आप धीरे-धीरे मोटापे का शिकार होने लगते हैं। इसलिए आपको हमेशा अपना खाना धीरे-धीरे खाना चाहिए। इस तरह भी आप अपने वजन को काबू में रख सकते हैं। धीरे-धीरे खाने से आपका पेट कम खाने से भी भर जाता है।

अच्छी तरह नहीं पचता है खाना

आप तेज खाना इसलिए खा पाते हैं क्योंकि खाने को दांत से देर तक चबाने के बजाय सीधा निगल लेते हैं। खाने को चबाना इसलिए जरूरी है ताकि आपका खाना छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट जाए और डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए उसे पचाना और प्रॉसेसिंग करना आसान हो जाए। इसके अलावा जब आप खाने को चबाकर खाते हैं, तो आपके मुंह की राल उसमें मिल जाती है। आपका थूक पेट में डाइजेस्टिव एंजाइम्स को एक्टिवेट करता है, ताकि वो खाने को तोड़कर पोषक तत्वों को अलग कर सकें।

ब्लड शुगर बढ़ सकता है

यह बात पढ़कर आपको भी झटका लग सकता है कि तेजी से खाना खाने से आपका ब्लड शुगर बढ़ सकता है। दरअसल तेजी से खाना खाने से शरीर में इंसुलिन रेजिस्टेंस शुरू हो जाता है, जिसके कारण आपका ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। लंबे समय में ये आदत आपको डायबिटीज का शिकार बना सकती है। अगर आप पहले से डायबिटीज का शिकार हैं, तो आपके लिए तेजी से खाना खाना बहुत खतरनाक हो सकता है। इसलिए आपको हमेशा खाना धीरे-धीरे खाना चाहिए।

रेसिपी

ब्रोकली पनीर पीनट मसाला

सामग्री

■ पनीर- 250 ग्राम (चौकोर या तिकोने शेप में कटे हुए) ■ ब्रोकली- 200 ग्राम (बड़े टुकड़ों में कटा) ■ मूंगफली- 100 ग्राम ■ प्याज- 1 कप (बारीक कटा) ■ टमाटर- 1 कप (बारीक कटा) ■ हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी) ■ अदरक-लहसुन- 1 चम्मच (बारीक कटी) ■ हल्दी- 1 टीस्पून ■ लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून ■ धनिया पाउडर- 1 टीस्पून ■ गरम मसाला- 1 टीस्पून ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- 4 टेबलस्पून

विधि

सबसे पहले मीडियम आंच पर एक कड़ाही में तेल गर्म करें। तेल के गर्म होते ही प्याज और हरी मिर्च डालकर गोल्डन होने तक भून लें। अब अदरक-लहुसुन और मूंगफली भून जाएं, तब इसमें ब्रोकली डालकर धीमी आंच पर 10 से 12 मिनट तक ढ़ककर पका लें। इसके बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और गरम मसाला डालकर तब तक भूनें, जब तक कि मसाले तेल न छोड़ दें। अब पनीर, नमक और टमाटर डालकर 5 से 6 मिनट तक पका लें। इसके बाद ऊपर से हरी धनिया डालकर गरमा-गरम रोटी या नान के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ ज्ञ ञ दे दो चा ची): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 5021

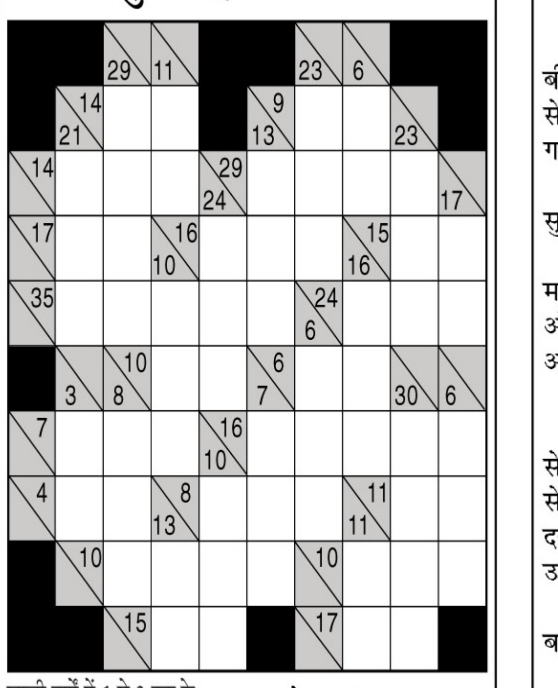

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

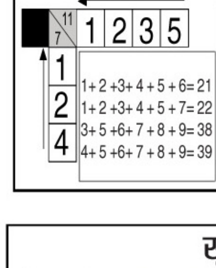

काकुरो - 5020 का हल

लॉफिंग जौन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दु:ख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दु:ख होता है।

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शन देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छि:!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली-5021

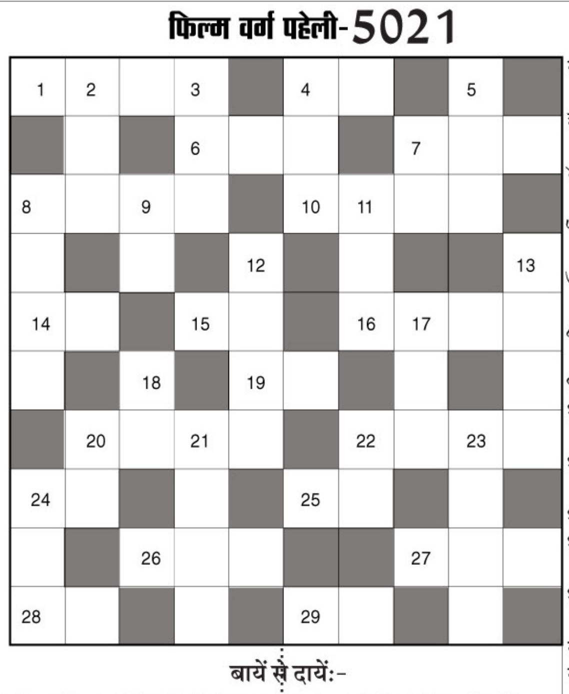

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली-5020

सूडोकु -5021

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5020 हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली -5021

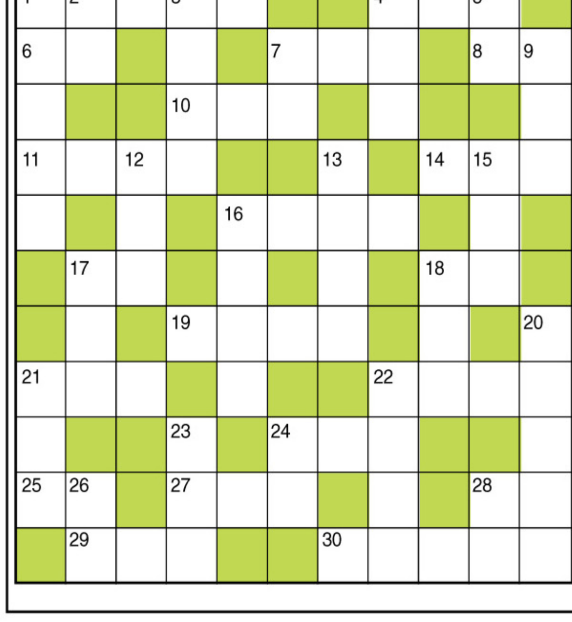

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -5020 का हल

कामां उत्सव 26 और 27 अगस्त को, मुडिया मेले जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें: श्रुति भारद्वाज

एजेंसी

डीग। जिला कलेक्टर श्रुति भारद्वाज ने कहा कि समस्त अधिकारियों ने मुड़िया पूर्णिमा मेला में बेहतरीन कार्य किया है। मुड़िया मेले के तरह ही अधिकारी कामां उत्सव और स्वंत्रता दिवस में भी साफ सफाई, पेयजल, बिजली इत्यादि सुविधाएं सुनिश्चित करें। पर्यटन विभाग राजस्थान, जिला प्रशासन, भरतपुर एवं नगर पालिका, कामां के संयुक्त तत्वाधान में 26-27 अगस्त 2024 को कामां उत्सव (श्री कृष्ण जन्मोत्सव) मनाया जाएगा। जिला कलेक्टर गुरुवार को पंचायत समिति सभागार डीग में जिला स्तरीय अधिकारी एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहाकि कामां उत्सव को उत्साह पूर्वक बनाने के लिए विभिन्न विभाग मुस्तैदी से कार्य करे। उन्होंने बताया कि कामां उत्सव में पहले दिन सुबह 5 बजे गोकुल चन्द्रमा, मदन मोहन एवं गोपीनाथ मंदिर, कामां में शहनाई वादन, दोपहर 12 बजे मेहंदी, रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता एवं दोपहर 2 बजे राधा कृष्ण एवं महापुरुष पोशाक प्रतियोगिता राजकीय गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी विद्यालय कामां, रामलीला मैदान कोट ऊपर में सांय 7:30 से रासलीला एवं रात्रि 12 बजे गोकुल चन्द्रमा एवं मदन मोहन मंदिर, कामां में जन्माष्टमी दर्शन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अगले दिन सुबह 5:00 बजे शहनाई वादन गोकुल चन्द्रमा, मदन मोहन एवं गोपीनाथ जी मंदिर, कामां एवं प्रातः 9 बजे से प्रातः 11:00 बजे तक नंदोत्सव कार्यक्रम गोकुल चन्द्रमा, मदन मोहन मंदिर में आयोजित किया जाएगा।

स्थानीय दशनार्थियों के दर्शन की नई व्यवस्था पर बैठक

काशी। काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने स्थानीय दशनार्थियों के लिए दर्शन की व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक में विभिन्न नेमी श्रद्धालुओं, विशेषकर प्रातःकाल दर्शन करने वाले स्थानीय निवासियों की आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की गई। काशीवासियों के लिए गेट 4क्कपर एक विशेष लाइन की व्यवस्था लागू की जाएगी। ढूंढी राज गली से प्रवेश करने वाले लोगों को सामान्य लाइन में फ्रंट पर लगाया जाएगा। दोनों लाइन में प्रवेश के लिए काशी वासी होने का पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था कल से लागू हो जाएगी और प्रतिदिन प्रातः 4 से 5 बजे और सायं 4 से 5 बजे के बीच दर्शन की सुविधा मिलेगी। दर्शनार्थियों को पंक्तिबद्ध होकर अनुशासन बनाए रखने की आवश्यकता है। व्यवस्था को केवल तभी बनाए रखा जा सकेगा जब काशी के स्थानीय निवासी स्वअनुशासन का पालन करें और एक-एक कर लाइन से प्रवेश करें। कुछ व्यक्तियों ने संदर्भ से इतर पुलिसकर्मियों के खिलाफ आरोप लगाए और हंगामा किया, जिससे बैठक अवरुद्ध हो गई। मंदिर प्रशासन ने विश्वास दिलाया कि वे सभी श्रद्धालुओं की आस्था और समुचित दर्शन की सुरक्षित व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्ध हैं। यदि व्यवस्था में कोई सुधार की आवश्यकता महसूस होती है, तो पुनरीक्षण किया जाएगा।

बिहार में जातिगत राजनीति को लेकर प्रशांत किशोर ने कसा तंज

पटना । बिहार में जन सुराज पदयात्रा कर रहे चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने गुरुवार को बिहार की जातिगत राजनीति को लेकर तंज कसते हुए कहा कि अगर पीतल और सोना साथ रखा जाए तो किसी भी जाति के लोग हों, सोना ही उठाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि देश में ऐसा कोई मुख्यमंत्री नहीं जिनकी जाति के लोग राज्य में सबसे अधिक हों। देश में चुनाव में जाति की प्रमुखता है। मैं यह नहीं कहता कि जाति राजनीति में हावी नहीं है, लेकिन जाति ही राजनीति को तय करती है, इस बात में पूरी सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि देश और बिहार में लोगों ने बहुत चालाकी से यह बात लोगों के दिमाग में बैठा दी है ताकि नए लोग राजनीति में आने का प्रयास ही नहीं करें। बिहार के लोगों ने कभी सोचा है कि नीतीश कुमार की जाति के लोग बिहार में कितनी संख्या में रहते हैं? लालू यादव की जाति के कितने लोग बिहार में रहते हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि जब भी लगे कि हमारे जाति के लोग जब अधिक होंगे तभी हम राजनीति कर सकते हैं, तो इस बात में आपको जरा भी सच्चाई नहीं दिखेगी। देश में अलग-अलग राज्यों में जितने भी मुख्यमंत्री हैं, उसमें कोई भी ऐसा मुख्यमंत्री नहीं है, जिसकी जाति उस राज्य में सबसे ज्यादा हो। ये आपका हमारा भ्रम है कि हमारी जाति के अधिक लोग होने से ही हम राजनीति में आ सकते हैं।

कट्टे से हवाई फायर का वीडियो वायरल, पुलिस ने लिया संज्ञान

छतरपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में कट्टे से हवाई फायर करने का एक वीडियो वायरल हो गया है। वीडियो में एक व्यक्ति कट्टे से हवा में फायर करता नजर आ रहा है, जिससे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। सिविल लाइंस थाना प्रभारी ने पुष्टि की है कि वीडियो को संज्ञान में लिया गया है। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है और हवाई फायर करने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसे जल्द ही आर्म एक्ट के तहत कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। पुलिस टीम ने इस मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है और कानून की सीमा के भीतर सख्त कार्रवाई करने की तैयारी की जा रही है।

नीट-यूजी पेपर लीक में सीबीआई ने हजारीबाग में फिर दबिश दी, गेस्ट हाउस और स्कूल में हुई जांच

एजेंसी

रांची । नीट-यूजी पेपर लीक स्कैम में सीबीआई ने गुरुवार को हजारीबाग में एक बार फिर दबिश दी। दिल्ली और पटना से आई एजेंसी की टीम ने शहर के कटकमसांडी रोड स्थित राज गेस्ट हाउस की तलाशी ली। यहां से कई दस्तावेज एवं साक्ष्य जब्त किए गए हैं। इस गेस्ट हाउस के संचालक राजकुमार उर्फ राजू सिंह को सीबीआई ने 15 जुलाई को ही गिरफ्तार किया था। इसके बाद 16 जुलाई को गेस्ट हाउस को सील कर दिया गया था। सीबीआई की अब तक की जांच में यह साफ हो चुका है कि पेपर लीक स्कैम का मेन सेंटर हजारीबाग ही था।

गुरुवार को सीबीआई की टीम इस स्कैम में संलिप्त रहे दो युवकों को अपने साथ लेकर दूसरी बार गेस्ट हाउस पहुंची, जहां करीब डेढ़ घंटे तक तलाशी और जांच की गई। इसके बाद टीम ने गेस्ट हाउस को फिर सील कर दिया। इसके पहले बुधवार को सीबीआई की टीम पेपर चुराने के आरोपी पंकज और उसके

एक सहयोगी को लेकर हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल पहुंची थी। टीम ने इन दोनों को साथ लेकर स्कूल के उस कमरे की तलाशी ली, जहां पेपर रखा गया था। सीबीआई टीम ने उनसे पेपर को चुराने के लिए अपनाई गई पूरी प्रक्रिया की जानकारी ली। सीबीआई की ओर से सुप्रीम कोर्ट को पहले ही जानकारी दी गई थी कि नीट-यूजी का पेपर हजारीबाग के ओएसिस स्कूल स्थित सेंटर से चुराया गया था।

सूत्रों के अनुसार, चुराया गया पेपर 30 से 60 लाख रुपए लेकर पटना, गुजरात के गोदारा, महाराष्ट्र के लातूर और हजारीबाग में करीब 150 परीक्षार्थियों का उपलब्ध कराया गया और परीक्षा के पहले उन्हें प्रश्नों के उत्तर रटवाए गए।

इस मामले में सीबीआई ने एक आरोपी अविनाश उर्फ बंटी को गिरफ्तार किया था। बंटी ही वह शख्स है, जिसने सॉल्व किए गए पेपर को 16 मोबाइल के जरिए उन लोगों तक भेजा था, जिनसे भारी रकम वसूली गई थी।

पेपर सॉल्व करने के लिए करीब एक दर्जन मेडिकोज को हायर किया गया था, जिन्हें हजारीबाग के राज गेस्ट हाउस में रुकवाया गया था। इस मामले में गिरफ्तार की गई रिम्स, रांची की छात्रा ने स्वीकार किया है कि उसे पेपर सॉल्व करने के लिए हजारीबाग ले जाया गया था। सॉल्वर गैंग के अन्य सदस्यों के भी नीट-यूजी परीक्षा के पहले हजारीबाग में मौजूद रहने के साक्ष्य मिल चुके हैं।

सिरमौर जिले में गलत तरीके से कटिंग से हुई लैंडस्लाइडिंग, राजमार्ग पर मलबे से मार्ग हुआ बंद

सिरमौर। सिरमौर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 707 पर सतोन के पास चिलोन क्षेत्र में भारी मलवा आने से सड़क पूरी तरह से बंद हो गई है। मलवा के गिरने से दो ट्रैक्टर पर पत्थर गिरे हैं, जिससे दो वाहन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि, राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी को चोट नहीं आई है। सड़क कई घंटों से बंद है, जिसके कारण दोनों दिशाओं में वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। बताया जा रहा है कि इस क्षेत्र में गलत तरीके से कटिंग की वजह से बार-बार लैंडस्लाइड की समस्या उत्पन्न हो रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग 707 के चौड़ीकरण के दौरान कई स्थानों पर

अवैज्ञानिक ढंग से कटिंग की शिकायतें भी हुई हैं, लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और स्थानीय प्रशासन ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। इसके कारण सड़क मार्ग की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है, और यात्रियों को भी खतरा बना हुआ है। यह कोई पहली बार नहीं है जब यहां लैंडस्लाइड हुआ है। पहले भी पत्थर गिरने की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है।

सीएम योगी करते हैं सबका सम्मान, हमारे बीच नहीं कोई खींचतान : संजय निषाद

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के प्रमुख डॉ. संजय निषाद ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। उन्होंने सीएम योगी को निषाद पार्टी के स्थापना दिवस में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया।

संजय निषाद ने कहा, 'निषाद पार्टी का 16 अगस्त को स्थापना दिवस है। मुख्यमंत्री को इसमें शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया गया है। इसके अलावा उनसे सामाजिक और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों के बारे में भी बात की गई।'

उन्होंने अधिकारियों की मनमानी से जुड़े सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से इस संबंध में आश्वासन दिया गया है। मैं उन्हें बधाई देता हूं, क्योंकि वह एक अभिभावक होने के नाते सबका सम्मान करना जानते हैं। हमारे बीच कोई खींचतान नहीं है। विपक्ष बेवजह बयानबाजी कर रहा हैं। निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने बताया कि शिष्टाचार भेंट में उन्होंने अपने विभाग और कई मुद्दों के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

दरअसल, इससे पहले मंत्री ने निषाद आरक्षण के मुद्दे पर योगी सरकार को चेतावनी दी थी। निषाद पार्टी के अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने बड़ा बयान दिया था। कहा था कि आरक्षण के मुद्दे को जिस सरकार ने सही से हैंडल नहीं किया, उसे नुकसान उठाना पड़ा है। सपा, कांग्रेस और बसपा को भी इसका नुकसान उठाना पड़ा है। आरक्षण का मुद्दा अगर सही से उठाया नहीं गया तो हमें भी नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा था कि भाजपा सरकार आरक्षण के मुद्दे पर ध्यान दे रही है, लेकिन इस पर भी अब विसंगति दूर करनी चाहिए। हमारी एक ही मांग है कि निषाद समाज की आवाज उठाई जाए। निषाद लोगों के लिए चर्चा होनी चाहिए, राजनीति नहीं।

राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस विधायक ने कहा 'बेचारी मैडम', उप मुख्यमंत्री ने दिया जवाब

एजेंसी

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में बजट सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक अमीन खां द्वारा राज्य की उपमुख्यमंत्री और वित्तमंत्री दीया कुमारी ने कड़ी निंदा करते हुए इसे कांग्रेस पार्टी की बुरी मानसिकता का प्रतीक बताया।

उन्होंने कहा- ये कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है। जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी तो उनके मंत्री ने कहा था कि यह मर्दों का प्रदेश है, और आज कांग्रेस एमएलए प्रदेश की वित्त मंत्री को 'बेचारी वित्त मंत्री' कह रहे हैं। इसका मतलब कांग्रेस को महिला के वित्त मंत्री बनने पर बहुत बड़ी आपत्ति है। लेकिन हमारी भाजपा सरकार ने देश के वित्तमंत्री का पद भी महिला को दिया और प्रदेश में भी एक महिला को वित्तमंत्री बनाया जो महिला सशक्तिकरण का बहुत बड़ा उदाहरण है। महिला सशक्तिकरण से कांग्रेस को आपत्ति है। कांग्रेस पार्टी के नेताओं को महिला सशक्तिकरण पर नसीहत भी दी। उन्होंने कहा, कांग्रेस के नेताओं को लगता कि महिलाओं को आगे नहीं बढ़ना चाहिए। महिलाओं को सिर्फ घर में बैठ कर

काम करना चाहिए, महिलाओं को कोई पद नहीं मिलना चाहिए। यह बहुत ही ओछी मानसिकता को दर्शाता है। यह बहुत ही गलत बयानबाजी है।

इसके अलावा साधुओं पर दिए कांग्रेस नेता के बयान पर उन्होंने कहा, साधुओं पर भी कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी बहुत ही गलत है। कांग्रेस का पूरा गठबंधन ही सनातन विरोधी गठबंधन है। इससे पहले भी कांग्रेसियों ने हिंदू धर्म को लेकर उल्टे-सीधे बयान दिए थे। जनता इस पार्टी की मानसिकता को भली-भांति जानती है। बता दें कि कांग्रेस विधायक अमीन खां ने बजट भाषण पर वित्त मंत्री के दिए भाषण पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि 'अधिकारियों ने बेचारी मैडम को पौने तीन घंटे खड़ा रख दिया'।

राष्ट्रपति भवन के दरबार और अशोक हॉल का नाम बदलकर 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक मंडप' किया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में स्थित 'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल' का नाम बदलकर क्रमशः 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक मंडप' कर दिया गया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से गुरुवार को जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रपति भवन, राष्ट्रपति का कार्यालय और आवास, राष्ट्र का प्रतीक है और लोगों की अमूल्य विरासत है। इसे लोगों के लिए और अधिक सुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के माहौल को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचारों का प्रतिबिम्ब बनाने का निरंतर प्रयास किया गया है। तदनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन के दो महत्वपूर्ण हॉलों 'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल' का नाम बदलकर क्रमशः 'गणतंत्र

मंडप' और 'अशोक मंडप' रखने पर प्रसन्न हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 'दरबार हॉल' राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्रस्तुति जैसे महत्वपूर्ण समारोहों और उत्सवों का स्थल है। 'दरबार' शब्द का तात्पर्य भारतीय शासकों और अंग्रेजों के दरबार और सभाओं से है। भारत के गणतंत्र बनने के बाद, यानी 'गणतंत्र' के बाद इसकी प्रासंगिकता खत्म हो गई। 'गणतंत्र' की अवधारणा प्राचीन काल से ही भारतीय समाज में गहराई से निहित है, इसलिए 'गणतंत्र मंडप' इस स्थल के लिए एक उपयुक्त नाम है। वहीं 'अशोक हॉल' मूल रूप से एक बॉलरूम था। 'अशोक' शब्द का अर्थ है वह व्यक्ति जो 'सभी दुखों से मुक्त' है या 'किसी भी दुख से रहित' है। साथ ही, 'अशोक' सम्राट अशोक को संदर्भित करता है, जो एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का प्रतीक है। भारत गणराज्य का राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ से अशोक का सिंह शीर्ष है। यह शब्द अशोक वृक्ष को भी संदर्भित करता है जिसका भारतीय धार्मिक परंपराओं के साथ-साथ कला और संस्कृति में भी गहरा महत्व है। 'अशोक हॉल' का नाम बदलकर 'अशोक मंडप' करने से भाषा में एकरूपता आती है और अंग्रेजीकरण के निशान मिटते हैं, जबकि 'अशोक' शब्द से जुड़े प्रमुख मूल्यों को बरकरार रखा जाता है।

केन्द्रीय मंत्री जोशी ने वाल्मीकि निगम घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से की इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कर्नाटक के अनुसूचित जाति और जनजाति समुदाय से जुड़े वाल्मीकि निगम घोटाले में मांग की है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पूरे मामले को सीबीआई को सौंपकर अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। संसद भवन में आज एक बयान में प्रह्लाद जोशी ने कहा कि कर्नाटक सरकार ने एससी-एसटी फंड का दुरुपयोग किया है। 189 करोड़ रुपये ट्रांसफर होने थे, लेकिन उसमें से 89 करोड़ रुपये शुरू में ही ट्रांसफर कर दिए गए। ये बहुत बड़ा घोटाला था। मामले में एसआईटी गठित की गई और काफी दबाव के बाद कुछ मंत्रियों ने इस्तीफा दिया, लेकिन आरोपित मंत्रियों की जांच नहीं की गई। जब ईडी ने मामले में हस्ताक्षेप किया तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई।

वाल्मीकि बोर्ड घोटाले में भी सीएम की संलिप्तता है। वहीं, 'मुदा' घोटाले में उनकी पत्नी के नाम करोड़ों की 14 सबसे कीमती जमीनें आवंटित की गई हैं। उन्होंने कहा कि 2013 में उन्होंने अपने एफीडेविट में इस जमीन के बारे में कुछ भी नहीं बताया था। 2018 में उन्होंने इसकी कीमत 25 लाख रुपये बताई थी। 2023 में उन्होंने इसकी कीमत 25 करोड़ रुपये बताई।

'एक्ट ईस्ट' नीति को बढ़ावा देगा आईआईएमसी आइजोल का सामुदायिक रेडियो : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जन संचार (आईआईएमसी) के आइजोल परिसर में स्थित भारत के 500वें सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'अपना रेडियो 90.0 एफएम' का उद्घाटन गुरुवार को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू, अपर सचिव नीरजा शेखर एवं भारतीय जन संचार संस्थान की कुलपति डॉ. अनुपमा भटनागर भी उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत का 500वां सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'अपना रेडियो 90.0 एफएम' आइजोल के

लोगों के जीवन में बदलाव लाने और छात्रों, स्थानीय समुदाय और किसानों के जीवन को बेहतर बनाने में मुख्य भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्ट ईस्ट' की नीति अपनाई है और इस दिशा में 'अपना रेडियो 90.0 एफएम' मील का पत्थर साबित होगा। केंद्रीय मंत्री वैष्णव के अनुसार रेलवे की पहुंच और वैचारिक नीतियों को लागू कर उत्तर पूर्व क्षेत्र को अधिक समृद्ध बनाना हमारा लक्ष्य है और हम सभी को मिलकर इसके लिये सबसे बेहतर ईको सिस्टम बनाना होगा। शुभारंभ समारोह के दौरान केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री द्वारा 10वें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कारों की भी घोषणा की गई। वर्ष 2014 में जहां पूरे देश में सामुदायिक रेडियो स्टेशनों की संख्या 140 थी, वहीं पिछले दस वर्षों में यह संख्या बढ़कर अब 500 तक पहुंच गई है।

इस अवसर पर उपस्थित मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कहा कि हम आइजोल में शुरू हो रहे 500वें सामुदायिक रेडियो स्टेशन को लेकर उत्साहित हैं। यह एक महत्वपूर्ण संख्या है। सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थानीय संस्कृति और स्थानीय लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि यह सामुदायिक रेडियो स्टेशन किसानों को सरकारी योजनाओं तथा कृषि से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करने में सहायक होगा। इससे अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने और हमारे समुदाय को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत होगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने आईआईएमसी को बधाई देते हुए कहा कि यह एक सुखद अवसर है कि हम आइजोल में 500वें सामुदायिक रेडियो स्टेशन की शुरुआत कर रहे हैं। सामुदायिक रेडियो पिछड़े क्षेत्रों के लोगों से संवाद करने में और प्राकृतिक आपदाओं से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह व्यावसायिक उद्देश्य के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक उद्देश्य के लिए है। यह स्थानीय लोगों और छात्रों को शिक्षित भी करता है। हम 500वें सामुदायिक रेडियो स्टेशन तक पहुंच गए हैं। इस नाते हम सभी के लिये आज का दिन ऐतिहासिक है।

महाराष्ट्र में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए नौसेना की टुकड़ियां तैयार

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए नौसेना की टुकड़ियां तैयार हैं। साथ ही बाढ़ प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों को एयरलिफ्ट करने के निर्देश जिलाधिकारियों को दिए गए हैं। इसके लिए हेलीकॉप्टरों की सेवा ली गई है। इसके साथ ही एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य प्रणाली की इकाइयों को एक दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करने और आवश्यकतानुसार मदद करने का निर्देश दिया गया है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को महाराष्ट्र के कई जिलों में मूसलाधार बारिश से आई बाढ़ की जानकारी संबंधित जिलाधिकारियों से ली है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को बताया कि मुंबई, पुणे, रायगढ़ इलाकों में भारी बारिश जारी है, लेकिन जिला, नगर निगम प्रशासन तैयार है। संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मैदान बाढ़ प्रभावित इलाकों में तेजी से बचाव कार्य चला रहे हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नागरिकों से अपील की है कि जरूरी होने पर ही अपने घरों

से बाहर निकलें। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीम वर्क के रूप में काम करते हुए बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित पहुंचाने, उन्हें फूड पैकेट उपलब्ध कराने, दवा, पानी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि मौके पर एनडीआरएफ, सेना, नौसेना की मदद लेने के निर्देश दिये गये हैं। पुणे, मावल, मुलशी बांध क्षेत्र में भी भारी बारिश हुई है, इसलिए पुणे प्रभावित हुआ है। मुंबई शहर और उपनगरों में भी भारी बारिश हो रही है। मुंबई में किसी भी आपदा से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है और वे खुद पुणे, रायगढ़, मुंबई कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त के संपर्क में हैं। सीएम शिंदे ने बताया कि उन्होंने पुणे से जुड़े सेना और नौसेना के अधिकारियों से बात की है। ऐसे मौके पर जब लोग किसी जगह फंस गए हों तो उन्हें हेलीकॉप्टरों से बचाने का भी निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में कुर्ला, घाटकोपर में जमा पानी को निकालने का काम चल रहा है। मुंबई में 255 पंप चल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मैंने मुंबई नगर आयुक्त को पूरी व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया है। मुंबई में बारिश बढ़ने के कारण सेंट्रल वेस्टर्न और हार्बर रेलवे सिस्टम को स्टैंडबाय पर रखा गया है।

पुणे में बाढ़ से तबाही, लवासा में पहाड़ी का एक हिस्सा विला पर गिरा

पुणे । पुणे में बाढ़ के बीच करंट लगने से एक नेपाली नागरिक सहित तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं लवासा शहर में पहाड़ी खिसकने से तीन लोग अपने आलीशान विला में फंस गए। आपदा नियंत्रण कक्ष ने बताया कि पहली घटना में सुबह 3 बजे के आसपास जेड ब्रिज के पास बाढ़ के पानी से अपने मोबाइल स्नैक स्टॉल को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के प्रयास में तीन लोग झुलस गए। अधिकारियों ने बताया कि सभी को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मरने वालों की पहचान नेपाली युवक शिवा जिदबहादुर परियार (18), आकाश वी. माने (21) और अभिषेक ए. घनेकर (25) के रूप में हुई है।

दूसरी घटना लवासा शहर की है। भारी बारिश के कारण पहाड़ी का एक हिस्सा भरभरा कर तीन बड़े विला पर गिर गया। इसमें तीन लोगों के फंसने की खबर है। बचाव अभियान के लिए एनडीआरएफ की एक टीम मौके पर पहुंच गई है और पीड़ितों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। राजधानी में बुधवार रात से मूसलाधार बारिश हो रही है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया है। जिला प्रशासन ने सभी शैक्षणिक संस्थानों को दिनभर बंद रखने का आदेश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 12 घंटों (बुधवार-गुरुवार की मध्यरात्रि से) में पुणे के कई हिस्सों में रिकॉर्ड बारिश हुई । लवासा में (454 मिमी), लोनावला (323 मिमी), निमगिरी (233 मिमी), मालिन (181 मिमी), चिंचवाड़ (175 मिमी), तालेगांव और खडकवासला (168 मिमी), लावले (167 मिमी) और अन्य क्षेत्रों में 50 मिमी-150 मिमी के बीच बारिश हुई, जबकि पुणे में औसत बारिश 115 मिमी हुई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार व्यक्तिगत रूप से पुणे के अलावा रायगढ़, मुंबई, ठाणे और राज्य के अन्य हिस्सों में बारिश के संकट की निगरानी कर रहे हैं और सभी एजेंसियां ??किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सुबह से ही एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें पुणे पुलिस और पुणे फायर ब्रिगेड के साथ मिलकर निंबज नगर, डेक्कन जिमखाना और सिंहगढ़ रोड जैसे शहर के इलाकों में बाढ़ के पानी में फंसे लोगों को बचाने के लिए अभियान चला रही हैं। ये इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से हैं, यहां पानी घरों, दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों में घुस गया है। शहर में बाढ़ के पानी के कारण उखड़े हुए पेड़, टहनियां, दोपहिया और चार पहिया वाहन और अन्य सामान बिखरा पड़ा है, इसलिए कुछ इलाकों में नावों के जरिए फंसे स्थानीय लोगों को सुरक्षित निकालने की कोशिश हो रही है।

आचार्य श्री शांतिसागर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए पदम बिलाला

जयपुर। दिगम्बर जैन मंदिर जनकपुरी प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष पदम बिलाला को फिरोजाबाद में गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर आचार्य श्री वसुनंदीजी महा मुनिराज के द्वारा पावन वर्षायोग मंगल कलश स्थापना कार्यक्रम में आचार्यश्री शांति सागर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि पदम बिलाला अखिल भारतीय धर्म जागृति संस्थान के राजस्थान प्रान्त के अध्यक्ष भी हैं। पदम बिलाला को मिला यह सम्मान न सिर्फ व्यक्तिगत तौर पर मिला है अपितु यह जनकपुरी ज्योतिनगर स्थित जैन मंदिर को भी मिला है, जिसका नाम न सिर्फ जयपुर में अपितु पूरे फिरोजाबाद में गुंजायमान हो रहा है। जनकपुरी स्थित जैन मंदिर की प्रबन्धकारिणी समिति के अध्यक्ष होने के साथ-साथ पदम बिलाला द्वारा टोंक रोड़ जयपुर जैन मंदर समिति का संयोजन भी किया जा रहा है।

शुद्ध हवा के लिए घर में जरूर लगाएं ये 15 पौधे

हमारे भारत में प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि खुले में सांस लेना भी मुश्किल हो गया हैं। ऐसे में प्रदूषण को रोकने के लिए अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए लेकिन इनके लिए खुली जगह होनी जरूरी हैं। शायद इसी कारण लोग अपने घरों के अंदर पेड़ लगा रहे हैं।आज हम आपको बताएगे कि घर में कौन-कौन से पौधे लगाने चाहिएं।

1989 में हुए नासा के 'क्लीन एयर स्टडी' से यह पता लगा कि घर की हवा को ताजा करने के लिए पौधे बेस्ट होते हैं। घर के अंदर की हवा में काफी मात्रा में बेंजीन, ट्राइक्लोरोथिलीन, अमोनिया जैसे कई तरह के नुकसान देने वाले रसायन होते हैं। लेकिन नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि घर के अंदर बढ़ते वायु-प्रदूषण को कम करने में ये पौधे हथियार के रूप में काम करते हैं। कुछ पौधे ऐसे होते हैं कि हमारे घरों, सार्वजनिक स्थलों और कार्यालयों के अंदर की हानिकारक गैसों को 85त्न तक अपने अंदर समा लेते हैं।ये पौधे सिर्फ़ हानिकारक गैसों से निपटारा ही नहीं करते, बल्कि घरों को सुंदर भी बनाते हैं। अच्छी सेहत और साफ हवा के लिए अपने घरों में इन

15 पौधों को ज़रूर लगाएं।

1. Anthurium andraeanum (राजहंस लिली)
राजहंस लिली हवा में नमी और वाष्प को बनाए रखती है. यह ज़ाइलीन और टोल्यूनि जैसी हानिकारक गैसों को अपने अंदर समा लोते हैं।

2. Gerbera jamesonii
यह उजले फूलों वाला पेड़ हवा में मौजूद विषेलै पदार्थों को खत्म कर देता हैं। इस पौधे को गर्म जगह पर रखना चाहिएं।

3. Scindapsus (गोल्डन लोटस)
गोल्डेन लोटस छाया में बढ़ने जहरीला पौधा वाला पौधा है। यह घर की हवा को साफ रखने के लिए बढ़िया हैं। इस पेड़ से बच्चों और जानवरों से दूर रखना चाहिए।

4. Aglaonema
इस सदाबहार पौधे को बढ़ने के लिए ज्यादा प्रकाश की आवश्यकता नहीं होती। लेकिन इसे अधिक नमी वाली हवा की ज़रूरत होती है। यह पौधा हवा से बेंजीन जैसे पदार्थों को फिल्टर कर हवा को शुद्ध बना देता हैं।

5. Chlorophytum ('मकड़ी संयंत्र')
यह पौधा केवल सुंदर ही नहीं, बल्कि घर की हवा से विषैली गैसों जैसे बेंजीन, कार्बन मोनोआक्साइड और ज़ाइलीन को भी खत्म कर देता हैं।

6. Ivy
यह पौधा कम प्रकाश वाली जगह लगाया जाता है और घर में मौजूद हानिकारक गैसों को खत्म करने में मददगार साबित होता हैं।

7. Azalea
यह पौधा आपके प्लाईवुड, फर्नीचर और कार्पेट से आने वाली स्मेल को खत्म कर देता हैं। अगर इसको ध्यान से रखा जाए, तो यह काफी लंबे समय तक जीवित रहता हैं।

8. Sansevieria ('मदर-इन-लॉ की जीभ')
यह काफी कठोर और किसी भी कंडीशन में रहने वाला पौधा हैं। इसकी खास बात ये है कि दूसरे पौधों की तरह हानिकारक गैसों को तो खत्म करता ही हैं और रात के समय ऑक्सीजन गैस भी छोड़ता हैं।

9. Dracaena marginata
यह धीरे-धीरे बढ़ने वाला पौधा हानिकारक गैस ज़ाइलीन और ट्राईक्लोरोइथीलीन को मिटा देता हैं।

10. क्द्धद्यश्स्लद्गठ्ठस्नह्म्ठ्ठ
इस पौधे को कम प्रकाश पर रखने पर भी इसके विकास पर कोई असर नहीं पड़ता। इसकी देखभाल करना तो आसान है लेकिन एक बात याद रखने योग्य ये है कि यह बच्चों और जानवरों के लिए खतरनाक हो सकता हैं।

11. Nephrolepis ('बोस्टन फर्न')
यह हवा में नमी कायम रखने और कार्बन मोनो ऑक्साइड को खत्म करने वाला पौधा हैं। इसे रोजाना पानी की आवश्यकता होती हैं।

12. Spathiphyllum ('शांत लिली')
पीस लिली घरों में आम दिखने वाला पौधा है, जो हर तरह की हानिकारक गैसों को निपटारा करता हैं। यह धूल को भी समाप्त करता है और घर की हवा को शुद्ध रखता हैं।

13. Bamboo palm
यह पौधा भी हानिकारक गैसों को फिल्टर करने का काम करता हैं। इसे फर्नीचर के बगल में रखने पर यह उसमें मौजूद कैमिकल को वाष्प में बदल कर खत्म कर देता हैं।

14. Schefflera
इस पौधे को कुछ देशों में 'अंब्रेला ट्री' भी कहा जाता हैं। यह पौधा भी घर की हानिकारक गैसों को खत्म करता हैं।

15. Chrysanthemum
यह फूल का पौधा सिर्फ़ आपके घरों को डेकोरेट करने का काम ही नहीं करता, बल्कि विषैली गैसों को खत्म करने का भी काम करता हैं।

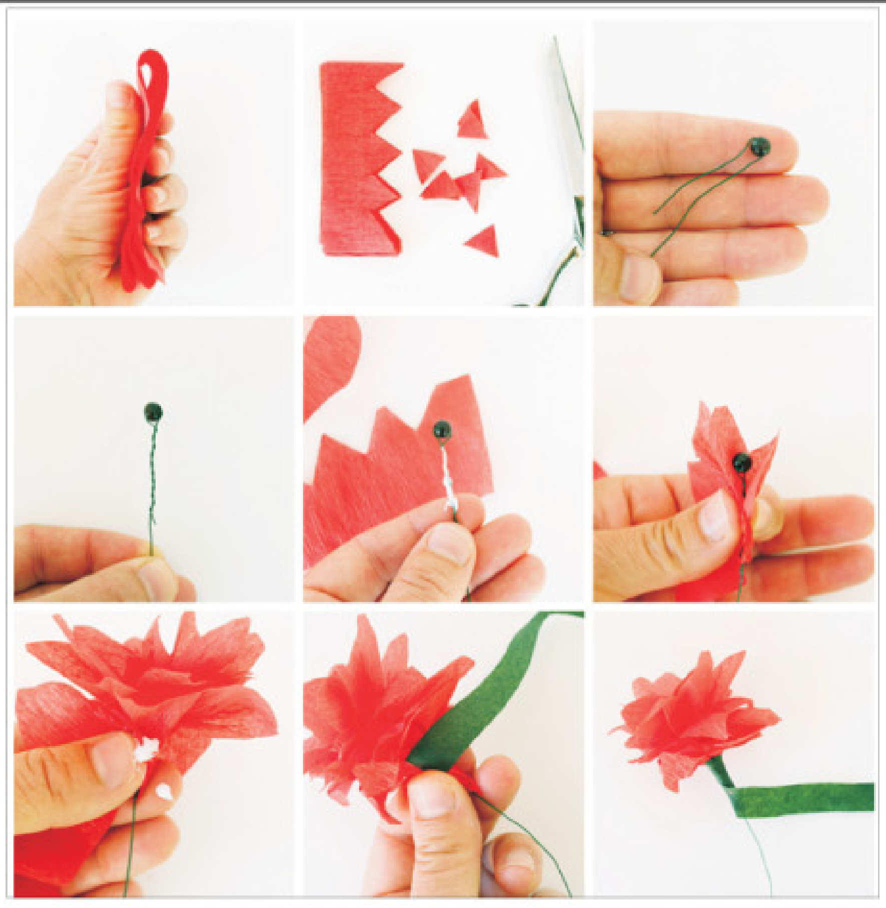

पेपर फ्लावर डैकोरेशन
यूं बनाएं कागज़ के फूल

घर बड़ा हो या छोटा, डैकोरेशन के बिना सूना-सूना सा लगता है। तनावमुक्त औऱ पॉजिटिव फीलिंग के लिए घर को सजाना बहुत ही जरूरी है। वैसे तो बाजार में आपको डैकोरेशन के लिए बहुत सारी चीजें मिल जाएंगी लेकिन डैकोरेशन की कुछ चीजें आप खुद भी बना सकते हैं। वैसे भी आजकल लोग घर में पड़ी वेस्ट चीजों को दोबारा इस्तेमाल करने में जागरूकता दिखा रहे हैं। अगर आप खुद से क्रिएटिवी दिखाना चाहते हैं तो वेस्ट कपड़ों, काग्जों और प्लास्टिक से डैकोरेशन की चीजें तैयार करें। हर घर में हमे फ्लॉवर पॉट मिल ही जाएगा। यह फ्लावर कपड़े, आरगेंडी, स्टोकिंग और पेपर फ्लावर से भी बने होते हैं। आज हम आपको पेपर फ्लावर बनाना सीखाते हैं, जिसे आप फ्लावर वेस में लगाकर घर की रौनक बढ़ा सकते हैं। वैसे इन्हें बनाने में आपको जल्दबाजी नहीं बल्कि सहनशीलता दिखानी पड़ेंगी। इसके लिए

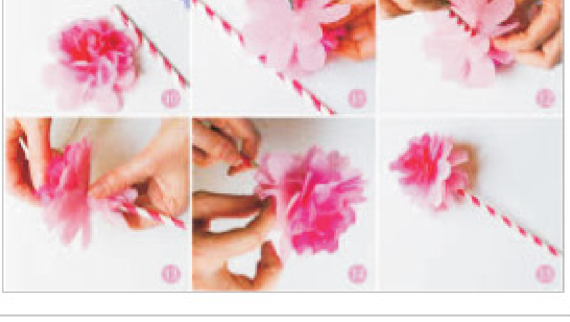

आपको चाहिए
-क्रेप पेपर या टीशू पेपर -न्यूज पेपर
-धागा, सीज़र (कैंची)
-फेवी ग्लू

कैसे बनाएं पेपर फ्लावर

सबसे पहले क्रेप पेपर को 40 इंच लंबा काट लें। उसके बाद उसे आधा-आधा फोल्ड करते जाएं जब तक वह ढाई इंच न रह जाएं। फिर कैंची की मदद से पेपर के एक किनारे को जिग जैग शेप (बड़े कट) में काटें। अब सारे पेपर को खोल लें और उसे हाफ फोल्ड कर लें। सूई धागे की मदद से पेपर को जिग जैग की दूसरी साइड कच्चा टांका करना शुरू करें। जब सारी लड़ी सिल जाएं तो धागें को धीरे-धीरे खींचना शुरू करें। इस तरह से पेपर राऊंड फ्लावर शेप में आ जाएगा। सुई को निकाल कर धागें को यूं ही पड़ा रहने दें। फूल की डंडी तैयार करने के लिए न्यूजपेपर स्ट्राइप को राऊंड घुमाकर तने की लुक दें। इसे ग्लू से अच्छे से जोड़ ले ताकि यह खुले न और किनारे से काट लें। अब किसी और कलर के 8 इंच लंबा क्रेप पेपर लें और फोल्ड करते जाएं जब तक वह 1 इंच का न रह जाएं। पहले की तरह कैंची से इसकी एक साइड पर छोटे कट लगाएं। जहां से कट लगाएं हैं उस हिस्से को न्यूज पेपर के एक कोने के ऊपर रखें और धागे की मदद से लपेटे। इस तरह से यह फूल का सेंटर वाला हिस्सा तैयार हो गया है। अब इसे राऊड फ्लावर के बीच से निकालते हुए सेट करें और जो धागा फूल के साथ बचा था उसे तने के साथ अच्छे से टाई कर लें। उसके बाद न्यूजपेपर पर ग्रीन क्रेप पेपर कवर चढ़ाएं और ग्लू की मदद से जोड़ लें। इस तरह से सूरजमूखी के फूल तैयार हो गया। ऐसे ही डिफरैंट कलर में बाकी फ्लावर तैयार करें और पॉट में सजा लें। इसी तरह आप रॉज, लिली, लोट्स आदि के फ्लावर भी बना सकते हैं।

बेकार पड़ी प्लास्टिक की चीजों से यूं बनाएं क्रिएटिव सामान

आजकल की अनेक समस्याओं में से सबसे बड़ी समस्या,प्लास्टिक का दिनों-दिन बढ़ता उपयोग है। इस पर रोक लगाने के बावजूद भी लोग प्लास्टिक का इस्तेमाल बोतल, कपों, बर्तनों, थैलों के रूप करते है।अगर आप घर की सफाई करते है तो आपको सबसे ज्यादा प्लास्टिक ही कचरे में दिखेगी इसलिए इस तरह की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप प्लास्टिक का रिसाईकल करके होम मैकिंग अच्छे तरीके से कर सकते हैं। आज हम आपको प्लास्टिक के इस्तेमाल से घर पर ही कुछ क्रिएटिव चीजें बनाना सिखाएंगे।

1. टूथब्रश होल्डर
आप दही के कपों को फेकने के बजाएं इनको धोकर और टूथब्रश डालकर बाथरूम में टांग सकते है। जब ये पुराने हो जाएं तो नए कपों को लगा दें। अपनी मर्जी से आप इन पर अलग-अलग डिजाइन भी बना सकते हैं।

2.खुले सिक्कों के लिए
कई बार आप सिक्कों को ऐसे ही कही पर रख देते हैं बाद में उन्हें ढूंढने में परेशानी होती हैं। इन सिकों को कपों में रख लें और उनमें अलग-अलग सिक?के डालें। इससे आपको पता रहेगा कि किस कप में कौन से सिक?के रखें और जरूरत पड़ने पर बिना समय बर्बाद किए फटाक से ढूंढ लेंगे।

3.ज्यूलरिस रखने में
कई बार आपको आपके ईयरिंग्स या चैन नही मिलती तो ऐसे में अलमारी में इन कपों को रख लें और हर कप में एक अलग एस्सेसरीज रखें, ताकि जरूरत पड़ने पर आसानी से मिल जाएं।

4. बीज बोएं यदि आप होम गार्डनिंग का शौक रखते है तो छोटे-छोटे कपों या बाल्टियों में मिट्टी भरकर उनमें धनिया, पुदीना या फूल आदि के बीज बो दें।

5. पेपरवेट बनाएं
आप मार्किट से मंहगे पेपरवेट लेने के बदले घर में ही प्लास्टिक के साथ पेपरवेट बना लें। इससे आपके पैसे बच जाएंगे और बेकार प्लास्टिक का प्रयोग भी हो जाएंगा ।

6.कलर प्लेट
अगर आप पेंटर हैं तो आप इन कपों में ही रंगों का इस्तेमाल कर सकते हैं और इनमें कलर भी नहीं सूखते हैं

केंद्रीय विद्यालय में संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

एजेंसी

जम्मू। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 जम्मू छावनी में संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इसमें जम्मू संभाग के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों की लगभग 100 छात्राओं ने अपने शिक्षकों के साथ विद्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार यादव ने माता सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित और माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत किया गया जिसका आनंद सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने लिया।इस प्रतियोगिता के अंतर्गत विद्यालय में बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस और रोप स्किपिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन 24 से 25 जुलाई तक किया जाएगा। मंच संचालन श्रीमती गुंजन कोहली द्वारा किया गया जिन्होंने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यालय के उप प्राचार्य अमित कुमार, खेल शिक्षक श्रीमती अर्चना शर्मा, मुख्य अध्यापिका श्रीमती निर्मल कौर, संगीत शिक्षक संजय नागर, श्रीमती रविंद्र कौर उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह पूर्वक विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया।

पदकों की हैट्रिक बनाने के लिए तैयार है पीवी सिंधु

पेरिस(भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु लगातार तीसरे ओलंपिक खेलों में पदक जीतकर इतिहास रचने के लिए किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़ रही हैं और उन्होंने अपना यह लक्ष्य हासिल करने के लिए पिछले कुछ महीनो में अलग-अलग तरीकों से कड़ा अभ्यास किया है। सिंधु ने रियो ओलंपिक में रजत और तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। अगर वह पेरिस ओलंपिक में पोडियम पर पहुंचने में सफल रहती है तो फिर वह पदकों की हैट्रिक पूरी करने वाली भारत की पहली खिलाड़ी बन जाएंगी। सिंधु पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रही है लेकिन उन्होंने कहा कि पिछले आठ महीने प्रकाश पादुकोण के साथ बिताने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और वह लगातार तीसरा पदक जीतने के लिए तैयार है। सिंधु ने पोर्टे डे ला चैपल एरिना में अभ्यास सत्र के बाद कहा, 'निश्चित रूप से पदक जीतना मेरा लक्ष्य है। यह पहला हो या दूसरा या फिर तीसरा यह मायने नहीं रखता। मैंने दो पदक जीते हैं और मैं तीसरे पदक के बारे में सोच कर खुद पर दबाव नहीं बनना चाहती हूं। उन्होंने कहा, 'जब भी मैं ओलंपिक में भाग लेती हूं तो वह मेरे लिए नया ओलंपिक होता है। इसलिए मैं जब भी ओलंपिक में खेलने के लिए उतरती हूं तो मेरा लक्ष्य पदक जीतना होता है। उम्मीद है कि मैं जल्द ही हैट्रिक पूरी करूंगी।

क्रिस श्रीकांत बोले- सूर्यकुमार यादव में हैं कप्तान बनने के गुण लेकिन हार्दिक को..

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर क्रिस श्रीकांत ने स्टार इंडिया बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की प्रशंसा की और कहा कि उनमें मेन इन ब्लू का नेतृत्व करने के गुण हैं। भारत ने श्रीलंका दौरे के लिए सूर्यकुमार यादव को अपनी पुरुष टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया है, जबकि शुभमन गिल को टी20 और वनडे टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। श्रीकांत ने अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि सूर्यकुमार श्रीलंका के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में खुद को एक अच्छे कप्तान साबित कर सकते हैं। श्रीकांत ने कहा कि ड्रेसिंग रूम से फीडबैक? मैं इसे समझ नहीं पा रहा हूं। हां, सूर्यकुमार में कप्तान बनने के गुण हैं। मैं इस बात से सहमत हूं। वह बहुत अच्छे कप्तान साबित हो सकते हैं। लेकिन हार्दिक पंड्या को कप्तानी से हटाने के कारण क्या ये हैं। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि वह हार्दिक पंड्या को कप्तानी से हटाने के टीम इंडिया के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के कारण से सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वे ड्रेसिंग रूम के फीडबैक से गए हैं। यह शायद आईपीएल से आया होगा। फिटनेस एक ऐसी चीज है जिससे मैं सहमत नहीं होऊंगा। उन्होंने पूरा आईपीएल खेला। उन्होंने गेंदबाजी भी की। हां, उन्होंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया होगा। यह एक और मुद्दा है। मुंबई इंडियंस क्वालिफाई नहीं कर पाई। विश्व कप में वह उप-कप्तान थे और उन्होंने अच्छा खेला, इसलिए फिटनेस एक ऐसी चीज है जिससे मैं सहमत नहीं हूं।

आप इस सीरीज में फर्क देख लेंगे: सनथ जयसूर्या ने की राजस्थान रॉयल्स के इस धुरंधर की तारीफ

कोलंबो । श्रीलंका के अंतरिम कोच सनथ जयसूर्या ने घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला से पहले राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के हाई-परफॉर्मेंस निदेशक जुबिन भरूचा की प्रशंसा की। सनथ जयसूर्या ने खुलासा किया कि जुबिन भरूचा ने श्रीलंका टीम को भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज की तैयारी में मदद की। भरूचा 1990 के दशक में सचिन तेंदुलकर और विनोद कांबली जैसे खिलाड़ियों के साथ मुंबई के लिए खेले। भरूचा अपनी गहन प्रशिक्षण तकनीकों के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने भारतीय बल्लेबाजों ध्रुव जुरेल और यशस्वी जयसवाल को ट्रेनिंग दी है। उन्होंने 18-24 जुलाई तक छह दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया था। सनथ जयसूर्या ने कहा कि भारत के खिलाफ टी20 सीरीज की तैयारी में जुबिन भरूचा के साथ काम करने के लिए श्रीलंका टीम भाग्यशाली है। जयसूर्या ने कहा कि आगामी सीरीज में टीम को सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि हम जुबिन भरूचा के साथ काम करने के लिए भाग्यशाली थे। वह राजस्थान रॉयल्स से हैं। सांगा ने उनका परिचय कराया।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे मैचों के लिए आयरलैंड महिला टीम घोषित

लॉरा डेलानी को मिली कमान

एजेंसी

डबलिन। श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे मैचों के लिए आयरलैंड महिला टीम घोषित, लॉरा डेलानी को मिली कमान आयरलैंड क्रिकेट ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो टी- 20 और तीन मैचों की एकदिनी श्रृंखला के लिए महिला किकेट टीम की घोषणा कर दी है, दोनों टीमों के बीच श्रृंखला के मैच बेलफ़ास्ट और डबलिन में खेले जायेंगे। वनडे के नतीजों को आईसीसी महिला चैंपियनशिप के लिए गिना जाएगा। यह सीरीज 8 अगस्त से 21 अगस्त के बीच खेली जाएगी। लॉरा डेलानी दोनों प्रारूपों में टीम की कप्तानी करेंगी। क्रिस्टीना कूल्टर-रेली और ऐलिस टेक्टर को अपना पहला कॉल अप मिला है - टेक्टर आयरलैंड मेन्स इंटरनेशनल क्रिकेटर हैरी टेक्टर की छोटी बहन हैं।

आयरलैंड की टीम इस प्रकरणः

टी20आई टीमः
लौरा डेलानी (कप्तान), एवा

कैनिंग, क्रिस्टीना कूल्टर-रेली, अलाना डाल्ज़ेल, एमी हंटर, अर्लीन केली, गैबी लुईस, जेन मैगुइरे, कारा मरे, लीह पॉल, ओर्ला प्रेंडरगैस्ट, ऊना रेमंड-होए, फ्रेया सार्जेंट, रेबेका स्टोकेल।

वनडे टीमः
लौरा डेलानी (कप्तान), एवा कैनिंग, अलाना डाल्ज़ेल, एमी हंटर, अर्लीन केली, गैबी लुईस, जोआना लॉगरन, एमी मैगुइरे, लीह पॉल, ओर्ला प्रेंडरगैस्ट, ऊना रेमंड-होए, फ्रेया सार्जेंट, रेबेका स्टोकेल, एलिस टेक्टर।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान के करीब पहुंचे जो रूट

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के मध्यक्रम के स्टार बल्लेबाज जो रूट जारी बल्लेबाजों की नवीनतम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज न्यूजीलैंड के अनुवभवी बल्लेबाज केन विलियमसन के करीब पहुंच गए हैं। रूट न्यूजीलैंड के बल्लेबाज से सात अंक पीछे हैं। विलियमसन 859 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर हैं जबकि रूट के 852 पॉइंट्स हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड की टीम ने शानदार जीत दर्ज की। ट्रेंट ब्रिज में खेले गए दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 241 रनों से हरा दिया। मैच में प्रभावशाली प्रदर्शन से इंग्लैंड के कई स्टार खिलाड़ियों को नवीनतम आईसीसी पुरुष टेस्ट रैंकिंग में बड़ी बढ़त हासिल हुई है। मैच में अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने अपना 32वां टेस्ट शतक बनाया। रूट ने शादार 122 रनों की शतकीय पारी खेली। जिसके चलते वह टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 के करीब पहुंच गए। रूट ने 12 रेटिंग अंकों का सुधार किया है और अब वह न्यूजीलैंड के अनुभवी केन विलियमसन से सात अंक पीछे हैं।

बर्मिंघम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में बल्ले से एक और मजबूत प्रदर्शन करके रूट फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर सकते हैं।

बल्लेबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने भी बड़ा सुधार किया है। ब्रूक चार पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ स्थान है। ब्रूक के 771 रेटिंग अंक हैं। इंग्लैंड के ही बेन डकेट और ओली पोप ने भी दूसरे टेस्ट में ठोस योगदान के बाद कुछ सुधार किया है। बेन डकेट छह पायदान ऊपर 16वें स्थान पर और ओली पोप आठ पायदान ऊपर 21वें स्थान पर आ गए हैं।

क्रिस वोक्स की शीर्ष 20 में वापसी

टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में सबसे आकर्षक बदलाव क्रिस वोक्स का रहा। इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच में छह विकेट चटकाने के बाद चार पायदान की छलांग लगाई और सितंबर 2021 के बाद पहली बार शीर्ष 20 में वापस आ गए। इंग्लैंड के युवा स्पिनर शोएब बशीर दूसरी पारी में पांच विकेट लेने के बाद 18 स्थान के सुधार के साथ 53वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स नॉटिंघम मुकाबले में छह विकेट लेने के बाद 10 स्थान के सुधार के साथ 34वें स्थान पर आ गए हैं।

पेरिस 2024ः तीरंदाजी टीम के रैंकिंग राउंड के साथ भारत करेगा अपने ओलंपिक सपने की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत आखिरकार गुरुवार को अपनी पेरिस ओलंपिक यात्रा की शुरुआत करेगा, जिसमें दीपिका कुमारी और तरुणदीप राय के नेतृत्व वाली तीरंदाजी टीम लेस इनवैलिड्स में रैंकिंग राउंड में पदक के लिए अपना पहला शॉट लगाएगी।

लंदन ओलंपिक 2012 के बाद पहली बार, भारत छह तीरंदाजों की अपनी पूरी टीम उतारेगा, जो पुरुष टीम/व्यक्तिगत, महिला टीम/व्यक्तिगत और मिश्रित टीम श्रेणियों में सभी पांच पदक स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेगा। इस ओलंपिक के दौरान भारतीय तीरंदाजी कितनी आगे तक जा सकती है, इसके लिए यह दौर महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि छह तीरंदाजों में से प्रत्येक के लिए 72 तीरों से अधिक का प्रदर्शन व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं के लिए वरीयता निर्धारित करेगा। पुरुष और महिला टीम प्रतियोगिताओं के लिए, रैंकिंग राउंड से शीर्ष चार वरीयता प्राप्त टीमों

को सीधे क्वार्टरफाइनल योग्यता मिलेगी और आठवीं से 12वीं वरीयता प्राप्त टीमों के बीच क्वार्टरफाइनल दौर में एक-दूसरे का सामना होगा। रैंकिंग यह भी तय करेगी कि मिश्रित टीम प्रतियोगिता में किसे जगह मिलती है, केवल शीर्ष 16 जोड़ियां ही अगले चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी। प्रत्येक देश के लिए एक-एक पुरुष और महिला तीरंदाज को मैदान में उतारने पर, टीम की वरीयता तय करने के लिए पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष स्कोर को जोड़ दिया जाता है। यह दीपिका कुमारी की चौथी ओलंपिक उपस्थिति होगी और मां बनने के बाद पहली बार होगी।

इसी तरह, तरूणदीप भी अपना चौथा ओलंपिक खेल रहे हैं, जबकि टीम के साथी प्रवीण जाधव टोक्यो 2020 के बाद अपनी दूसरी उपस्थिति बना रहे हैं। बाकी तीन, धीरज बोम्मदेवरा, भजन कौर और अंकिता भक्त पहली बार ओलंपिक का अनुभव ले रहे हैं।

भारतीय तीरंदाजों ने कभी भी ओलंपिक पदक नहीं जीता है। पेरिस 2024 में तीरंदाजी प्रतियोगिता उद्घाटन समारोह से एक दिन पहले 25 जुलाई को व्यक्तिगत रैंकिंग राउंड के साथ शुरू होगी। शेष चरण 28 जुलाई से 4 अगस्त तक लेस इनवैलिड्स में आयोजित किए जाएंगे।

आगामी चुनौतियों के लिए तैयार भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम: कोच इश्फाक अहमद

नई दिल्ली। भारतीय अंडर- 17 पुरुष टीम का शिविर पिछले दो सप्ताह से श्रीनगर में चल रहा है और मुख्य कोच इश्फाक अहमद का मानना है कि यह अब तक बहुत अच्छा रहा है। ब्लू कोल्ट्स सितंबर में आगामी सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप और अक्टूबर में एफसी अंडर- 17 एशियाई कप क्वालीफायर की तैयारी कर रहे हैं। इश्फाक ने एआईएफएफ के हवाले से कहा, अब तक सब कुछ जिस तरह से चल रहा है उससे मैं खुश हूं। मैं पूरी तरह सतर्क हूं। हमें चोट की कोई समस्या नहीं है। 18 सितंबर को भूटान के थिम्पू में सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप शुरू होने में अभी भी लगभग दो महीने बाकी हैं। इसलिए, शिविर के इन शुरुआती चरणों में, प्राथमिक ध्यान फिटनेस बनाने पर है। उन्होंने कहा, हम इस समय 'साइकल वन' में हैं - पिछले दो हफ्तों से फिटनेस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ये युवा लड़के हैं, तकनीकी रूप से बहुत स्मार्ट हैं, और हम हर किसी को देखने के लिए फुटबॉल का एक अच्छा और परिपक्व ब्रांड खेलना चाहते हैं और उसके लिए फिटनेस महत्वपूर्ण है। जल्द ही, हम दूसरा चक्र शुरू करेंगे, जहां हम रणनीति आजमाएंगे। हम मैच भी खेलना शुरू करने जा रहे हैं, ताकि वे सामरिक चीजों को समझ सकें और उन्हें लागू कर सकें।इस वक्त कैंप में 32 खिलाड़ी हैं. उनमें से ठीक आधे, 16, पिछले साल भूटान में भारत की सैफ अंडर -16 चैम्पियनशिप विजेता टीम का हिस्सा थे, जिन्हें इश्फाक ने प्रशिक्षित भी किया था। सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप के समापन के बाद, ब्लू कोल्ट्स का अगला असाइनमेंट केवल चार सप्ताह दूर थाईलैंड में एएफसी अंडर -17 एशियाई कप क्वालीफायर (23-27 अक्टूबर) होगा, जहां उनका सामना ब्रुनेई दारुस्सलाम, तुर्कमेनिस्तान और थाईलैंड से होगा। भारत अंडर -17 कैंप के लिए स्काउटिंग एआईएफएफ अंडर -17 यूथ लीग में आयोजित की गई थी, जो दिसंबर 2023 से मई 2024 तक आयोजित की गई थी।

लातविया रूसी ओलंपिक एथलीटों को शेंगेन क्षेत्र में प्रवेश करने से नहीं रोकेगा: प्रधानमंत्री

एजेंसी

रीगा। प्रधान मंत्री इविका सिलिना ने कहा कि लातविया की रूसी ओलंपिक एथलीटों को शेंगेन क्षेत्र में प्रवेश से वंचित करने की कोई योजना नहीं है। राष्ट्रपति एडगर्स रिंकेविक्स के साथ बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए सिलिना ने कहा कि पेरिस ओलंपिक खेलों में रूसी एथलीटों का प्रवेश आयोजकों की जिम्मेदारी है, हालांकि लातविया ने खेलों में रूसी एथलीटों की भागीदारी पर ध्यान आकर्षित किया है। पिछले दिसंबर में, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कार्यकारी बोर्ड ने सख्त पात्रता शर्तों के तहत पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में व्यक्तिगत तटस्थ एथलीटों (एआईएन) की भागीदारी को मंजूरी दी थी। आईओसी ने तब घोषणा की थी

कि एआईएन, रूसी या बेलारूसी पासपोर्ट रखने वाले एथलीट, जिन्होंने खेल के मैदान पर अंतरराष्ट्रीय महासंघों की मौजूदा योग्यता प्रणालियों के माध्यम से अपना स्थान सुरक्षित किया है, उन्हें विशिष्ट शर्तों के बाद पेरिस 2024 में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पात्र माना जाएगा।

उप्र के ध्रुव ने म.प्र के आराध्य को दी मात, रोहिन ने बिहार के अविनाश को हराया

एजेंसी

लखनऊ । आइटा चैंपियनशिप सिरीज टेनिस टूर्नामेंट विभिन्न ग्रुपों के 16 क्वार्टर फाइनल मैच खेले गये, जिसमें विभिन्न प्रदेशों के आये खिलाड़ियों ने खूब उत्साह दिखाया। पुरुष अंडर-14 एकल मुकाबले में उप्र के ध्रुव सिंह ने मध्य प्रदेश के आराध्य मिश्रा को मात दे दी, जबकि

चौथे वरीयता प्राप्त पश्चिम बंगाल के नमन अख्तर ने उप्र के विराट सिंह को हरा दिया। विजयंतखंड के मिनी स्टेडियम में चल रहे आइटा चैंपियनशिप टेनिस टूर्नामेंट में अंडर-14 पुरुष एकल मुकाबले में चार क्वार्टर फाइनल मैच खेले गये। इसमें उप्र के ध्रुव सिंह ने मध्य प्रदेश के आराध्य मिश्रा को 6-0, 6-1 से हरा दिया। वहीं दूसरे मैच में उप्र के टाप वरियता प्राप्त कौस्तुभ सिंह ने उप्र के ही वैभव सरोज को सीधे मुकाबले में 6-3, 6-4 से हरा दिया। वहीं पश्चिम बंगाल के नमन अख्तर ने उप्र के विराट को 6-4, 6-3 से और उप्र के रोहिन राज ने बिहार के अविनाश राय को 6-4, 6-0 से हरा दिया। वहीं पुरुष अंडर-12 के एकल मुकाबले में भी चार क्वार्टर फाइनल मैच खेले गये। इसमें उप्र के अच्युत जायसवाल ने महाराष्ट्र के अर्जुन को 6-1,6-0 से हरा दिया। वहीं उप्र के आयुष्मान पाठक ने छत्तीशगढ़ के अजयविक पुरी को सीधे मुकाबले में 6-2, 6-2 से, कर्नाटक के सिद्धार्थ कंडुकुरी ने उप्र के कृष्ण सिंह को 6-1, 6-1 से, उप्र के अरव शुक्ला ने उप्र के आदित्य यादव को 6-0, 6-0 से हरा दिया। वहीं महिला वर्ग में अंडर-14 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मध्य प्रदेश के वैदेही शिंदे ने उप्र की सिद्धे सिंह को 6-3, 6-2 से हरा दिया। उप्र की ताशी किरन ने सौंदर्य जायसवाल को 6-1, 6-2 से, महाराष्ट्र की नरक्षत्र ने महाराष्ट्र की ही अनिका को कड़े मुकाबले में 3-6, 6-0, 6-4 से हरा दिया। वहीं झारखंड की पूर्वी पातवा ने कर्नाटका अनिशा को 6-2, 6-0 से हरा दिया। वहीं महिला वर्ग के अंडर-12 एकल मुकाबले के क्वार्टर फाइनल कर्नाटक की अनिशा कार्निलियो ने उप्र की सौंदय जायसवाल 6-3, 6-3 से हरा दिया।

पेरिस ओलंपिक टेबल टेनिस : मनिका बत्रा पहले दौर में अन्ना हर्से से भिड़ेंगी; भारतीय पुरुष टीम पहले मैच में चीन से भिड़ेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक खेलों की टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए ड्रा निकाला गया। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा पेरिस 2024 ओलंपिक में महिला एकल स्पर्धा के शुरुआती दौर में ग्रेट ब्रिटेन की 18 वर्षीय अन्ना हर्से से भिड़ेंगी। आगामी संस्करण के लिए 18वीं वरीयता प्राप्त बत्रा ने महिला एकल में टोक्यो 2020 के तीसरे दौर में जगह बनाई। रियो 2016 में पदार्पण के बाद ग्रीष्मकालीन खेलों में यह उनकी लगातार तीसरी उपस्थिति होगी। अन्ना हर्से ओलंपिक में पदार्पण करेंगी।

इस बीच, पेरिस 2024 में महिला एकल में 16वीं वरीयता प्राप्त श्रीजा अकुला अपने 64वें राउंड के मैच में स्वीडन की क्रिस्टीना कालबर्ग से भिड़ेंगी। कल्बर्ग इस

इवेंट में टोक्यो 2020 में शामिल हुए और शुरुआती दौर में हार गई थीं। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों को पुरुष टीम स्पर्धा में कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा क्योंकि वे शुरुआती दौर में चार बार के स्वर्ण पदक विजेता पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना से भिड़ेंगे। 2008 में ओलंपिक में टीम स्पर्धाओं की शुरुआत के बाद से, चीन ने सभी संस्करणों में पुरुषों की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। भारत ने पहली बार ओलंपिक में टेबल टेनिस में टीम स्पर्धाओं के लिए क्वालीफाई किया है। 2008 में ओलंपिक में टीम स्पर्धाओं की शुरुआत के बाद से, चीन ने सभी संस्करणों में पुरुषों की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। भारत ने पहली बार ओलंपिक में टेबल टेनिस की टीम स्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया है।

इस बीच, महिला टीम राउंड 16 में रोमानिया से भिड़ेगी। दूसरे दौर में उनका सामना जर्मनी, रियो 2016 के रजत पदक विजेता से हो सकता है। पुरुष एकल में अनुभवी शरथ कमल का पहले दौर में स्लोवेनिया के 27 वर्षीय डेनी कोजुल से मुकाबला होगा। कोजुल ने टोक्यो 2020 में प्रतिस्पर्धा की, शरथ कमल पांच बार के ओलंपियन बनने के लिए तैयार हैं। इस बीच, हरमीत देसाई प्रारंभिक दौर से अपने पुरुष एकल अभियान की शुरुआत करेंगे। 27 जुलाई को देसाई का सामना जॉर्डन के ज़ैद अबो यमन से होगा। पुरुष और महिला एकल में प्रारंभिक दौर में प्रत्येक में तीन मैच शामिल होंगे। प्रारंभिक दौर के विजेता 64वें दौर के लिए अर्हता प्राप्त करेंगे। यदि हरमीत देसाई प्रारंभिक दौर जीतते हैं, तो मुख्य ड्रॉ में उनका सामना दुनिया के 5वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के फेलिक्स लेब्रून से होगा। पेरिस 2024 में टेबल टेनिस प्रतियोगिताएं 27 जुलाई से 10 अगस्त के बीच होंगी। सभी पांच प्रतियोगिताएं - पुरुष एकल, महिला एकल, मिश्रित युगल, पुरुष टीम और महिला टीम - दक्षिण पेरिस एरिना में खेली जाएंगी।

तेज गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला से बाहर

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के तेज गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा भारत के खिलाफ घरेलू टी20 श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में असिथा फर्नांडो को शामिल किया गया है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी दी। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि दुष्मंथा चमीरा अब भी ब्रोंकाइटिस और श्वसन संक्रमण से उबर रहे हैं। इसलिए वे टी20 श्रृंखला का हिस्सा नहीं होंगे। चमीरा के स्थान पर असिथा फर्नांडो को टीम में शामिल किया गया है।

श्रीलंका के लिए 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले 32 वर्षीय चमीरा ने 55 विकेट लिए हैं। उन्होंने आखिरी बार इस साल जनवरी में जिम्बाब्वे के खिलाफ

टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में श्रीलंका के लिए खेला था। चमीरा श्रीलंका की टी20 विश्व कप टीम का भी हिस्सा थे, लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं खेला। भारत और श्रीलंका के बीच तीन टी20 मैचों की श्रृंखला 27 जुलाई से शुरू हो रही है। इसके बाद दोनों टीमें 02 अगस्त से तीन मैचों की एकदीवसीय श्रृंखला भी खेलेंगी।

टी 20 श्रृंखला के लिए अपडेटेड श्रीलंकन टीमः

चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल जेनिथ परेरा, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, दिनेश चांडीमल, कामिंडु मेंडिस, दसुन शनाका, वनिंदु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, महीश तीक्षणा, चामिंडु विक्रमसिंघे, मथीशा पथिराना, नुवान तुषारा, असिथा फर्नांडो, बिनुरा फर्नांडो।

मैं हार्दिक पंड्या और बेन स्टोक्स की वजह से ऑलराऊंडर बना : नितीश रेड्डी

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर नितिध कुमार रेड्डी ने आईपीएल 2024 में ठोस प्रभाव डाला था। 21 वर्षीय खिलाड़ी ने खुलासा किया है कि उन्हें बेन स्टोक्स और हार्दिक पंड्या से ऑलराउंडर बनने की प्रेरणा मिली। रेड्डी ने कहा कि हार्दिक भाई ने मुझे एक संदेश भेजा जिसमें उन्होंने कहा कि मैं मैदान पर जो इरादा और ऊर्जा दे रहा हूं वह अच्छा है और खेल का सम्मान करते रहना है। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही बात करेंगे। मैं आईपीएल सीजन के बाद उनका संदेश देखकर हैरान रह गया। उनके संदेश के लिए धन्यवाद।आईपीएल 2024 में 21 वर्षीय खिलाड़ी ने केकेआर के लिए फाइनल समेत 15 गेम खेले और 33.67 की औसत और 142.92 की स्ट्राइक रेट से 303 रन बनाए। वह टूर्नामेंट में अर्धशतक बनाने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के अनकैप्ड भारतीय भी बन गए। नितिश ने बताया कि वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का बहुत बड़ा प्रशंसक है। उन्हेंने कहा कि मैं वास्तव में विराट कोहली और एबी डिविलियर्स की प्रशंसा करता हूं। मैं पिछले 10 वर्षों से आरसीबी का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं।

महिला एशिया कप 2024: बांग्लादेश ने मलेशिया को 114 रन के बड़े अंतर हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक खेलों की टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए ड्रा निकाला गया। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा पेरिस 2024 ओलंपिक में महिला एकल स्पर्धा के शुरुआती दौर में ग्रेट ब्रिटेन की 18 वर्षीय अन्ना हर्से से भिड़ेंगी। आगामी संस्करण के लिए 18वीं वरीयता प्राप्त बत्रा ने महिला एकल में टोक्यो 2020 के तीसरे दौर में जगह बनाई। रियो 2016 में पदार्पण के बाद ग्रीष्मकालीन खेलों में यह उनकी लगातार तीसरी उपस्थिति होगी। अन्ना हर्से ओलंपिक में पदार्पण करेंगी। इस बीच, पेरिस 2024 में महिला एकल में 16वीं वरीयता प्राप्त श्रीजा

अकुला अपने 64वें राउंड के मैच में स्वीडन की क्रिस्टीना कालबर्ग से भिड़ेंगी। कल्बर्ग इस इवेंट में टोक्यो 2020 में शामिल हुए और शुरुआती दौर में हार गई थीं। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों को पुरुष टीम स्पर्धा में कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा क्योंकि वे शुरुआती दौर में चार बार के स्वर्ण पदक विजेता पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना से भिड़ेंगे। 2008 में ओलंपिक में टीम स्पर्धाओं की शुरुआत के बाद से, चीन ने सभी संस्करणों में पुरुषों की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। भारत ने पहली बार ओलंपिक में टेबल टेनिस में टीम स्पर्धाओं के लिए क्वालीफाई किया है। 2008 में ओलंपिक में टीम स्पर्धाओं की शुरुआत के बाद से, चीन ने सभी संस्करणों में पुरुषों की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। भारत ने पहली बार ओलंपिक में टेबल टेनिस की टीम स्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया है। इस बीच, महिला टीम राउंड 16 में रोमानिया से भिड़ेगी। दूसरे दौर में उनका सामना जर्मनी, रियो 2016 के रजत पदक विजेता से हो सकता है। पुरुष एकल में अनुभवी शरथ कमल का पहले दौर में स्लोवेनिया के 27 वर्षीय डेनी कोजुल से मुकाबला होगा। कोजुल ने टोक्यो 2020 में प्रतिस्पर्धा की, शरथ कमल पांच बार के ओलंपियन बनने के लिए तैयार हैं। इस बीच, हरमीत देसाई प्रारंभिक दौर से अपने पुरुष एकल अभियान की शुरुआत करेंगे। 27 जुलाई को देसाई का सामना जॉर्डन के ज़ैद अबो यमन से होगा। पुरुष और महिला एकल में प्रारंभिक दौर में प्रत्येक में तीन मैच शामिल होंगे। प्रारंभिक दौर के विजेता 64वें दौर के लिए अर्हता प्राप्त करेंगे। यदि हरमीत देसाई प्रारंभिक दौर जीतते हैं, तो मुख्य ड्रॉ में उनका सामना दुनिया के 5वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के फेलिक्स लेब्रून से होगा। पेरिस 2024 में टेबल टेनिस प्रतियोगिताएं 27 जुलाई से 10 अगस्त के बीच होंगी। सभी पांच प्रतियोगिताएं - पुरुष एकल, महिला एकल, मिश्रित युगल, पुरुष टीम और महिला टीम - दक्षिण पेरिस एरिना में खेली जाएंगी।

समंदर के पानी में यूं पोज देती नजर आईं रवीना टंडन की बेटी

राशा थडानी

फैंस बोले- ऐसी खूबसूरती पहले नहीं देखी

रवीना टंडन इन दिनों अपने बच्चों के साथ इटली में वेकेशन एंजॉय कर रही हैं। इस बीच उनकी बेटी राशा भी वेकेशन से कई सारे फोटोज और वीडियो शेयर कर रही हैं जिसमें उनके हॉट और बोल्ड अवतार को देखा जा सकता है। इन तस्वीरों में राशा व्हाइट कलर की शॉर्ट ड्रेस में समुद्र किनारे खड़े होकर पोज देती नजर आईं।

पानी में मस्ती करती नजर आईं

राशा के इस किलर लुक पर फैंस अपना दिल हार बैठे हैं।

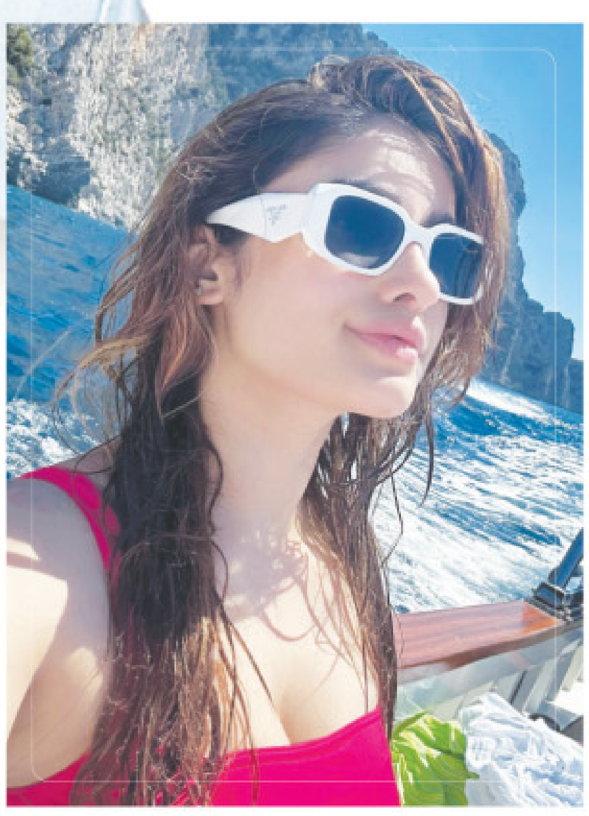

उन्होंने जो तस्वीरें शेयर की हैं वो उनके पूरे वेकेशन की एक झलक दे रही है। इनमें से कुछ तस्वीर वहां के स्ट्रीट व्यू की हैं। जबकि कुछ अन्य फोटोज में वो पानी में स्वीमिंग करती और उसका लुत्फ उठाती नजर आईं।

राशा की इन तस्वीरों को देखकर लोग उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, पहाड़ों में भी ऐसी ब्यूटी नहीं है अब तो। एक दूसरे यूजर ने कमेंट किया- हमेशा की तरह गार्जियस, ब्यूटीफुल क्वीन। लवली सुंदर प्रिंसेज तीसरे यूजर ने कमेंट किया, क्या खूबसूरती है.

इस फिल्म से करेंगी डेब्यू

बता दें कि राशा बहुत जल्द अजय देवगन और उनके भांजे अमन देवगन संग एक एडवेंचर मूवी में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म को निर्देशक अभिषेक कपूर डायरेक्ट करेंगे जिन्हें केदारनाथ और रॉक ऑन जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।इस फिल्म के बारे में बात करते हुए राशा ने बताया था कि उनका पहली फिल्म के लिए ऑडिशन अच्छा नहीं गया था। इस फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं है। फिल्म को प्रज्ञा कपूर और रॉनी स्क्रूवाला मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

रोहित शेट्टी

ने फिल्मों के बढ़ते बजट के मुद्दे पर लिया स्टार्स का पक्ष, बताई लागत ज्यादा होने की असल वजह

बॉलीवुड में पिछले काफी दिनों से स्टार्स की वजह से फिल्मों के बढ़ते बजट का मुद्दा चल रहा है। मेकर्स को शिकायत है कि स्टार्स में अपने साथ कई लोगों की टीम लेकर चलते हैं, जिनका खर्च उठाने की वजह से फिल्म के बजट पर असर पड़ता है। इस बहस में अब डायरेक्टर रोहित शेट्टी भी कूद पड़े हैं। हालांकि, उन्होंने बढ़ते बजट का जिम्मा एक्टर्स पर नहीं पर डाला।रोहित शेट्टी अब तक बॉलीवुड के कई सुपरस्टार्स के साथ काम कर चुके हैं। इनमें शाह रुख खान और रणवीर सिंह से लेकर दीपिका पादुकोण और करीना कपूर तक, इंडस्ट्री के कुछ सबसे बड़े सितारों के नाम शामिल हैं।

सिर्फ एक्टर्स नहीं बढ़ाते बजट

रोहित शेट्टी ने कहा, असल में ऐसा नहीं है। मेरे साथ, ये बिल्कुल अलग है। जब हम लागत की बात करते हैं, तो यह सिर्फ अभिनेताओं की बात नहीं है। ट्रैवेल से लेकर टिकट और होटल तक, हर चीज की कीमत बढ़ गई है। यह सिर्फ एक्टर्स की बात नहीं है। हर चीज की लागत बढ़ गई है। इसे ध्यान में रखते हुए, सिर्फ इसलिए कि एक्टर्स के पास अपनी एक टीम होती है और उनपर बहुत ज्यादा पैसा खर्च किया जाता है, ऐसा नहीं है।

छ्त्रड्ड और वीएफएक्स भी है वजह

डायरेक्ट ने पिछले कुछ सालों में फिल्मों में CGI और वीएफएक्स के लगातार इस्तेमाल के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि अब हर कोई VFX का इस्तेमाल कर रहा है। ये सिर्फ हमारे यहां ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में हो रहा है। सबसे जरूरी बात ये है कि ये थोड़ा आसान और सुरक्षित है। जब आप हाथ से हाथ का मुकाबला कर रहे होते हैं, तो हम रियल होने की कोशिश करते हैं। हम पुराने जमाने के लोग हैं। मेरे लिए, हाथ से हाथ का मुकाबला हमेशा ओरिजिनल रहेगा। यहां तक कि जब आप मेरी अगली फिल्म (सिंघम अगेन) देखेंगे, तो फाइट सीन असली होगा और हां, इसमें बहुत सीजी भी है।

सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी हीरोइन ने उनको किया याद, बोलीं- मुझे तुम्हारी याद आती है सुश

सुशांत सिंह राजपूत को दुनिया छोड़े चार साल हो चुके हैं. अचानक हुई उनकी मौत के हर किसी को हैरान कर दिया था. सुशांत सिंह राजपूत ने बॉलीवुड की कई एक्ट्रेस संग काम किया था. कई एक्ट्रेस उन्हें आज भी सोशल मीडिया के जरिए याद करती रहती हैं. अब सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी हीरोइन ने उन्हें याद किया. साथ ही सोशल मीडिया पर इमोशनल पोस्ट लिखा है. सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म दिल बेचारा थी. इस फिल्म में उनके हीरोइन संजना सांघी थीं.

संजना सांघी ने दिल बेचारा से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था. इस फिल्म को रिलीज हुए आज चार साल हो चुके हैं. ऐसे में उन्होंने फिल्म और सुशांत सिंह राजपूत से जुड़ी यादों को याद किया है. संजना सांघी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर दिल बेचारा से जुड़ी तस्वीरों को शेयर किया है. इन तस्वीरों के साथ उन्होंने पोस्ट में लिखा, इस खास दिन को 4 साल हो गए हैं. यह मेरे लिए अब तक के अविश्वसनीय सफर पर चिंतन करने और खुद को पुरानी यादों में डुबोने का दिन है.

एक्ट्रेस ने पोस्ट में आगे लिखा, दिल बेचारा और किज़ी बसु को आपने जो असीम प्यार दिया है, उसके लिए मैं कभी भी आभारी नहीं हो सकता. आप सभी का मनोरंजन करने का यह अवसर पाकर मैं अपने दिल में जो उत्साह महसूस कर रहा हूं, उसके लिए मैं कभी भी आभारी नहीं हो सकता, धन्यवाद, लाखों बार, मुझे तुम्हारी याद आती है सुश. आपको बता दें कि दिल बेचारा सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद ओटीटी पर रिलीज हुई थी.

पहले से ज्यादा खतरनाक हुआ Khatron Ke Khiladi, शो के नए सीजन में बदल दिए गए 90 प्रतिशत पुराने स्टंट

खतरनाक स्टंट से भरा खतरों के खिलाड़ी अगले सीजन के साथ कुछ ही दिनों में हाजिर होने वाला है। नए सीजन को देखने के लिए फैंस बेताब हैं। सोशल मीडिया पर शो से जुड़े कई पोस्ट और वीडियो सामने आ चुके हैं, जिसमें इस सीजन के कंटेस्टेंट्स ने अपना बेखौफ और दमदार अंदाज सबसे सामने रखा।

पॉपुलर रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी का ये 14वां सीजन होगा। रोहित शेट्टी एक बार फिर शो को होस्ट करते नजर आएंगे। लेकिन इस बार के सीजन में काफी कुछ नया और बदला हुआ देखने को मिलने वाला है। इसका खुलासा खुद रोहित शेट्टी ने किया है।

अलग होगा खतरों के खिलाड़ी 14

एएनआई से बातचीत में रोहित शेट्टी ने बताया कि इस बार के सीजन से फैंस क्या कुछ उम्मीद लगा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस बार शो में कई नए स्टंट देखने को मिलने वाले हैं। कंटेस्टेंट्स तो नए होंगे ही, साथ ही लेकेशन भी न्यू है।

कंटेस्टेंट्स के साथ जगह भी है नई

खतरों के खिलाड़ी 14 के कई सीजन की शूटिंग केप टाउन में हुई है। लेकिन इस बार लोकेशन चेंज कर शो को रोमानिया में शूट किया गया है। रोहित शेट्टी ने बताया कि लोकेशन के लिए कई जगह

घूमे, तब जाकर रोमानिया को फाइनल किया गया।

सेफ्टी को लेकर रखा जाता है खास ध्यान

रोहित शेट्टी ने बताया कि शो में कंटेस्टेंट्स की सेफ्टी का खास ख्याल रखा जाता है। यह उनकी टॉप प्रायरिटी होती है क्योंकि जो लोग स्टंट परफॉर्म करने आते हैं, वह एक्टर्स होते हैं, स्टंटमैन नहीं। इस बार शो में 80-90 प्रतिशत नए स्टंट रखे गए हैं।

अमेरिकन शो का हिंदी फॉर्मेट है खतरों के खिलाड़ी

खतरों के खिलाड़ी का पहला सीजन 2008 में शुरू हुआ था, जिसे अक्षय कुमार ने होस्ट किया था। रोहित शेट्टी इस शो को पिछले 10 साल से होस्ट कर रहे हैं। वहीं, कंटेस्टेंट्स के साथ अपनी बॉन्डिंग पर कहा कि वह सभी के साथ अलग बॉन्डिंग शेयर करते हैं, लेकिन सबके साथ उनका रिलेशन अच्छा ही है।

खतरों के खिलाड़ी 14 के कंटेस्टेंट्स

खतरों के खिलाड़ी 14 में निमृत कौर अहलूवालिया, सुमोना चक्रवर्ती, गशमीर महाजनी, करण वीर मेहरा, आसिम रियाज, शालीन भनोट, अभिषेक कुमार, कृष्णा श्रॉफ, शिल्पा शिंदे सहित कई कंटेस्टेंट्स हैं। यह शो कलर्स चैनल पर शुरू होगा। खतरोंक के खिलाड़ी 14 27 जुलाई से शुरू हो रहा है।